शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शनिवार 22 नवंबर 2025 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 222 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.4	13.2
डालटनगंज	28.8	12.5
धनबाद	27.3	16.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

पाक के पंजाब प्रांत में फैक्टरी में गैस धमाका, 15 की मौत

इस्लामाबाद । पाक के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को एक फैक्टरी में हुए गैस धमाके में 15 लोगों की जान चली गई. इस विस्फोट में कई अन्य घायल भी हुए हैं. प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने घटना में जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है. डान अखबार के अनुसार, फैसलाबाद कमिश्नर ने कहा गया कि मलिकपुर इलाके के पास एक फैक्टरी में हुए गैस धमाके में 15 लोगों की मौत हो गई.

मस्जिद की जमीन से निकली राम की मूर्ति

सागर । मध्य प्रदेश के सागर जिले में बंडा तहसील अंतर्गत ग्राम पापेट में शुक्रवार को मस्जिद की जमीन पर बाउंड्रीवॉल की खुदाई के दौरान एक प्राचीन मूर्ति निकली. उक्त मूर्ति भगवान राम और माता सीता की होना बताई जा रही है. यह सूचना मिलते ही हिंदू संगठन के लोग ग्राम पापेट पहुंच गए और उन्होंने मूर्ति की पूजा-अर्चना की. इसी बीच कुछ देर बाद मुस्लिम समाज के लोग भी वहां पहुंच गए और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोहान्सबर्ग पहुंचे

जोहान्सबर्ग । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अफ्रीकी महाद्वीप में पहली बार होने वाली जी-20 नेताओं की शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार तड़के जोहान्सबर्ग पहुंचे. दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी में पहली बार होने वाला यह शिखर सम्मेलन 21 से 23 नवंबर तक चलेगा.मीडिया में खबरों के मुताबिक एयर इंडिया वन से स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 6:30 बजे ओआर टांबो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग के बाद प्रधानमंत्री का यहां जोरदार स्वागत किया गया.

बांग्लादेश में भूकंप: 3 की मौत, 100 घायल

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास नरसिंदी जिले में शुक्रवार सुबह आए भूकंप के कारण कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई जबकि 100 से ज्यादा अन्य घायल हो गए. भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.7 मांपी गई. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह 10:08 बजे आए इस भूकंप का केंद्र नरसिंदी से 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था, जो ढाका से लगभग 50 किलोमीटर दूर है.

एकता के लिए एकरूपता आवश्यक नहीं: भागवत

इम्फाल । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मणिपुर प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां जनजातीय प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया. उन्होंने समाज में स्थायी शांति, सौहार्द और प्रगति के लिए एकता एवं चरित्र निर्माण को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि भ्रातृत्व ही भारत का धर्म है. उन्होंने कहा कि एकता के लिए एकरूपता आवश्यक नहीं है. डॉ. भागवत ने कहा कि संघ पूर्णतः सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य समाज को जोड़ना है.

मेक्सिको की फातिमा बॉश के सिर सजा मिस यूनिवर्स 2025 का ताज
भारत की मनिका विश्वकर्मा टॉप 12 में नहीं बना पाईं जगह

नई दिल्ली । थाईलैंड में आयोजित मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में मेक्सिको की फातिमा बॉश ने खिताब अपने नाम कर लिया. उन्हें 2024 की मिस यूनिवर्स डेनमार्क की विक्टोरिया केजर थेलविग ने ताज पहनाया. फिनाले के दौरान फातिमा के नाम की घोषणा होते ही पूरा हॉल उत्साह से भर उठा. ताज पहनाए जाने के पल में उनकी भावनाएं साफ झलक रही थीं. यह उनके वर्षों की मेहनत और समर्पण का नतीजा था. भारत की मनिका विश्वकर्मा टॉप 12 में जगह नहीं बना पाईं. इस बार 100 से ज्यादा देशों की प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. फाइनलिस्ट में चिली, कोलंबिया, क्यूबा, ग्वाडेलोप, मेक्सिको, प्यूर्टो रिको, वेनेजुएला, चीन, फिलीपींस, थाईलैंड, माल्टा और कोटे डी आइवर शामिल रहे. इस वर्ष भारत की बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल जजों के पैनल का हिस्सा थीं.

दुबई एयर शो में भारतीय फाइटर जेट तेजस क्रैश
हादसे में पायलट की मौत

एजेंसी । दुबई

दुबई एयर शो में शुक्रवार को आयोजित उड़ान प्रदर्शन के दौरान भारतीय तेजस लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया. वायु सेना ने बयान जारी कर बताया कि इस हादसे में पायलट की भी मौत हो गई है. स्थानीय समय अनुसार दोपहर 2:10 बजे तेजस एम के-1 प्रदर्शन के दौरान डेमो उड़ान भर रहा था, तभी अचानक विमान अनियंत्रित हो गया और नीचे गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. विमान के जमीन से टकराते ही जोरदार धमाका हुआ और कुछ ही पलों में काले धुएं का गुबार हवा में फैल गया. वहां मौजूद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया. बड़ी संख्या में लोग दुबई एयर शो देखने आए थे. इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे. भीड़ ने विमान को नीचे गिरते देखा और फिर अचानक उठते धुएं के कारण अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

एक घंटे से भी कम समय में आग पर पाया गया काबू : दुबई की स्थानीय मीडिया के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद हेलिकॉप्टर्स और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाया गया. करीब 45 मिनट में पूरे घटनाक्रम को संभाल लिया गया. कार्यक्रम दोबारा शुरू होगा या नहीं, इस पर अभी स्पष्ट जानकारी नहीं है.

स्वदेशी है ताकतवर तेजस

भारतीय वायुसेना का तेजस एम के-1 लड़ाकू विमान पूरी तरह भारत में निर्मित एक आधुनिक फाइटर जेट है. इसे हल्का, तेज और अधिक फुर्तीला बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि यह विभिन्न तरह के कॉम्बैट मिशन आसानी से पूरा कर सके. तेजस को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हॉल) ने विकसित किया है. यह देश की स्वदेशी रक्षा क्षमता का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है. इसके डिजाइन और संरचना में कई उन्नत तकनीकों का समावेश किया गया है. तेजस 4.5 जनरेशन श्रेणी का विमान है, जिसमें आधुनिक एवियोनिक्स, बेहतर हथियार प्रणाली और उत्कृष्ट मैनूवरिंग क्षमताएं शामिल हैं. यह छोटा और हल्का होने के बावजूद सुपरसोनिक गति से उड़ान भरने की क्षमता रखता है.

दिल्ली ब्लास्ट केस : मुजम्मिल और उमर का ऐसे हुआ ब्रेनवॉश
विदेश से हैंडलर ने भेजे 3 दर्जन सुसाइड बॉम्बिंग के वीडियो

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली धमाके में विदेशी साजिश के स्पष्ट साबूत मिले हैं. लाल किले बम धमाके में शामिल आरोपियों को एनक्रिप्टेड ऐप्लिकेशन के ज़रिए विदेशों से सुसाइड बॉम्बिंग के वीडियो भेजे गए हैं. दिल्ली बम धमाकों की जांच कर रही एजेंसियों ने ख़ुलासा करते हुए कहा है कि साइड बॉम्बिंग वीडियो जैश के डॉक्टर माड्यूल से शेयर किए जा रहे थे. ऐसे करीब 3 दर्जन से ज़्यादा वीडियो इस मॉड्यूल के विदेशी हैंडलरों ने डॉक्टरों से शेयर किया था. ये डॉक्टर ब्लास्ट में शामिल थे और जांच एजेंसियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है. इनमें से एक डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनी है जिसे एजेंसियों ने गिरफ्तार किया है. इस डॉक्टर ने पूछताछ के दौरान पूरी कार्यप्रणाली जांच एजेंसियों को बताया है. डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनी ने जांच एजेंसियों से कहा है कि इन वीडियो में बारीकी से इस बात का ज़िक्र होता था कि सुसाइड बॉम्बर का मकसद क्या होता है, और किस तरीके से उनके भीतर ऐसी प्रवृत्ति आ रही है.

जांच एजेंसियों के मुताबिक ऐसे वीडियो का दुनिया के दूसरे आतंकी संगठन भी इस्तेमाल करते हैं. जांच एजेंसियां अब इस बात की तफ़्तीश कर रही है कि मुजम्मिल के अलावा और किस-किस को लाल किले बम धमाके के मॉड्यूल को हैंडलरों ने इस तरह का वीडियो भेजा है.

इन वीडियो के जरिये ये आतंकी अपने पैसे से बम बना रहे थे. और इसके लिए खुद खरीदारी कर रहे थे. इससे पता चलता है कि ये आतंकी किस कदर रेडिक्लाइज हो गए थे. जानकारी के मुताबिक इन आतंकियों ने 26 लाख रुपये खुद इकट्ठा किए थे और 4 गाड़ियों को जमा किया था. इन वीडियो से डॉ मुजम्मिल और डॉ उमर पूरी तरह से ब्रेनवश़ हो चुके थे. डॉ उमर ने ही लाल किले के बाहर अपनी कार से ब्लास्ट किया था. इस धमाके में आतंकी उमर के चिथड़े उड़ गए थे. जांच एजेंसियां अब इन हैंडलरों का पता लगाने में जुटी हैं. इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली केस में तीन हैंडलरों की पहचान 'हनजुल्लाह', 'निसार' और 'उकासा' के रूप में हुई है. लेकिन ये इनका कोड नेम हो सकता है. इस रिपोर्ट के अनुसार जो शख़्स 'हनजुल्लाह' नाम इस्तेमाल कर रहा था उसने लगभग 40 वीडियो मुजम्मिल अहमद गनी को भेजे. गनी ही वो शख़्स था जिसने धमाके में इस्तेमाल किए गए विस्फोटक को इकट्ठा किया था. दिल्ली ब्लास्ट में जांच एजेंसियों ने अबतक 6 लोगों को गिरफ्तार किया है.

अल-फलाह यूनिवर्सिटी चेयरमैन के घर पर तोड़फोड़ कार्रवाई रुकी, हाईकोर्ट ने 15 दिन का स्टे लगाया

इंदौर । फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद सिद्दीकी के महू स्थित मकान पर की जा रही तोड़फोड़ की कार्रवाई को फिलहाल हाई कोर्ट से राहत मिल गई है. शुक्रवार सुबह 11 बजे मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने महू कैंट बोर्ड द्वारा जारी नोटिस पर 15 दिनों का अंतरिम स्थगन आदेश (स्टे) जारी किया. यह आदेश मकान में रह रहे अब्दुल माजिद की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगले 15 दिनों तक भवन पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई या तोड़फोड़ नहीं की जाएगी. इसके बाद मामले की अगली सुनवाई निर्धारित होगी. दरअसल, याचिकाकर्ता अब्दुल माजिद ने अपनी अर्जी में कैंट बोर्ड के नोटिस को आधारहीन बताते हुए चुनौती दी थी. याचिका में कहा गया कि नोटिस में यह उल्लेख ही नहीं किया गया है कि भवन का कौन-सा हिस्सा अवैध निर्माण की श्रेणी में आता है. इसके अलावा, कैंट बोर्ड ने 1996-97 के पुराने नोटिसों का हवाला दिया है, जबकि वर्तमान हालात के अनुरूप कोई स्पष्ट तथ्य या आधार प्रस्तुत नहीं किए गए. याचिका में यह भी कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट की वर्ष 2025 की गाइडलाइन का पालन नोटिस में नहीं किया गया. मकान के स्वामित्व को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की गई. बताया गया कि यह मकान पहले जवाद सिद्दीकी के पिता हम्माद सिद्दीकी ने उन्हें गिफ्ट किया था. बाद में जवाद सिद्दीकी ने इसे अब्दुल माजिद को गिफ्ट में दिया, जो लंबे समय से अपने परिवार के साथ वहीं रह रहे हैं.

फरीदाबाद से एक शख्स हिरासत में, ग्राइंडर-मेल्टिंग फर्नेस बरामद

फरीदाबाद में एक जांच एजेंसी ने आतंकी गतिविधियों के एक मामले में कार्रवाई करते हुए शब्बीर नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है. एजेंसी ने शब्बीर के पास से एक ग्राइंडर और मेल्टिंग फर्नेस भी बरामद किया है. सूत्रों के मुताबिक, बीती रात जांच एजेंसियां शब्बीर के घर पहुंचीं थी और इसी दौरान सामान बरामद किया. इसके बाद एजेंसिया शब्बीर को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गईं. बताया जाता है कि मेल्टिंग फर्नेस और ग्राइंडर शब्बीर के घर पर डॉक्टर मुजम्मिल ने रखे थे. मुजम्मिल ने शब्बीर से कहा था कि यह सामान उसकी बहन के यहां जाना है, इसलिए वह इसे कुछ समय के लिए अपने पास रख ले.

शातिर प्रवृत्ति का है मुजम्मिल : शब्बीर और डॉक्टर मुजम्मिल के बीच संबंध कई साल पुराना है. कहा जाता है कि शब्बीर के बेटे के जल जाने के बाद डॉ. मुजम्मिल ने उसका इलाज किया था. इसके बाद से मुजम्मिल लगातार शब्बीर के संपर्क में था. डॉ. मुजम्मिल की कार्यप्रणाली यह रही है कि वह पहले लोगों से व्यक्तिगत संबंध बनाता था और फिर उन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल करता था. इसी तरह, मुजम्मिल ने पहले मस्जिद के इमाम इस्ताक के घर पर 2500 किलो से ज़्यादा विस्फोटक रखा था.

बिहार में सभी मंत्रियों के विभागों का हुआ बंटवारा
सम्राट चौधरी को गृह मंत्रालय और रामकृपाल को मिला कृषि विभाग

संवाददाता । पटना

बिहार में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद शुक्रवार को विभागों का बंटवारा कर दिया गया. इस बार सबसे बड़ा बदलाव यह रहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जगह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह विभाग की जिम्मेदारी दी गई है. यह पहला मौका है जब गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री की बजाय उप मुख्यमंत्री को सौंपा गया है. नई गठबंधन सरकार में भाजपा, जदयू, हम, रालोम और लोजपा (रामविलास) के कोटे से शामिल मंत्रियों को भी उनके विभाग आवंटित कर दिए गए हैं. विभागों के बंटवारे में सहयोगी दलों की हिस्सेदारी और अनुभव को ध्यान में रखा गया है, ताकि प्रशासनिक कामकाज को गति दी जा सके. विभागों के बंटवारे के साथ ही नई सरकार ने प्रशासनिक कामकाज को गति देने की तैयारी शुरू कर दी है. विभाग आवंटन में सहयोगी दलों की हिस्सेदारी और अनुभव को ध्यान में रखते हुए संतुलन साधने की कोशिश की गई है.

किस मंत्री को मिला कौन-सा विभाग

भाजपा से शामिल मंत्री : सम्राट चौधरी (उपमुख्यमंत्री)- गृह विभाग, विजय कुमार सिन्हा (उपमुख्यमंत्री)-राजस्व एवं भूमि विभाग, मंगल पांडेय-स्वास्थ्य एवं विधि विभाग, डॉ. दिलीप जायसवाल - उद्योग विभाग, नितिन नवीन - पथ निर्माण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, रामकृपाल यादव-कृषि विभाग, संजय टाइगर-श्रम संसाधन विभाग, अरुण शंकर प्रसाद-पर्यटन, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, सुरेंद्र मेहता-पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, नारायण प्रसाद-आपदा प्रबंधन विभाग, रमा निषाद-पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, लखेंद्र कुमार रोशन-अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, श्रेयसी सिंह-सूचना एवं खेल विभाग, प्रमोद कुमार (चंद्रवंशी)-सहकारिता, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

जदयू (जदयू) से शामिल मंत्री : विजय चौधरी-जल संशाधन और भवन निर्माण विभाग, विजेंद्र प्रसाद यादव-ऊर्जा मंत्री, श्रवण कुमार-ग्रामीण विकास मंत्रालय, अशोक चौधरी-ग्रामीण कार्य मंत्रालय, लेसी सिंह-खाद्य उपभोक्ता मंत्रालय, मदन साहनी-समाज कल्याण मंत्रालय, मोहम्मद जमा खान-अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, सुनील कुमार - शिक्षा मंत्रालय.

हम से शामिल मंत्री : संतोष कुमार सुमन-लघु जल संसाधन विभाग, लोजपा (राम विलास) से शामिल मंत्री, संजय कुमार-गन्ना उद्योग विभाग, संजय सिंह - लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग.

राष्ट्रीय लोक मोर्चा से शामिल मंत्री : दीपक प्रकाश-पंचायती राज विभाग.

बिहार महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सरवत ने दिया इस्तीफा

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव (2025) में एक तरफ जहां कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया तो दूसरी ओर अब पार्टी के नेताओं की नाराजगी सामने आने लगी है. बिहार महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी से नाराज होकर सरवत जहां ने इस्तीफा दे दिया है. शुक्रवार को मीडिया से उन्होंने बातचीत में कहा कि 2025 में सिर्फ 8 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व रहा, जो दुखद है. उन्होंने कहा कि मुझे बिहार महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष बने 28 महीने हो गए. महिला कांग्रेस की जो हमारी बहन हैं, बिहार के 38 जिलों की जो महिला जिलाध्यक्ष हैं, हम सब मिलकर बूथ स्तर पर गए. महिलाओं की जो समस्या थी उसको उठाया. महिला कांग्रेस हमेशा सड़क पर रही. बहुत सारी महिलाओं को उम्मीद थी कि टिकट मिलेगा. पहली बार ऐसा हुआ कि महिला अध्यक्ष को भी टिकट नहीं मिला.

देश से घुसपैठियों को एक-एक कर बाहर निकालेंगे : अमित साह

भुज । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए घुसपैठियों को रोकना अनिवार्य है. इसके लिए देशवासियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में पूरा सहयोग देना चाहिए. गुजरात के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की हीरक जयंती समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के चलते एसआईआर का विरोध करने वाले दल देश के मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान को कमजोर कर रहे हैं, जबकि यह प्रक्रिया मजबूत लोकतंत्र की बुनियाद है. शाह ने कहा कि देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकाला जाएगा. बिहार की जनता के ताज़ा जनमत ने भी संदेश दे दिया है कि देशवासी घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे.

विदाई : आखिरी कार्यदिवस पर भावुक हुए सीजेआई बीआर गवई, बोले-
जो भी देश के लिए कर सकता था वो किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि वह लगभग चार दशक लंबे अपने कानूनी और न्यायिक सफर के अंत में पूरे संतोष और तृप्ति के साथ 'न्याय के छात्र' के तौर पर इस संस्था को छोड़ रहे हैं. गौरतलब है कि सीजेआई गवई का सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को आखिरी दिन था. वे इस दौरान विदाई समारोह के लिए गठित बेंच के साथ कार्यवाही पर बैठते हुए भावुक नजर आए. इस बेंच में उनके साथ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विनोद चंद्रन मौजूद थे. गवई ने कहा, आप सभी को सुनने के बाद, खासकर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और कपिल सिब्बल की कविताएं और आप सभी की गर्मजोशी से भरी भावनाएं सुनकर मेरी आवाज थम-सी गई है. उन्होंने कहा, जब मैं इस अदालत कक्ष से आखिरी बार बाहर जाऊंगा... मैं इस अनुभूति के साथ जाऊंगा कि मैंने इस देश के लिए जो कुछ कर सकता था, वह किया. धन्यवाद, बहुत-बहुत धन्यवाद. कार्यवाही के दौरान साथी जजों ने सीजेआई गवई के योगदान को याद किया. बता दें कि गवई जस्टिस केजी बालकृष्णन के बाद दूसरे दलित और पहले बौद्ध सीजेआई हैं. गवई ने कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि हमारा संविधान समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व के

सिद्धांतों पर आधारित है, और मैंने अपनी जिम्मेदारियां इन्हीं चार दीवारों के भीतर रहकर निभाईं.

इस साल 14 मई को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस पद की शपथ लेने वाले गवई 23 नवंबर 2025 को पद छोड़ देंगे और शुक्रवार उनका अंतिम कार्यदिवस था. अपने सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा, 1985 में जब मैंने पेशे में प्रवेश किया, तब मैं कानून की पढ़ाई के लिए विद्यालय में आया था. आज जब मैं पद छोड़ रहा हूं, तो 'न्याय का विद्यार्थी' बनकर जा रहा हूं. उन्होंने वकील, हाईकोर्ट के जज, सुप्रीम कोर्ट के जज और आखिरकार चीफ जस्टिस के पद तक की अपनी 40 वर्ष से ज्यादा की यात्रा को संतोषजनक बताया.

आंबेडकर के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और अपने पिता, जो बाबासाहेब के करीबी सहयोगी थे, का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी न्यायिक विचारधारा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के प्रति आंबेडकर की प्रतिबद्धता से आकार लेती रही. सुप्रीम कोर्ट के प्रशासन पर उन्होंने कहा, सीजेआई के रूप में लिए सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए गए. हम एक संस्था की तरह कार्य करें, यही मेरी धारणा रही.

सहयोगियों ने भी याद किए साथ काम करने के अनुभव : जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, वे मेरे लिए केवल सहकर्मी नहीं, भाई और विश्वास पात्र हैं. बेहद ईमानदार व्यक्ति. उन्होंने बताया कि गवई मामलों को धीरज और गरिमा के साथ संभालते थे और युवा वकीलों को प्रोत्साहित करते थे. दूसरी तरफ भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने 'भूषण' शब्द के मराठी अर्थ आभूषण का जिक्र करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति गवई ने न्यायपालिका को 'सुशोभित' किया है.

लेबर रिफॉर्म्स का नया दौर: आज से देश में लागू हुए 4 नए श्रम कानून
नियुक्ति पत्र, समय पर सैलरी व न्यूनतम वेतन अब कानूनी रूप से होगा अनिवार्य

एजेंसी । नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को श्रम क्षेत्र में सुधार करते हुए चार नए लेबर कोड लागू कर दिए हैं. 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने वाले इन सुधारों के साथ वर्षों पुराने 29 केंद्रीय श्रम कानून खत्म हो गए और उनकी जगह चार आधुनिक कोड लागू हुए हैं- वेज कोड 2019, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020, सोशल सिक्योरिटी कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020. सरकार का कहना है कि नई व्यवस्था का उद्देश्य एक मजबूत, सुरक्षित और पारदर्शी मजदूर-ढांचा तैयार करना है, जिससे श्रमिकों के अधिकार सुरक्षित हों और उद्योगों को सरल और प्रतिस्पर्धी माहौल मिले.

नए लेबर कोडों के प्रमुख बदलाव

नियुक्ति पत्र अनिवार्य : अब देशभर में सभी नियोक्ताओं को नियुक्ति के समय कर्मचारियों को अपॉइंटमेंट लेटर देना होगा, जिससे रोजगार की शर्तों में पारदर्शिता बढ़ेगी. **न्यूनतम वेतन पूरे देश में लागू :** हर श्रमिक को ऐसा वेतन मिलेगा जो जीवन यापन के लिए पर्याप्त हो. **समय पर वेतन :** नियोक्ता निर्धारित समय पर सैलरी देने के कानूनी रूप से बाध्य होंगे. **स्वास्थ्य-सुरक्षा :** 40 वर्ष से अधिक आयु वाले कर्मचारियों के लिए वार्षिक हेल्थ चेकअप मुफ्त किया गया है. **महिलाओं को बराबरी व सुरक्षा :** सुरक्षा प्रावधानों के साथ अब महिलाएं रात की शिफ्ट में काम कर सकेंगी. **अनौपचारिक व गिग वर्कर्स को पहचान :** प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पीएफ, बीमा, पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें कंपनियों को योगदान देना होगा.

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि ये सुधार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मजबूत आधार तैयार करेंगे. सामाजिक सुरक्षा कवरेज पहले 19% था, जो 2025 में बढ़कर 64% हुआ और आगे और बढ़ने की उम्मीद है. नए कोडों से खासकर एमएसएमई श्रमिकों, कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स, महिलाओं और गिग वर्कर्स को बड़ा लाभ मिलेगा.

1984 सिख दंगा पीड़ितों के मामले की निगरानी जारी

आयोग को सभी सुविधाएं जारी रखने का निर्देश दिया

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों को मुआवजा देने और दंगों से जुड़े मामलों की निगरानी के लिए गठित वन मैन कमीशन को सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. अदालत ने कहा कि आयोग को स्वतंत्र रूप से और बिना किसी बाधा के काम करने दिया जाना चाहिए. अगली सुनवाई मार्च 2026 में होगी.मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि वन मैन कमीशन को स्टेनोग्राफर, कंप्यूटर टाइपिस्ट और नोडल अधिकारी जैसी सभी सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं. अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि एक बार प्रदान की गई सुविधाओं को वापस नहीं लिया जाएगा.

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने अदालत को बताया कि वन मैन कमीशन को सभी सुविधाएं प्रदान कर दी गई हैं. इससे पहले, हस्तक्षेपकर्ता की ओर से अदालत को यह बताया गया था कि आयोग को अभी तक कई जरूरी सुविधाएं नहीं मिली थीं. याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को यह भी जानकारी दी कि आयोग ने चार जिलों, रांची, रामगढ़, बोकारो और पलामू में सिख दंगा पीड़ितों को मुआवजा देने की सिफारिश की है. राज्य सरकार ने बताया कि आयोग की रिपोर्ट के आधार पर मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया जारी है और 41 में से 39 पीड़ितों को मुआवजा प्रदान किया जा चुका है.

गौरतलब है कि सिख दंगों की जांच और पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए उच्च न्यायालय के आदेश पर सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीपी सिंह की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था. आयोग ने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है, जिसमें चार जिलों में प्रभावित लोगों को मुआवजा देने की स्पष्ट सिफारिश की गई है.

झारखंड@25 स्मारिका का विमोचन : वक्ताओं ने कहा

राज्य के विकास में सबसे बड़ी बाधा इच्छाशक्ति का अभाव

शुभम संदेश। रांची

रांची प्रेस क्लब सभागार में झारखंड राज्य के 25 वर्षों की यात्रा पर आधारित स्मारिका 'झारखंड@25' का बुधवार को औपचारिक विमोचन किया गया. सामाजिक-आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र, रांची द्वारा प्रकाशित 178 पृष्ठीय इस स्मारिका में राज्य के शासन-प्रशासन, आर्थिक-सामाजिक स्थिति, शिक्षा-स्वास्थ्य की दशा और प्रशासनिक चुनौतियों पर वरिष्ठ अधिकारियों व विशेषज्ञों के विश्लेषण शामिल हैं. कार्यक्रम में पूर्व गृह सचिव जेबी तुबिद, पूर्व विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह, अर्थशास्त्री एवं राज्य वित्त आयोग सदस्य हरिश्वर दयाल, पूर्व सांसद महेश पोद्दार समेत कई दिग्गजों ने संयुक्त रूप से स्मारिका का लोकार्पण किया.

कार्यक्रम में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि झारखंड के विकास को सबसे अधिक प्रभावित करने वाली समस्या राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति का अभाव है. पूर्व गृह सचिव जेबी तुबिद ने स्पष्ट कहा कि मजबूत

प्रशासनिक प्रतिबद्धता हो तो झारखंड को पांच वर्षों में बदला जा सकता है. लेकिन स्थानीय नीति संबंधी विवाद, नियुक्तियों में अनियमितता, संवैधानिक संस्थाओं में राजनीतिक हस्तक्षेप और अधिकारियों की दबाव में पदस्थापना जैसी बाधाएं विकास की रफ्तार को रोक देती हैं.

पूर्व विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह ने चिंतापूर्ण स्थिति की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि जब वरिष्ठ अधिकारियों को अपने ही अधीनस्थों से डर महसूस होने लगे, तब सुचारु प्रशासन की उम्मीद करना कठिन है. उन्होंने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में झारखंड की अपार संभावनाएं होने के बावजूद 'मोमेंटम झारखंड' जैसे आयोजनों का वास्तविक लाभ नहीं मिल पाया क्योंकि निवेशकों को समय पर भूमि, बिजली और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं कराई गईं. उनके अनुसार, जब एक उद्योग राज्य से हटता है तो उसके प्रभाव में करीब दस संभावित निवेशक भी झारखंड आने से हिचकते हैं.

अर्थशास्त्री हरिश्वर दयाल ने कहा कि बीते 25 वर्षों में झारखंड की आर्थिक नींव अवश्य मजबूत हुई है, लेकिन उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक उठाना और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाना अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई है. वहीं पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि रांची से केवल 17 किलोमीटर दूर स्थित गांवों में अब भी लोग बिजली का इंतजार कर रहे हैं, जो विकास की असमानता को दर्शाता है. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की आधी आबादी में अभी विकास की अपेक्षा तक पूरी तरह विकसित नहीं हो सकी है.

स्मारिका के प्रधान संपादक प्रो. चंद्रकांत शुक्ल और प्रबंध संपादक अयोध्या नाथ मिश्र के नेतृत्व में इसे तैयार किया गया है. संस्था अब तक झारखंड पर आधारित दस महत्वपूर्ण स्मारिकाएं प्रकाशित कर चुकी है. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी, बुद्धिजीवी और पत्रकार उपस्थित रहे.

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 'सरदार @150 पदयात्रा'

राज्यपाल ने दिलाई स्वदेशी और नशा-मुक्ति की शपथ

शुभम संदेश। रांची

'लौहपुरुष' देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को राजधानी रांची में राष्ट्रीय एकता और आत्मनिर्भरता के संदेश के साथ भव्य 'सरदार @150 पदयात्रा' का आयोजन किया गया. राजभवन के मुख्यद्वार से ओटीसी ग्राउंड तक निकली इस पदयात्रा की अगुवाई राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने की. विशाल जनभागीदारी के साथ आयोजित यह पदयात्रा न केवल सरदार पटेल के योगदान को नमन करने का अवसर बनी, बल्कि युवाओं में राष्ट्रनिर्माण की भावना को सशक्त करने का माध्यम भी रही. राज्यपाल ने इस मौके पर उपस्थित लोगों को स्वदेशी अपनाने और नशा-मुक्ति का संकल्प दिलाकर सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश दिया.

सरदार पटेल ने 562 रियासतों का विलय कर अखंड भारत की मजबूत नींव रखी

पदयात्रा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों का विलय कर अखंड भारत की मजबूत नींव रखी, जो उनकी दूरदृष्टि, साहस और राष्ट्रनिष्ठा का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का ये संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है–'एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है. राज्यपाल ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माई भारत द्वारा सरदार पटेल की जयंती वर्षगांठ को जन-आंदोलन का स्वरूप देने की पहल की सराहना की. उन्होंने कहा कि देशभर में आयोजित पदयात्राएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध-प्रतियोगिताएं, क्विज, 'एक था सरदार' पॉडकास्ट और 'राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता' जैसी गतिविधियां युवाओं के भीतर राष्ट्रभावना को और मजबूत कर रही हैं. विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी यह प्रमाण है कि भारत का युवा वर्ग राष्ट्र निर्माण के प्रति पूर्णतः समर्पित है. उन्होंने कहा कि देश का भविष्य उसी एकजुटता, प्रतिबद्धता और चरित्र पर निर्भर करता है, जो आज के युवा प्रदर्शित कर रहे हैं. प्रधानमंत्री द्वारा "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड राजभवन भी इसी भावना के अनुरूप विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस समारोहों का आयोजन कर देश की विविधता में एकता को सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है. अपने संबोधन में राज्यपाल ने गुजरात स्थित 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' का भी उल्लेख किया. उन्होंने बताया कि इस माह 9 तारीख को उन्हें इस भव्य प्रतिमा के दर्शन का अवसर मिला. उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा का अवलोकन कर वह अभिभूत हो उठे, जहां देश-विदेश से आए लोग श्रद्धा के साथ लौहपुरुष को स्मरण कर रहे थे. उनके अनुसार यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकजुटता और संकल्प का जीता-जागता प्रतीक है.

कार्यक्रम में रांची के सांसद एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह और नवीन जायसवाल भी उपस्थित रहे. सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित यह पदयात्रा एकता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र सेवा की भावना को पुनर्स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुई.

झारखंड में मशरूम उत्पादन व मधुमक्खीपालन से रुकेगा ग्रामीण पलायन : शिल्पी नेहा तिर्की

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन से पलायन को रोका जा सकता है. राज्य की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने यह बात मांडर के बिसाहा खटंगा पंचायत और बेड़ो के नेहालू पंचायत में आयोजित उद्यानिकी प्रशिक्षण सह कार्यशाला के दौरान कही. कार्यशाला में महिलाओं को मशरूम उत्पादन और मधुमक्खी पालन के अवसरों पर जानकारी दी गई. मंत्री ने कहा कि हजारीबाग की महिलाएं मशरूम उत्पादन में मिसाल बन चुकी हैं और अब मांडर क्षेत्र की महिलाएं भी इस क्षेत्र में सफलता हासिल कर लाखों रुपये कमा सकती हैं. उन्होंने महिलाओं को इच्छाशक्ति और निरंतर मेहनत की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और कठिन परिश्रम से ही भविष्य संवर सकता है.

कृषि मंत्री तिर्की ने बताया कि झारखंड की प्राकृतिक बनावट मधुमक्खी पालन के लिए उपयुक्त है, इसलिए विभाग इसे बढ़ावा दे रहा है. उन्होंने अधिकारियों को मशरूम उत्पादन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को एक्सपोजर ट्रेनिंग दिलाने का निर्देश भी दिया. कार्यशाला के दौरान सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को पांच दिन का मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्रदान किया गया. प्रशिक्षण के अंत में महिलाओं को प्रमाण पत्र और मशरूम उत्पादन के 30 बैग वितरित किए गए. इसके अलावा, ग्रामीणों को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ बी-कीपिंग किट भी प्रदान की गयी.

कार्यक्रम में संयुक्त कृषि निदेशक शशि भूषण अग्रवाल, प्रखंड विकास पदाधिकारी चंचला कुमारी, जिला उद्यान पदाधिकारी महेश राम सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे. मंत्री ने कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश भी दिया कि महिलाएं सही दिशा, मेहनत और समर्पण से आर्थिक रूप से मजबूत बन सकती हैं और अपने गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ा सकती हैं.

झारखंड शराब घोटाला: नवीन केडिया के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक, 28 नवंबर को होगी अगली सुनवाई

रांची। झारखंड के चर्चित शराब घोटाला मामले में आरोपी कारोबारी नवीन केडिया को एसीबी की विशेष अदालत से बड़ी अंतरिम राहत मिली है. अदालत ने शुक्रवार को कहा कि उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर अंतिम आदेश आने तक नवीन केडिया के खिलाफ कोई भी गिरफ्तारी या कार्रवाई नहीं की जाएगी.नवीन केडिया ने 30 अक्टूबर को अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी. शुक्रवार को अदालत सुनवाई कर आदेश सुनाने वाली थी, लेकिन इस दौरान उनकी ओर से एक नई अर्जी दाखिल की गई, जिसमें जारी गिरफ्तारी वारंट को रद्द या वापस लेने का अनुरोध किया गया.अदालत ने विशेष लोक अभियोजक (स्पेशल पीपी) से कहा कि वे 28 नवंबर को अगली तारीख से पहले इस अर्जी पर अपना जवाब दाखिल करें.

जेएससीसी-सीजीएल पेपर लीक मामले में विनय साह की गिरफ्तारी, सरकार पर साधा निशाना

जो काम झारखंड पुलिस नहीं कर पायी, वह योगी आदित्यनाथ की पुलिस ने कर दिखाया : बाबूलाल

शुभम संदेश। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने

जेएससीसी-सीजीएल परीक्षा में हुए व्यापक भ्रष्टाचार मामले में अभियुक्त विनय साह की गिरफ्तारी के बाद राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि विनय साह की गिरफ्तारी कई गंभीर सवाल खड़े करती है. मरांडी ने आरोप लगाया कि जो काम झारखंड पुलिस, पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता और राज्य सरकार के दबाव में नहीं कर पाई, वह काम योगी आदित्यनाथ की यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने कर दिखाया. उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई खत्म होने के बाद ही गिरफ्तारी क्यों हुई और क्या राज्य पुलिस का खुफिया तंत्र आरोपियों को पकड़ने में एक साल तक विफल रहा?उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले का मुख्य अभियुक्त अनीश अभी भी फरार है और उनके सूत्रों के अनुसार, पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मोटी रकम लेकर उसकी गिरफ्तारी को रोक रखी थी, ताकि पेपर लीक से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों को नष्ट किया जा सके. आरोप लगाया कि जिन छात्रों ने रांची, हजारीबाग और नेपाल में प्रश्नों के उत्तर रटे थे, उनके स्वीकारोक्ति बयानों को सरकार और पूर्व डीजीपी के दबाव में बदल दिया गया.

मरांडी ने यह भी सवाल उठाया कि क्यों सीआईडी की पूरी जांच टीम को दो बार बदला गया और आयोग के अधिकारियों से अब तक पूछताछ क्यों नहीं की गई, जबकि प्रारंभ में आयोग ने छात्रों के सबूतों को 'एडिटेड' बताया था. उन्होंने बताया कि अभियुक्त विनय साह ने खुद स्वीकार किया कि रांची के एक होटल में परीक्षा से पहले पेपर लीक की साजिश की गई और छात्रों को नेपाल ले जाकर उत्तर रटवाए गए.मरांडी ने यह भी दावा किया कि फरार अभियुक्त अनीश का सीधा संपर्क परीक्षा कराने वाली एजेंसी, आयोग के अधिकारियों और पूर्व डीजीपी से है. उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि उनकी मंशा स्पष्ट है, तो पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए.

देश की सीमा और नक्सल अभियान में शहादत देने वाले झारखंड के वीर सपूतों को नमन

विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस पर आज शहीदों के 16 परिजनों का होगा सम्मान

- विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो करेंगे शहीद के आश्रितों को सम्मानित
- समारोह में आवागमन की विशेष व्यवस्था के निर्देश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर शनिवार, 22 नवंबर को देश की सुरक्षा और नक्सल अभियान में वीरगति को प्राप्त होने वाले झारखंड के शहीद जवानों के परिजनों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा. इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष शहीदों के आश्रितों को सम्मान प्रदान करेंगे.

झारखंड वीरों की धरती, शहादत को सलाम : झारखंड हमेशा से वीर सपूतों की भूमि रही है. चाहे नक्सल उन्मूलन अभियान हो या देश की सीमाओं की रक्षा, राज्य के जवान हर परिस्थिति में कर्तव्य पालन करते हुए अपने प्राण न्यौछावर करते रहे हैं. राज्य सरकार का दायित्व है कि वह शहीद परिवारों को सम्मान और सहयोग प्रदान करे. इसी भावना से झारखंड विधानसभा के स्थापना दिवस पर शहीदों को नमन करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है.

गृह, कार्मिक एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा भेजी गई सूची के आधार पर कुल 16 शहीद सैनिकों, अर्धसैनिक बलों और झारखंड पुलिस के जवानों के आश्रितों को विधानसभा में सम्मानित किया जाएगा. विधानसभा अध्यक्ष समारोह में उनके बलिदान को कृतज्ञता के साथ याद करेंगे.

कार्यक्रम में बेहतर व्यवस्था के निर्देश : समारोह में शामिल होने वाले सभी शहीद परिजनों को 22 नवंबर को विधानसभा परिसर में ससम्मान आमंत्रित किया गया है. विधानसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिया है कि आश्रितों को समारोह स्थल तक लाने और वापस उनके निवास तक पहुंचाने की व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित की जाए.

सम्मानित किए जाने वाले शहीदों के आश्रितों की सूची

- रामदेव महतो (झारखंड पुलिस) – पिता नितिन महतो, मां यात्री महतो, पत्नी बबीता महतो
- सिकंदर सिंह (झारखंड पुलिस) – पिता अशोक कुमार सिंह, मां जगत देवी, पत्नी सुधा देवी
- सुकन राम (झारखंड पुलिस) – पिता अमरजीत मांझी, मां कौशल्या देवी, पत्नी लक्ष्मी कुमारी
- चौहान हेंब्रम (झारखंड पुलिस) – पिता नंदलाल हेंब्रम, मां रोशनी मुर्मू, पत्नी जयंती देवी
- सुनील धान (झारखंड जगुआर) – माता फगनी उराइन, पत्नी गंदरी धान
- सुनील राम (झारखंड पुलिस) – पिता मूलधन राम, मां चंद्रावती देवी, पत्नी शोभा कुमारी
- संतान कुमार मेहता (झारखंड पुलिस) – पिता राम धर्म मेहता, मां धन कालिया देवी
- महिमानंद शुक्ला (सीआरपीएफ) – पत्नी प्रिया देवी
- सुनील कुमार मंडल (सीआरपीएफ) – पत्नी कृष्णा मंडल
- महराबम प्रबो सिंह (सीआरपीएफ) – पत्नी अलीजा देवी
- प्रणेश्वर कोच (सीआरपीएफ) – पत्नी सावित्री देवी
- संदीप कुमार (सीआरपीएफ) – पत्नी सरस्वती देवी
- महेंद्र लश्कर (सीआरपीएफ) – पत्नी मौसमी लस्कर
- कप्तान करमजीत सिंह बक्शी (भारतीय सेना) – पत्नी हरजीत कौर बक्शी
- अग्निवीर अर्जुन महतो (भारतीय सेना) – पत्नी हुलासी देवी

जनजातीय आभूषण को वैश्विक बाजार से जोड़ने की झारखंड सरकार की दूरदर्शी पहल

पारंपरिक कारीगरी को अंतरराष्ट्रीय मार्केट से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम

कारीगरों से लेकर उद्यमियों तक; झारखंड सरकार की नई पहल भविष्य की 'हस्त निर्मित इकॉनॉमी' को देगी गति

शुभम संदेश। रांची/नयी दिल्ली

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2025 में फोकस स्टेट के रूप में शामिल झारखंड पेवेलियन इस वर्ष दर्शकों का खास आकर्षण बना हुआ है, जहां प्रदर्शित पारंपरिक आदिवासी एवं सिल्वर आभूषण दर्शकों को अपनी ओर खींच रही है. झारखंड सरकार द्वारा स्थापित यह पेवेलियन राज्य की सांस्कृतिक विरासत, कारीगरी, कुटीर उद्योग, महिला उद्यमिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त रूप से प्रस्तुत कर रहा है. वहीं सरकार का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों को बड़े बाजारों से जोड़ना, उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है.

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में जनजातीय कला को मिला व्यापक मंच

सरकार द्वारा किए गए प्रयासों जैसे स्टॉल सब्सिडी, उत्पाद प्रमोशन, बाजार अंतसंबर्धन, डिज़ाइन विकास सहायता और प्रशिक्षण कार्यक्रम ने स्थानीय समुदायों को नई पहचान दिलाई है. इस सक्रिय सहयोग के परिणामस्वरूप न केवल आदिवासी कला को व्यापक मंच मिला है, बल्कि झारखंड को पारंपरिक कला, सिल्वर आभूषण और हस्तशिल्प के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने का अवसर भी मजबूत हुआ है.

झारखंड के प्रसिद्ध पारंपरिक जनजातीय आभूषण, फैशन की मांग: झारखंड की प्रसिद्ध आदिवासी आभूषण जैसे हंसुली, ठेला, पैरी, बंगारी और अन्य चांदी व धातु के आभूषण अपने अनूठे डिजाइन, पारंपरिक तकनीक और सांस्कृतिक महत्व के कारण लोगों को बेहद पसंद आ रहे हैं. स्टॉल संचालिका गीता रानी ने बताया कि विशिष्ट डिजाइन, सांस्कृतिक पहचान और किफायती कीमतों ने झारखंड के आभूषण को दर्शको के बीच तेजी से पसंदीदा बनाया है. पेवेलियन में युवाओं की बढ़ती रुचि और मौजूदगी से स्पष्ट है कि पारंपरिक फैशन की मांग बढ़ रही है.

झारखंड कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान अंतिम चरण में

दिसंबर में गठित होगी सभी जिला समितियां

शुभम संदेश। रांची

झारखंड कांग्रेस अपने संगठन सृजन अभियान के अंतिम चरण में पहुंच गई है और दिसंबर के पहले सप्ताह तक राज्य की सभी जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के गठन की योजना है. रांची सहित 24 जिलों में जिला अध्यक्ष और पर्यवेक्षक तो नियुक्त हो चुके हैं, लेकिन अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति अभी बाकी है. लातेहार जिला कांग्रेस कमेटी ही फिलहाल पूरी तरह गठित हो पाई है.

कांग्रेस संगठन में गतिशीलता तब आई जब एआईसीसी के विशेष आमंत्रित सदस्य के राजू को प्रदेश प्रभारी बनाया गया. इसके बाद से प्रदेश में गतिविधियों की गति तेज हो गई, लेकिन बीएलए (बेसिक लेवल एजेंसी) बनाने और सभी जिलों में डीसीसी गठन का काम समय पर पूरा नहीं हो पाया. कांग्रेस संगठन सृजन 2025 के तहत अगस्त में निर्देश दिया गया था कि 100 दिन के भीतर बूथ से लेकर जिला स्तर तक सभी सांगठनिक कार्य पूरे किए जाएं. हालांकि, बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य कारणों से यह कार्य अब तक अधूरा है.

कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि दिसंबर तक सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे. प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार, कई जिला अध्यक्षों ने अपनी समितियों के प्रस्ताव पहले ही भेज दिए हैं और लातेहार जिला कांग्रेस कमेटी के नामों को पीसीसी ने हाल ही में अनुमोदित किया. सभी 25 जिलों में डीसीसी गठन और बीएलए नियुक्ति की प्रक्रिया दिसंबर के पहले सप्ताह तक पूरी कर दी जाएगी.

डीसीसी गठन में देरी के पीछे कई कारण हैं. पार्टी आलाकमान ने जिला कमेटियों के गठन में पदाधिकारियों की संख्या, जातीय और क्षेत्रीय समीकरण पर विशेष ध्यान देने को कहा है. प्रदेश कमेटी के नेताओं के अनुसार, इन सभी नियमों पर काम करने के कारण प्रक्रिया लंबी हो रही है. संगठन सृजन में एक चुनौती महिला कांग्रेस की भी है. कई जिलों में महिला कांग्रेस की कमिटियां अब तक नहीं बनी हैं. हाल ही में गुंजन सिंह की जगह रमा खलखो को प्रदेश महिला कांग्रेस की जिम्मेदारी दी गई, लेकिन औपचारिक बैठक अभी तक नहीं हुई है. कांग्रेस का प्रयास है कि संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत किया जाए और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए.कुल मिलाकर, झारखंड कांग्रेस दिसंबर तक सभी जिला समितियों के गठन और संगठन सृजन अभियान को पूरा करने की प्रक्रिया में जुटी है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शनिवार 22 नवंबर 2025 I मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 222 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

पलामू में 80 करोड़ रुपये कीमत का सांप का जहर बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

अंतरराष्ट्रीय तस्करी के लिए रखा गया था 1 किलो 200 ग्राम सांप का जहर

शुभम संदेश। पलामू

पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) और वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की संयुक्त टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिकने वाले अवैध वन्यजीव पदार्थ के कारोबार में बड़ी सफलता हासिल की है. टीम ने कार्रवाई करते हुए लगभग 80 करोड़ रुपये मूल्य का सांप का ज़हर बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया. वन विभाग ने कुल 1 किलो 200 ग्राम सांप का ज़हर जब्त किया, जिसे स्थानीय स्तर पर इकट्ठा कर अंतरराष्ट्रीय तस्करी के लिए तैयार किया जा रहा था. इस कार्रवाई में बिहार के औरंगाबाद (देव) निवासी मोहम्मद सिराज और मोहम्मद मिराज के साथ-साथ पलामू के हरिहरगंज के कौवाखोह निवासी राजू कुमार को गिरफ्तार किया गया. इसके अलावा सात अन्य लोगों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है.

15 लाख रुपए मूल्य के पैंगोलिन के शल्क भी बरामद : तस्करों के कब्जे से पैंगोलिन के शल्क भी बरामद हुए हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई जा रही है. वन विभाग की टीम पिछले कई दिनों से इस अवैध नेटवर्क पर नजर रख रही थी और तीन दिन पहले मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ.

पीटीआर के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना ने पुष्टि की कि यह ऑपरेशन गुप्त सूचना के आधार पर शुरू किया गया था. उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह ज़हर पलामू से किन-किन अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंचाया जाता था. उन्होंने यह भी बताया कि कार्रवाई के दौरान अन्य सात लोगों को हिरासत में लिया गया और उनका नेटवर्क अभी भी जांच के दायरे में है.

उपनिदेशक जेना ने कहा कि करोड़ों की कीमत का ज़हर बरामद हुआ है, जो स्थानीय स्तर पर इकट्ठा किया गया था. हमारी टीम पूरे नेटवर्क को बेनकाब करने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है. वन विभाग की इस कार्रवाई को वन्यजीव अपराध पर कड़ा संदेश माना जा रहा है, ताकि अवैध व्यापार को नियंत्रित किया जा सके.

घाटशिला के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने विधानसभा की सदस्यता ग्रहण की

शुभम संदेश। रांची

घाटशिला उपचुनाव में जीत हासिल करने वाले जेएमएम के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने बुधवार को झारखंड विधानसभा में अपनी सदस्यता ग्रहण की. विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने अपने कार्यालय कक्ष में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई.सोरेन के शपथ ग्रहण के दौरान जेएमएम के वरिष्ठ नेता स्टीफन मरांडी सहित घाटशिला से आए बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे. इस अवसर पर स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने कहा कि घाटशिला का उपचुनाव कठिन व चुनौतीपूर्ण था, लेकिन जनता का आशीर्वाद सोमेश सोरेन को मिला. उन्होंने उन्हें उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की शुभकामनाएं दीं.

मीडिया से बातचीत में सोमेश चंद्र सोरेन ने घाटशिला की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जीत का श्रेय वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, राज्य मंत्रिमंडल और महागठबंधन के नेताओं को देना चाहते हैं. अपने दिवंगत पिता पूर्व विधायक रामदास सोरेन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे जनता के सहयोग से उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का प्रयास करेंगे.गौरतलब है कि रामदास सोरेन के निधन के बाद खाली हुई इस सीट पर 11 नवंबर को उपचुनाव हुआ था, जिसमें जेएमएम प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन ने भारी अंतर से बीजेपी उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन को पराजित किया था.

सेप्टिक टैंक से युवक का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ,हत्या की आशंका

पलामू। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के पनेरीबांध गांव में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां निर्माणाधीन मकान के सेप्टिक टैंक से सुदामा ठाकुर नामक युवक का शव बरामद हुआ. सुदामा, सहदेवा (पाटन) का निवासी था और पनेरीबांध में अपने भाई-भाभी के साथ रहता था. वह शाहपुर के विवेकानंद चौक पर सैलून चलाता था. शुक्रवार सुबह मजदूरों ने टैंक में शव देखा तो हड़कंप मच गया. शव पर गला दबाने और पत्थर से कूचने के गंभीर निशान मिले. पास से एक कार भी पुलिस ने जब्त की है. परिजनों के अनुसार, सुदामा सब्जी लेने निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा. पुलिस हत्या को शराब पीने के दौरान हुए विवाद का नतीजा मान रही है और मोबाइल कॉल डिटेल खंगाल रही है. थाना प्रभारी ने बताया कि जांच तेज कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों का पता लगा लिया जाएगा.

11 अरब की गड़बड़ी का आरोप, हाईकोर्ट ने मांगा सरकार से जवाब

रांची। बोकारो जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) में 11 अरब रुपए तक की कथित वित्तीय अनियमितताओं और फंड के दुरुपयोग को लेकर दायर जनहित याचिकाओं की झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को महत्वपूर्ण सुनवाई हुई. चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले में स्वतः संज्ञान भी लिया है. सुनवाई के दौरान प्रार्थी ने आरोप लगाया कि 2016 से अब तक डीएमएफटी फंड का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा बिना किसी वास्तविक काम के खर्च किया गया. उन्होंने बताया कि बिना टेंडर के मनमाने तरीके से ठेके आवंटित किए गए और प्रदूषण नियंत्रण उपकरण जैसी सामग्रियों में भारी वित्तीय गड़बड़ी हुई. उदाहरण देते हुए कहा गया कि 93 हजार रुपए के उपकरण को 11 लाख रुपए में खरीदा गया. प्रार्थी ने कोर्ट को तस्वीरें भी दिखाकर बताया कि जिन परियोजनाओं के पूरा होने का दावा किया जा रहा है, उनका जमीन पर कोई अस्तित्व नहीं है.

बोकारो डीएमएफटी घोटाला

बंगाल-झारखंड में कोयला कारोबारियों पर ईडी का बड़ा एक्शन

40 से ज्यादा ठिकानों पर छापा करोड़ों की नकदी-जेवरात बरामद

- ईडी की टीम ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, हावड़ा, पुरुलिया और कोलकाता जिलों में कुल 24 परिसरों की तलाशी ली.

शुभम संदेश। रांची

100 से अधिक अधिकारी टीम में थे शामिल

पश्चिम बंगाल में 24 परिसरों में छापेमारी

पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, पुरुलिया, हुगली और कोलकाता जिलों में लगभग 24 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है, जो कथित अवैध खनन, परिवहन और कोयले के भंडारण से जुड़ी है. अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों के परिसरों को कवर किया जा रहा है, उनमें नरेंद्र खड़का, युधिष्ठिर घोष, कृष्णा मुरारी कयाल, चिन्मयी मंडल, राजकिशोर यादव और अन्य शामिल हैं. उधर, ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने वाटिका लिमिटेड से जुड़े निवेशक मामले में पीएमएलए के प्रावधानों के तहत 1.35 करोड़ के एक वाणिज्यिक भूखंड को अस्थायी रूप से कुर्क किया है, जिसका अनुमानित मूल्य 108 करोड़ रुपये है.

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला कारोबारियों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है. यह रेड अवैध कोयला खनन, तस्करी, भंडारण और कोयला खदानों के टेंडरों में हुई अनियमितताओं को लेकर चल रही लंबी जांच का हिस्सा है. ईडी की इस संयुक्त कार्रवाई में 100 से अधिक अधिकारी शामिल रहे, जिन्होंने दोनों राज्यों में 40 से ज्यादा ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की. जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, हावड़ा, पुरुलिया और कोलकाता जिलों में कुल 24 परिसरों की तलाशी ली. यह तलाशी अवैध कोयला खनन और परिवहन से जुड़े मामलों में की जा रही है.

प्रमुख आरोपियों में नरेंद्र खरका, अनिल, युधिष्ठिर घोष, कृष्ण मुरारी कयाल सहित कई कोयला कारोबारियों और उनके सहयोगियों के आवास व कार्यालयों को खंगाला गया. छापेमारी के दौरान करोड़ों रुपये मूल्य की नकदी, सोने-चांदी के जेवरात, फर्जी दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और कई संदिग्ध लेनदेन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रमाण ईडी के हाथ लगे हैं. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, यह अवैध कोयला कारोबार पिछले कई वर्षों से चल रहा था, जिससे सरकारी खजाने को सैकड़ों करोड़ का नुकसान हुआ.

झारखंड में ईडी ने धनबाद, झरिया और बोकारो क्षेत्र में 18 स्थानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया. यह रेड मुख्य रूप से कोयला कारोबारियों अनिल, संजय उद्योग समूह, अमर मंडल और धनबाद के चर्चित कोयला कारोबारी एलबी सिंह से जुड़े ठिकानों पर केंद्रित थी. इन सभी पर बड़े पैमाने पर कोयला चोरी और अवैध आपूर्ति के आरोप हैं.

सूत्रों के अनुसार, इन कारोबारियों ने फर्जी टेंडर, फर्जी बिलिंग, ब्लैक मनी के उपयोग और कोयला परिवहन में बड़े पैमाने पर हेरफेर कर करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति बनाई है. कई दस्तावेजों से यह भी पता चला है कि कोयला ट्रांसपोर्ट माफिया की गतिविधियों में स्थानीय अधिकारियों और कुछ निजी कंपनियों की मिलीभगत भी रही है.

इसके साथ-साथ धनबाद में ईडी ने कोयला कारोबारी एलबी सिंह उर्फ लाल बाबू सिंह के परिसरों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की. सरायढेला स्थित उनके आवास, झरिया स्थित 'देव प्रभा आउटसोर्सिंग' के कार्यालय सहित कुल 18 स्थानों की तलाशी ली गई. बताया जा रहा है कि उनके घर पर छापेमारी के दौरान कुत्तों को छोड़ दिया गया, जिससे ईडी की टीम को अंदर प्रवेश करने में करीब दो घंटे की देरी हुई. सिंह का नाम पहली बार 2011 में तब सुर्खियों में आया था, जब उनके झरिया स्थित घर से आयकर विभाग ने 100 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे. तब वे बीसीसीएल के छोटे ठेकेदार माने जाते थे, लेकिन ब्लैक मनी को निवेश करने के आरोपों के बाद उन्होंने आउटसोर्सिंग के माध्यम से कोयला खदानों का बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया. आज वे कई खदानों का संचालन कर रहे हैं और उन पर करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं. ईडी के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार और बड़े अधिकारियों की मिलीभगत के पुख्ता सबूत मिले हैं. ईडी ने दोनों राज्यों में हुए ऑपरेशन में बड़ी मात्रा में डिजिटल डेटा, बैंक डिटेल्स, फर्जी चालान, संदिग्ध लेजर और नकदी बरामद की है. अपराध से अर्जित संपत्ति की पहचान और रिकवरी के लिए आगे जांच जारी है. यह ऑपरेशन पूर्वी भारत में कोयला माफियाओं के खिलाफ सबसे बड़ा और निर्णायक माना जा रहा है.

धनबाद में 16 बैंकों में अनक्लेम्ड खाते में जमा हैं 167.36 रु करोड़

धनबाद। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने 'आपकी पूंजी-आपका अधिकार' राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत लुबी सर्कुलर रोड, कला भवन के सामने स्थित उत्सव भवन में जागरुकता एवं सेवा शिविर का आयोजन शुक्रवार कोकिया. शिविर का उद्देश्य जिले के नागरिकों को अनक्लेमड फाइनेंशियल एसेट की खोज, सत्यापन एवं दावा प्रक्रिया से अवगत कराना और उन्हें उनका वैध धन प्राप्त कराने में सहायता प्रदान करना था. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धनबाद विधायक राज सिन्हा ने भारत सरकार की इस पहल की सराहना की. कहा कि यह अभियान नागरिकों को उनके वित्तीय अधिकारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. इसके व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है. इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि धनबाद जिले के 16 बैंकों में 4,28,291 अनक्लेम्ड खाते हैं. इनमें 167.36 करोड़ (31 अगस्त 2025 तक) राशि जमा है.

जमुआ थानेदार मणिकांत कुमार लाइन हाजिर

गोली-बम कांड में कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगा

शुभम संदेश। गिरिडीह

गिरिडीह एसपी डॉ. बिमल कुमार ने जमीन विवाद से जुड़े गोलीबारी और पेट्रोल बम कांड में लापरवाही के आरोप पर जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है. आरोप है कि थाना प्रभारी को मामले की पूरी जानकारी होने के बावजूद उन्होंने आरोपितों के खिलाफ समय पर कार्रवाई नहीं की.गुरुवार शाम जमुआ थाना क्षेत्र के कारोडीह गांव में जमीन विवाद अचानक हिंसक हो गया था. विवाद के दौरान जमकर गोलियां चलीं और पेट्रोल बम फोड़े गए, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलने पर जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार और एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे. बाद में पचम्बा थाना पुलिस ने घटनास्थल से कई खोखे बरामद किए.

एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने पुष्टि की थी कि उन्हें गोलीबारी और पेट्रोल बम फेंके जाने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद जमुआ और पचम्बा थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की. प्रारंभिक जांच में कथित जमीन माफियाओं सन्नी रायन, जुगनू, सब्बीर और बिजय वर्मा के नाम सामने आए.पीड़ित अखिलेश्वर सिन्हा और उनके पुत्र हर्ष सिन्हा ने बताया कि वे अपनी जमीन पर चहारदीवारी बनवा रहे थे, तभी सन्नी रायन अपने साथियों के साथ पहुंचा और मजदूरों से मारपीट की. आरोप है कि दहशत फैलाने के लिए कई राउंड गोली चलाई गई और पेट्रोल बम फोड़े गए. हर्ष सिन्हा का दावा है कि सन्नी रायन उनसे रंगदारी मांग रहा था और रंगदारी न देने पर हमला किया गया.

झारखंड एजुकेशन ट्रिब्यूनल एक्टः हाईकोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने मामला डबल बेंच को भेजा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड एजुकेशन ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत दायर अपीलों की सुनवाई किस प्रकार की पीठ में होनी चाहिए, इस संवैधानिक मुद्दे पर झारखंड हाईकोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने शुक्रवार को विस्तृत सुनवाई की. चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान, जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय, जस्टिस आनंद सेन, जस्टिस राजेश शंकर और जस्टिस राजेश कुमार की संविधान पीठ ने सभी पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद मामला तकनीकी और कानूनी पहलुओं की गहन जांच के लिए डबल बेंच के पास भेज दिया. अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि डबल बेंच कानून, मंशा और मेरिट के आधार पर मामले की सुनवाई कर अंतिम आदेश पारित करे.

यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षा न्यायाधिकरण के आदेशों के खिलाफ अपील एकलपीठ में सुनी जाएगी या खंडपीठ में, इस पर झारखंड हाईकोर्ट की दो अलग-अलग पीठों के फैसलों में विरोधाभास उत्पन्न हो गया था. इस विवाद को दूर करने के लिए मामला संविधान पीठ के समक्ष रखा गया.सोमवार से चल रही सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने तर्क दिया कि ट्रिब्यूनल एक्ट के प्रावधानों के अनुसार ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ अपील एकलपीठ में की जाएगी और उसके निर्णय को खंडपीठ में चुनौती दी जा सकती है. उन्होंने अपने तर्क के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के कई प्रमुख फैसलों का हवाला भी दिया. अन्य पक्षों के अधिवक्ताओं ने भी अपनी-अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं.अदालत ने कहा कि अब डबल बेंच विधिक आधारों का गहन परीक्षण कर इस विवाद पर अंतिम निर्णय देगी.

खूंटी में वृद्ध दंपति हत्या मामला सुलझा, दो गिरफ्तार, दो फरार

रांची/खूंटी। खूंटी जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र के लांदुप नीचेटोली गांव में हुए वृद्ध दंपति कानू मुंडा (66) और उनकी पत्नी गौरी देवी (64) की हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपियो को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है. गिरफ्तार आरोपी कांडे मुंडा (25) और जयलाल मुंडा (19) ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि गौरी देवी अक्सर उन्हें गालियां देती और ताने मारती थीं. इसी विवाद के चलते उन्होंने अपने दो अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई. घटना की रात आरोपित घर में घुसकर वृद्ध दंपति की हत्या कर दी.पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार टांगी और तोनो बरामद कर लिए. वहीं, हत्याकांड में शामिल अन्य दो आरोपी अब भी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

सारठ विधानसभा ईवीएम जारी करने को हाईकोर्ट की अनुमति, दो सप्ताह बाद होगी अगली सुनवाई

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने सारठ विधानसभा क्षेत्र के ईवीएम को आवश्यकता पड़ने पर जारी करने की अनुमति दे दी है. यह आदेश देवघर के उपायुक्त-सह- जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दाखिल हस्तक्षेप याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई के दौरान दिया गया. जस्टिस अंबुज नाथ की अदालत ने यह निर्देश उस समय दिया, जब झामुमो विधायक उदय शंकर सिंह के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई चल रही थी. अदालत ने स्पष्ट किया कि सारठ विधानसभा के ईवीएम, जो वर्तमान में स्ट्रांग रूम में सुरक्षित हैं, जिला निर्वाचन पदाधिकारी की कस्टडी से जरूरत पड़ने पर जारी किए जा सकते हैं. सुनवाई के दौरान चुनाव याचिका के प्रार्थी रणधीर सिंह ने अदालत को बताया कि उन्हें इस आवेदन पर कोई आपत्ति नहीं है. अदालत ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वह प्रत्युत्तर दाखिल करने के बाद दो सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करें.रणधीर सिंह ने उदय शंकर सिंह के निर्वाचन को चुनौती देते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने अनुचित तरीके से चुनाव जीता है और उनका निर्वाचन रद्द किया जाना चाहिए. हाईकोर्ट का यह आदेश ईवीएम की उपलब्धता और चुनाव याचिका की जांच को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने के लिए अहम माना जा रहा है.

साहिबगंज में बहुभोज के दौरान युवक की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

शुभम संदेश। साहिबगंज

साहिबगंज जिले के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ापचगढ़ में गुरुवार देर रात एक बहुभोज के दौरान फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, बड़ापचगढ़ मोहल्ले में राहुल नामक युवक के यहां रिसेप्शन का आयोजन किया गया था. कार्यक्रम में शामिल होने के बाद स्थानीय निवासी गुलशन कुमार रिखियासन उर्फ मुंशी (25) बाइक से घर लौट रहे थे. इसी दौरान उन्हें पता चला कि उनकी चाबी कहीं गिर गई है. चाबी ढूंढने के लिए वे पुनः पंडाल की ओर लौटे, तभी अपराधियों ने घात लगाकर उन पर फायरिंग कर दी. गोली लगते ही गुलशन मौके पर गिर पड़े.

फायरिंग की आवाज सुनकर लोग दौड़कर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल गुलशन को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. परिजनों के अनुसार, गुलशन का विवाह डेढ़ वर्ष पहले सिंगाड़ी गांव की प्रमिला देवी से हुआ था और वह चार भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था. गोलीकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी पुलिस और सदर डीएसपी किशोर तिर्की तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए. डीएसपी किशोर तिर्की ने बताया कि घटना रात 1 से 2 बजे के बीच हुई. पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर छानबीन की, लेकिन अपराधी फरार हो चुके थे. फिलहाल हमलावर की पहचान नहीं हो पाई है. शव का पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की गहन जांच जारी है. अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

28 नवंबर तक सरकार बताए कि लोकायुक्त, सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया कहां तक बढ़ी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में लोकायुक्त, सूचना आयुक्त और मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति के मामले में सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. यह बताने को कहा है कि नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया की स्थिति क्या है. मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की खंडपीठ ने शुक्रवार को सुनवाई की अगली तिथि 28 नवंबर निर्धारित की. इस तिथि तक सरकार को अपना जवाब दाखिल करना है. अदालत राजकुमार द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रहा था. इस याचिका में राज्य की एक दर्जन संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति नहीं होने पर सुनवाई कर रहा था.

भवन निर्माण के नक्शा से जुड़ी याचिका खारिज : आरआरडीए और रांची नगर निगम में नक्शा पास करने में विलंब और अवैध वसूली संबंधी मामले में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि अब केवल 461 भवनों के पास करने का मामला लंबित है. वह भी कतिपय त्रुटियों की वजह से. 3 जुलाई 2023 से अब तक 2529 लोगों ने नक्शा पास करने के लिए आवेदन किया. उसमें 2068 भवनों का नक्शा बीपीएएमएस प्रक्रिया के तहत पास कर दिया गया. नक्शा पास करने के लिए आनेवाले आवेदन अब किसी भी टेबल पर 30 दिनों से अधिक समय तक नहीं लटका रहता था. इसके बाद मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की अदालत ने याचिका खारिज कर दी. यहां मालूम हो कि जुलाई 2023 में रांची नगर निगम और आरआरडीए में नक्शा पास करने को लेकर होनेवाले विलंब और भ्रष्टाचार पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था. उसके बाद हाईकोर्ट में इस पर लगातार सुनवाई हो रही थी.

झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह, राज्यपाल ने युवाओं को बताया राष्ट्र निर्माण की शक्ति, कहा-

आधुनिक तकनीक, साइबर सुरक्षा व नवाचार आधारित शिक्षा से विवि बनेगा सुरक्षा-शिक्षा का राष्ट्रीय केंद्र

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्यपाल-सह-झारखंड के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने मोरहाबादी स्थित दीक्षांत मंडप में आयोजित झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, रांची के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि उस संस्था की विचारधारा, उपलब्धियों और समाज के भरोसे का प्रतीक होता है. उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालय अपने इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिख रहा है.

राज्यपाल ने स्मरण किया कि इस विश्वविद्यालय की आधारशिला देश के पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर परिकर ने रखी थी. इसका उद्देश्य सिर्फ एक अकादमिक संस्था का निर्माण नहीं, बल्कि ऐसा केंद्र विकसित करना था जो युवाओं में अनुशासन, सुरक्षा-दृष्टि, वैज्ञानिक सोच और प्रशासनिक दक्षता का समग्र विकास कर सके. उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं में सैन्य व पुलिस सेवा का विशेष उत्साह है, परंतु उचित मार्गदर्शन के अभाव में वे कई बार सफलता से दूर रह जाते हैं. ऐसे में इस विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है.

संतोष गंगवार ने कहा कि देश की सुरक्षा को मजबूती देने के लिए आवश्यक है कि युवा पारंपरिक प्रशिक्षण से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीक और उभरती चुनौतियों की समझ विकसित करें. साइबर सुरक्षा, फॉरेंसिक विज्ञान, अपराध मनोविज्ञान, पुलिस प्रबंधन, खुफिया विश्लेषण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दक्षता समय की मांग है. उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान साइबर अपराध नहीं, बल्कि "सुरक्षा शिक्षा के मजबूत केंद्र" के रूप में होनी चाहिए। उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय के प्रशिक्षित युवा राज्य में बढ़ते साइबर अपराधों पर नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे और अन्य राज्यों के लिए मिसाल बनेंगे.

राज्यपाल ने कहा कि छात्रों के लिए यहाँ प्राप्त ज्ञान केवल उपाधि नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्य और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को समझने का अवसर है. विकसित भारत @2047 के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने उच्च शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, बहुविषयी और भविष्य-उन्मुख दिशा दी है. विश्वविद्यालय को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर नवाचार, अनुसंधान और समाधान-उन्मुख शिक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है.

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय डिजिटल सुरक्षा, साइबर फॉरेंसिक, आंतरिक सुरक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक मॉडल संस्थान के रूप में स्थापित होगा। छात्रों से उन्होंने आह्वान किया कि वे जहाँ भी जाएँ, यह सिद्ध करें कि वे यहाँ से केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार भी लेकर गए हैं.

अंत में राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि उनकी सफलता राष्ट्र और समाज के लिए प्रेरणा बनेगी.

राजधानी रांची में सेवा का अधिकार सप्ताह का जोरदार आगाज़

जिले के 20 शिविरों में उमड़ी हजारों की भीड़

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष और "सेवा का अधिकार सप्ताह" (21–28 नवंबर 2025) का आगाज़ राजधानी रांची में प्रभावशाली ढंग से हुआ. पहले दिन जिले के 20 अलग-अलग स्थानों पर जनसेवा शिविर लगाए गए, जिनमें ग्रामीण और शहरी नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी. "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" पहल के तहत आयोजित इन शिविरों ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि सरकारी सेवाएं अब सिर्फ कागज़ पर नहीं, बल्कि जमीन पर भी जनता तक पहुंच रही हैं.

एक ही छत के नीचे उपलब्ध रही 20 से अधिक सरकारी सेवाएं : शिविरों में लोगों को पेंशन, प्रमाणपत्र, राजस्व सेवाएं, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, आवास, कल्याणकारी योजनाओं और परिसंपत्ति वितरण जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं. कई लाभुक वर्षों से लंबित मामलों को लेकर आए थे, जिन्हें मौके पर ही हल किया गया.

20 प्रमुख स्थानों पर शिविर, अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी_ जिले के अनगड़ा, बेड़ो, बुंडू, बुढ़मू, चान्हो, ईटकी, कांके, लापुंग, मांडर, नगड़ी, नामकुम, ओरमांझी, राहे, रातु, सिल्ली, सोनाहातु और तमाड़ समेत कुल 20 स्थानों की पंचायतों और नगर क्षेत्रों में शिविर लगाए गए. हर शिविर में बीडीओ, सीओ, विभागीय कर्मचारी और जिला स्तरीय अधिकारी सक्रिय रूप से मौजूद रहे. स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से सीधे मिलकर अपनी समस्याएँ रखीं और तत्काल समाधान पाकर संतोष व्यक्त किया.

प्रमुख सुविधाओं में शामिल थीं :

- वृद्धावस्था, दिव्यांगता और विधवा पेंशन के नए और लंबित स्वीकृति पत्र.
- सोना-सोबरन धोती, साड़ी और लुंगी योजना के तहत वस्त्र वितरण.
- ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर सहित विभिन्न परिसंपत्तियों का वितरण.
- जाति, आय, आवासीय और आधार कार्ड जैसी पहचान संबंधी सेवाओं का त्वरित निष्पादन.
- दाखिल-खारिज, शुद्धि पत्र और अन्य राजस्व दस्तावेजों का ऑन-द-स्पॉट वितरण.
- विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के आवेदन और जानकारी प्राप्त करने की सुविधा.

सैकड़ों लाभुकों ने मौके पर ही लंबित प्रमाण पत्र प्राप्त कर राहत की सांस ली.

उपायुक्त ने किया निरीक्षण, जताया संतोष

रांची के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कांके प्रखंड के कोनकी पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया. उन्होंने लाभुकों से बातचीत की और सेवाओं के निष्पादन की रफ्तार पर संतोष जताया. उपायुक्त ने कहा कि रजत पर्व के इस वर्ष में सरकार का संकल्प है कि अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुँचाया जाए, और ये शिविर इसी संकल्प का प्रभावशाली माध्यम हैं.

28 नवंबर तक शिविरों का सिलसिला जारी रहेगा

सेवा का अधिकार सप्ताह के अंतर्गत अगले सात दिनों तक जिले के हर प्रखंड और वार्ड में इसी तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे. इसका उद्देश्य है कि जिले का कोई भी पात्र नागरिक योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे. पहले दिन ही शिविर की सफलता ने इस अभियान को गति दी है और आने वाले दिनों में और अधिक भीड़ और आवेदन की उम्मीद है. रांची में आयोजित ये शिविर स्पष्ट कर रहे हैं कि सरकार और जनता के बीच की दूरी तेजी से घट रही है और यह प्रक्रिया पूरे सप्ताह जारी रहेगी.

एक नजर

स्थायी संबद्ध डिग्री कॉलेज संघर्ष मोर्चा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात, रखी दो प्रमुख मांगें

रांची। झारखंड स्थायी संबद्ध डिग्री महाविद्यालय संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय पहुंचा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल में 12 प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर एवं प्रधानाध्यापक शामिल थे. संघर्ष मोर्चा ने प्रदेश अध्यक्ष से दो मांगें रखीं: वित्त रहित शिक्षा नीति समाप्त कर, वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए झारखंड राज्य वित्त रहित शैक्षणिक संशोधन नियमावली 2023 में शिथिलता लाकर, सभी स्थायी संबद्धता प्राप्त महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को विश्वविद्यालय कर्मी/राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाए और सभी स्थायी संबद्धता प्राप्त महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की सेवा नियमित करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 से वेतन भुगतान किया जाए.प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपकी इन मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से विचार-विमर्श किया जाएगा. प्रतिनिधिमंडल में अनंत कुमार महतो, रामकृष्ण महतो, विश्वनाथ महतो, सुकल्याण महतो, केशव प्रसाद रॉय, महितोष महतो, त्रिभुवन महतो, विश्वनाथ मुण्डा, कृष्ण चन्द्र महतो, विश्वजीत महतो और कालीचरण महतो शामिल थे.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मीडिया टैलेंट हंट के लिए बनाई विशेष समिति

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मीडिया टैलेंट हंट कार्यक्रम को राज्य में पारदर्शिता, व्यवस्थित प्रक्रिया और श्रेष्ठ प्रतिभाओं की खोज के उद्देश्य से सुचारू रूप से संचालित करने के लिए शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण समिति का गठन किया है. मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने इस बार कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए झारखंड को आठ ज़ोन में विभाजित किया है, ताकि राज्य के हर क्षेत्र से योग्य और सक्षम प्रतिभाओं का चयन सुनिश्चित किया जा सके.उल्लेखनीय है कि एआईसीसी ने पूरे देश को छह ज़ोन में बांटा है, जिसमें झारखंड पूर्वी ज़ोन के अंतर्गत आता है. पूर्वी ज़ोन के मुख्य कोऑर्डिनेटर के रूप में एआईसीसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल पाटील को नियुक्त किया गया है, जबकि झारखंड राज्य के लिए कोऑर्डिनेटर के रूप में डॉ. हमीद हुसैन को जिम्मेदारी दी गई है. सतीश पौल मुंजनी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि यह समिति युवाओं में अभिव्यक्ति, संवाद क्षमता, राजनीतिक समझ और मीडिया प्रबंधन कौशल जैसी योग्यताओं को प्रोत्साहित करेगी. कांग्रेस पार्टी का प्रयास है कि झारखंड के हर जिले से योग्य, प्रतिभाशाली और समर्पित युवा इस प्रक्रिया में शामिल हों और अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करें.

- राज्य के आठ ज़ोन में होगा प्रतिभाओं का चयन

रांची में बोरिंग कराना हुआ महंगा, अब प्रति फुट 110 रुपये की दर से भुगतान करना होगा

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में जमीन की बोरिंग से पानी निकालना अब महंगा होने वाला है. रांची रिंग बोरिंग ऑनर एसोसिएशन ने शुक्रवार को सुकुरहुट्टू, रिंग रोड में हुई बैठक में बोरिंग की नई दर 110 रुपये प्रति फीट तय करने का निर्णय लिया है, जो आज से प्रभावी हो गया है. एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश चंद्रा ने बताया कि मजदूरों की मजदूरी, ऑपरेटर चार्ज, हैमर बिट और बोरिंग मशीन के पाट्र्स की कीमतों में लगातार वृद्धि को देखते हुए यह दर बढ़ाना आवश्यक हो गया था. सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से नई दर को मंजूरी दी. अब रांची में बोरिंग करवाने पर ग्राहकों को प्रति फीट 110 रुपये का भुगतान करना होगा. बैठक में सुनील तिवारी, राजेश कुमार, प्रदीप प्रसाद, रूपेश गोप, जितेंद्र सिंह, मोहम्मद आरिफ, विनोद वर्मा, प्रशांत गराई, सुरेंद्र वर्मा, संतोष अस्थाना, रवि वर्मा, रोहित बौधरी, असजद रेहान, राजू शर्मा समेत कई बोरिंग मशीन मालिक उपस्थित थे.

हाईकोर्ट ने भवन नक्शा स्वीकृति में देरी पर स्वतः संज्ञान मामले को किया निष्पादित

रांची। रांची नगर निगम और आरआरडीए द्वारा भवन नक्शा स्वीकृत करने में देरी और कथित अनियमित वसूली के आरोपों पर दर्ज स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई. चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने रांची नगर निगम द्वारा दाखिल विस्तृत जवाब पर संतोष व्यक्त करते हुए याचिका को निष्पादित कर दिया. सुनवाई के दौरान नगर निगम ने शपथपत्र में बताया कि 3 जुलाई 2023 से अब तक ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान अप्रूवल मैनेजमेंट सिस्टम (बीपीएएमएस) के माध्यम से कुल 2529 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2068 आवेदन स्वीकृत कर दिए गए हैं, जबकि 461 आवेदन तकनीकी या दस्तावेजी कमियों के कारण लंबित हैं. निगम ने कहा कि लंबित आवेदनों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा रही है.नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया राज्य सरकार की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार पूरी तरह ऑनलाइन संचालित है और किसी भी आवेदन को 30 दिनों से अधिक लंबित नहीं रखा जाता.

- रांची नगर निगम के जवाब पर संतोष जताया

चैंबर के प्रतिनिधिमंडल ने नगर विकास मंत्री से की मुलाकात

भवन नियमितीकरण योजना को शीघ्र लागू करने की मांग

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में भवन नियमितीकरण योजना को जल्द प्रभावी करने के मुद्दे पर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा के नेतृत्व में आज झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार से मुलाकात की. फेडरेशन झारखंड चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के आग्रह पर मंत्री ने आश्वस्त किया कि इस योजना का जल्द ही कैबिनेट से अनुमोदन किया जाएगा.

चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि राज्य में वर्षों पूर्व निर्मित भवनों/मकानों को नियमित करने के उद्देश्य से झारखंड सरकार द्वारा अनाधिकृत निर्माण को नियमितीकरण करने के लिए योजना 2022 (2023) का प्रारूप तैयार कर लिया गया है. इस जनहितकारी योजना को सर्वसुलभ बनाने हेतु मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में नगर विकास विभाग के आमंत्रण पर प्रस्तावित ड्राफ्ट का विधिवत् अध्ययन एवं समीक्षा कर, चैंबर द्वारा क्रेडाई, बिल्डर एसोसिएशन और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट, झारखंड चैप्टर के सहयोग से राज्यवासियों के अनुकूल प्रस्ताव/सुझाव भी विभाग को समर्पित किया गया था. राज्य के लाखों लोगों की भावनाएं इस योजना से जुड़ी हैं और वे लंबे समय से अपने भवनों/मकानों को नियमित कराने की प्रतीक्षा कर रहे हैं. विभाग द्वारा प्रस्तावित इस योजना के प्रभावी होते ही न केवल आम जनता को राहत मिलेगी, बल्कि राज्य सरकार के राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी. आग्रह किया गया कि विभाग द्वारा प्रस्तावित भवन नियमितीकरण योजना को शीघ्र प्रभावी किया जाए, ताकि जनसामान्य को राहत मिल सके.

टूरिज्म कॉन्क्लेव के आयोजन पर सहमति

मुलाकात के क्रम में पर्यटन विकास पर भी चर्चा हुई. नेतरहाट में जंगल सफारी की शुरुआत होने पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार को बधाई देते हुए इसे पर्यटन विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया. चैंबर अध्यक्ष के अनुरोध पर मंत्री ने सुदिव्य कुमार ने चैंबर के सहयोग से राज्य में टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित करने पर सहमति भी जताई. प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष राम बांगड़, सह सचिव रोहित पोद्दार एवं पूर्व अध्यक्ष किशोर मंत्री शामिल थे,

बाबूलाल मरांडी के आरोप बेतुके

बिना प्रमाण के और राजनीतिक नाटकबाजी का हिस्सा : विनोद

शुभम संदेश। रांची

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाये गये आरोपों को बेतुका, तथ्यहीन और राजनीतिक साजिश का हिस्सा बताया है.उन्होंने कहा कि भाजपा हर मामले में अपनी राजनीति चमकाने और झारखंड की व्यवस्था पर अविश्वास पैदा करने के लिए झूठ की खेती करती है, जबकि सरकार पारदर्शी जांच के लिए प्रतिबद्ध है.उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ नेता चाहते थे कि यह पूरा मामला झारखंड में किसी तरह राजनीतिक उथल-पुथल का कारण बने, लेकिन उनकी साजिश नहीं चली. अब वही लोग उत्तर प्रदेश भागकर अपने अकाओं की शरण में जाकर मनगढ़ंत कहानी गढ़ रहे हैं, ताकि झारखंड की पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया को बदनाम किया जा सके.

उन्होंने कहा कि भाजपा मामले को हाईजैक कर राजनीतिक रोटी सेकना चाहती है. परीक्षा की जांच राज्य की एजेंसियां बारीकी से कर रही हैं.मरांडी जी झूठ बोलने से पहले तथ्यों की जांच कर लें. प्रवक्ता पांडेय ने चुनौती देते हुए कहा कि मरांडी यह बताएं कि उनके पास कौन-सा 'पक्का सबूत' है कि किसी पूर्व अधिकारी ने मोटी रकम ली या कोई साक्ष्य नष्ट कराया? सिर्फ 'हमें सूत्रों से सूचना मिली' जैसे जुमलों से वे युवाओं के गुस्से को भुनाना चाहते हैं.' नेता आखिर क्यूं पत्रकारों की तरह सूत्रों के हवाले से बयान देने लगा है? यह बड़ा सवाल है. जिस नेता की बात में दम नहीं, उसका नेतृत्व प्रभावशाली नहीं हो सकता.

सीआईडी पर सवाल उठाना झारखंड की संस्थाओं का अपमान: विनोद पांडेय का कहना है कि जांच टीम में फेरबदल सामान्य प्रक्रिया है. लेकिन, भाजपा हर सरकारी प्रक्रिया को तोड़-मरोड़कर यह दिखाना चाहती है कि झारखंड की एजेंसियां सक्षम नहीं हैं. असल में भाजपा को झारखंड की संस्थाओं पर भरोसा ही नहीं.

रांची में पार्किंग और ऑटो स्टैंड की नई व्यवस्था, निगम ने जारी की सूची

शुभम संदेश। रांची

रांची नगर निगम ने शहर के अलग-अलग इलाकों में बने वाहन पड़ावों और ऑटो स्टैंड की अपडेटेड सूची जारी की है. निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी संवेदक अपने-अपने पड़ाव स्थल पर दर सूची अनिवार्य रूप से लगाएं, ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो. सूचना के मुताबिक शहर में कई मुख्य स्थानों पर वाहन पार्किंग की सुविधा तय की गई है. इसमें मेन रोड, कांके रोड, अरगोड़ा, अल्बर्ट एक्का चौक, अंजुमन प्लाजा, न्यूक्लियस मॉल, जयपाल सिंह स्टेडियम, रांची क्लब के बाहर, नागाबाबा खटाल, स्मार्ट बाजार समेत कई महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं.

कहां-कहां है वाहन पड़ाव

निगम ने जिन जगहों को वाहन पड़ाव घोषित किया है, उनमें प्रमुख स्थान शामिल हैं

- हनुमान मंदिर टैक्सी स्टैंड
- वेद टेक्सटाइल से निशान ऑटोमोबाइल तक
- सैन्को के बगल से एसी मार्केट गेट तक
- विशाल मेगामार्ट से हनुमान मंदिर तक
- अल्बर्ट एक्का चौक से सर्जना चौक तक
- अंजुमन प्लाजा के सामने त्रिकोणीय स्थल
- कचहरी चौक
- रिलायंस मार्ट कांके रोड
- अमिटी यूनिवर्सिटी से मान्यवर शोरूम तक
- नाइस फर्निचर से भारत शू तक
- नागाबाबा खटाल बाजार
- रंगरेज गली
- सिटाडेल से होराइजन होंडा तक
- न्यूक्लियस मॉल के सामने
- जयपाल सिंह स्टेडियम के सामने
- रांची पहाड़ी
- स्मार्ट बाजार (मेन रोड और कांके रोड)
- चर्च कॉम्प्लेक्स
- पेंटालुन्स मॉल
- सिदो कान्हू पार्क के सामने
- बालकृष्ण सहाय रोड
- मेपल प्लाजा

इन जगहों पर ऑटो स्टैंड भी तय

- अरगोड़ा चौक के सामने
- रातू रोड न्यू मार्केट
- सेंट जेवियर कॉलेज के सामने

पार्किंग शुल्क कितना लगेगा

निगम ने सभी वाहनों के लिए पार्किंग शुल्क भी तय किया है.

- स्कूटर/मोटरसाइकिलः 10 रुपये प्रति तीन घंटा
- कार/जीपः 30 रुपये प्रति तीन घंटा
- ऑटो (पेट्रोल-डीजल): 30 रुपये
- शनिवार, रविवार और राजपत्रित छुट्टियों मेंः शुल्क आधा
- 10 मिनट तक पार्किंगः निःशुल्क

निगम की सख्त हिदायत

नगर निगम ने सभी संवेदकों को निर्देश दिया है कि दर सूची साफ-साफ जगह पर लगाई जाए. अगर कहीं अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है या दर सूची नहीं लगाई गई हो तो लोग शिकायत कर सकते हैं. निगम ने आम लोगों से अपील की है कि तय दर से अधिक राशि न दें और नियमों के अनुसार ही पार्किंग का उपयोग करें, ताकि शहर में यातायात सुचारू बना रहे.

ऊर्जा विकास निगम में नेतृत्व का भारी संकट

दो महीने से बिना सीएमडी और एमडी के चल रहा है पूरा विभाग, सरकार की प्राथमिकता पर उठाए गंभीर सवाल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड ऊर्जा विकास निगम में पिछले लगभग दो महीनों से चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) और मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) जैसे सबसे महत्वपूर्ण पद खाली पड़े हुए हैं, जिससे निगम का कामकाज गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है. यह स्थिति जहां एक ओर आवश्यक सेवा माने जाने वाले बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिह्न खड़ा करती है, वहीं दूसरी ओर सरकार की प्राथमिकताओं और प्रशासनिक तत्परता पर भी गंभीर सवाल उठाती है.

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि "जब सरकार की प्राथमिक सूची में शामिल जरूरी सेवा का यह हाल है, तो अन्य विभागों की स्थिति स्वयं समझी जा सकती है." उन्होंने कहा कि ऊर्जा विकास निगम झारखंड की बिजली व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है और बिना शीर्ष नेतृत्व के संचालन से योजनाओं की समीक्षा, निर्णय प्रक्रिया, नीति निर्माण, वित्तीय अनुशासन तथा कर्मचारियों से जुड़े मामलों पर व्यापक असर पड़ रहा है.

उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा विभाग का प्रभार स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास है, ऐसे में शीर्ष पदों का महीनों तक रिक्त रहना बेहद चिंताजनक है. जब विभाग का नेतृत्व मुख्यमंत्री के पास हो और फिर भी सीएमडी/एमडी की नियुक्ति लंबी अवधि तक न हो पाए, तो यह एक सोचनीय बात है कि आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 44 का त्वरित निष्पादन

गढ़वा। मकरी पंचायत के पंचायत सचिवालय परिसर में शुक्रवार को राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बंशीधर नगर एसडीओ प्रभाकर मिर्धा, प्रखंड प्रमुख शोभा देवी, बीडीओ नंदजी राम, सीओ शंभू राम, उप प्रमुख पिंटू टोप्पो, मुखिया सरिता देवी एवं बीडीसी रीता देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी आवश्यकतानुसार आवेदन जमा किए. कुल 2448 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 44 का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया.

झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ का अनिश्चितकालीन धरना

समाहरणालय परिसर में शुरू किया प्रदर्शन, 6 सूत्री मांगों की उठाई आवाज

शुभम संदेश ।लातेहार

झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी (जेएसएलपीएस) संघ के तत्वावधान में समाहरणालय परिसर में शुक्रवार से एल-5 से लेकर एल-8 स्तर के कर्मियों ने अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया. इस अवसर पर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष नीतेश पैथ ने बताया कि धरना 6 सूत्रीय मांगों के समर्थन में किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पलाश जेएसएलपीएस को सोसाइटी एक्ट से बाहर कर आजीविका कर्मियों को राज्य कर्मी का दर्जा दिलाना, सेवा स्थायीकरण करना और वेतनमान नीति लागू करना प्रमुख मांगों में शामिल हैं. संघ के सचिव आशीष कुमार गुप्ता ने कहा कि एनएमएमयू पॉलिसी लागू होने से कर्मचारियों को आर्थिक सहयोग मिलेगा, लेकिन राज्य सरकार इस दिशा में अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है. उन्होंने यह भी बताया कि प्रखंड स्तर के सातवें और आठवें स्तर के कर्मियों के प्रोन्नति मामलों पर कोई पहल नहीं हुई है. कर्मचारी स्थायी नीति के प्रावधान लागू करने की भी मांग कर रहे हैं.

अखिलेश कुमार ने कहा कि वार्षिक वेतन वृद्धि सुनिश्चित की जाए ताकि कर्मचारियों को महंगाई के इस दौर में राहत मिल सके. उन्होंने बताया कि जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी से कई बार वार्ता की गई, लेकिन निर्णायक फैसला न होने के कारण कर्मियों ने धरना देने का निर्णय लिया है. धरना स्थल पर कर्मियों ने बैनर, पोस्टर और झंडों के माध्यम से अपनी मांगों को उजागर किया. इस मौके पर संघ के अनेक सदस्य उपस्थित रहे जिनमें विपिन कुमार, शहीदे आजम, घनश्याम तुरी, प्रशांत कुमार, प्रमिला देवी, पूनम देवी, पुष्पा कंडुलना, पूजा देवी, बसंती देवी, अलका भगत, जेपी रंजन, अशोक सिंह, विवेक गुप्ता, संतोष कुमार, अजय प्रजापति, पीपी ओझा और संजय कुमार यादव शामिल थे. धरना स्थल पर कर्मचारियों का जोश और एकजुटता देखने लायक थी. उन्होंने कहा कि जब तक उनकी सभी मांगों को गंभीरता से नहीं माना जाएगा और समाधान नहीं मिलेगा, वे धरना जारी रखेंगे.

जनआशीर्वाद मिलने पर सड़कों का युद्ध स्तर पर निर्माण: अरुणा

शुभम संदेश ।मेदिनीनगर

मेदिनीनगर में शहर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने शुक्रवार की सुबह चैनपुर सूर्य मंदिर पार्क का निरीक्षण किया. कड़ाके की ठंड में भी पार्क में मार्निंग वाक करने आए लोग महापौर से मिले और पार्क में साउंड सिस्टम लगवाने का अनुरोध किया. अरुणा शंकर ने तुरंत अपने कर्मियों को 24 घंटे के अंदर साउंड सिस्टम लगाने का निर्देश दिया और पार्क की सफाई नियमित करने को कहा. इसके बाद उन्होंने देवचंद कमलापुरी की चाय दुकान में नागरिकों के साथ चैनपुर-शाहपुर के विकास और शहर की सड़कों, मुख्य मार्गों में डेकोरेटिव लाइट्स तथा शहर के श्मशान घाट के जीर्णोद्धार पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि यदि जनआशीर्वाद मिला तो शहर के सभी मोहल्लों की सड़कों और टूटे रास्तों का युद्ध स्तर पर निर्माण किया जाएगा और डेकोरेटिव लाइट्स भी लगाई जाएंगी.

इस दौरान कंचन सोनी, विजय प्रसाद, सुनील प्रसाद गुप्ता, स्वदेश प्रसाद, अविनाश कुमार, मोहम्मद इरफान, कमलेश कुमार, राजेश प्रसाद, विनोद कमलापुरी, प्रिंस कुमार, उत्तम कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे. महापौर ने सभी कार्यों की योजना संविदा के माध्यम से तेजी से कराने का आश्वासन दिया.

पांकी में सिंचाई विभाग के मैदान में उत्सव मेला का उद्घाटन, प्रखंड प्रमुख ने फीता काट कर किया शुभारंभ

पांकी । पांकी के सिंचाई विभाग के मैदान में शुक्रवार को आयोजित उत्सव मेला का विधिवत उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद ने फीता काटकर किया. उन्होंने कहा कि मेला लोगों के लिए मनोरंजन, खरीदारी और सामाजिक मेलजोल का केंद्र होता है. उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूले, दुकानें और अन्य मनोरंजन के साधन उपस्थित लोगों को आकर्षित करते हैं और खुशी का माहौल बनाते हैं. मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें लगी थीं, जहाँ लोग खरीदारी कर तरह-तरह के व्यंजनों का आनंद ले सकते थे. इसके साथ ही मेले ने बच्चों के लिए झूले, खेल और मनोरंजन के अन्य साधनों की व्यवस्था की. प्रखंड प्रमुख ने बताया कि मेले से लोगों को सांस्कृतिक और सामाजिक अनुभव भी मिलता है, क्योंकि यह उन्हें अपनी परंपराओं और संस्कृति से जोड़ता है. मेले के माध्यम से रोजगार और व्यापार के अवसर भी उत्पन्न होते हैं. छोटे व्यापारियों को अपने उत्पाद बेचने का मौका मिलता है और स्थानीय रोजगार में वृद्धि होती है. इस अवसर पर आयोजकों ने अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया. पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह, उपमुखिया अनारिक राम, विजय सिंह, अखिलेश सिंह, त्रिवेणी सिंह, उदेश्वर मांझी, पंकज सिंह, सोनी सिंह, धर्मेंद्र कुमार और लखन प्रसाद सहित कई लोग उपस्थित थे. यह मेला स्थानीय लोगों के लिए मनोरंजन, सांस्कृतिक अनुभव और व्यापार के अवसर का महत्वपूर्ण आयोजन साबित हुआ.

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूवात

आम जनता को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने पर जोर

शुभम संदेश ।लातेहार

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत शुक्रवार को जालिमखुर्द पंचायत में शिविर का शुभारंभ उपायुक्त एवं जिला दंडाधिकारी श्री उत्कर्ष गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि 21 से 28 नवम्बर 2025 तक जिला के सभी प्रखंडों में पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध सेवाओं का अधिकतम लाभ आमजन तक समयबद्ध रूप से पहुँचाया जाएगा.

उपायुक्त ने लोगों से अपील की कि वे शिविर में उपस्थित होकर सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं और अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उनका त्वरित समाधान किया जा सके. शिविर में साइकिल वितरण, भूमि से संबंधित मामलों का निपटारा, जाति और जन्म प्रमाण पत्र, ई-श्रम कार्ड, जॉब कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना तथा जेएसएलपीएस ऋण लिंकेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं. कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज, मनरेगा, पेयजल एवं स्वच्छता, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, समाज कल्याण, राजस्व, ऊर्जा, स्वास्थ्य और जेएसएलपीएस विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां आमजन को योजनाओं की जानकारी दी गई और ऑन-द-स्पॉट समस्याओं का समाधान किया गया. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक, प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुखिया, जिला परिषद सदस्य समेत पंचायत क्षेत्र के कई ग्रामीण उपस्थित थे. कार्यक्रम में जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड, भूमि मापी एवं विभिन्न पेंशन योजनाओं के आवेदन प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार किए गए और उनका त्वरित निष्पादन किया गया.

पांडू के तीसिबार कला में "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन

पांडू । तीसिबार कला पंचायत मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मैदान में "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख नीतू सिंह, विधायक प्रतिनिधि जवाहर पासवान, बीडीओ रणवीर कुमार, समाजसेवी प्रदुमन कुमार उर्फ सिंटू सिंह, मुखिया पूनम देवी और नोडल पदाधिकारी धर्मेंद्र दूबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. नीतू सिंह ने आमजन से अपील की कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उसका लाभ उठाएं. उन्होंने सभी विभागों के स्टालों का निरीक्षण भी किया. कार्यक्रम का संचालन पंचायत सचिव विवेक कुमार ने किया. मौके पर बीपीओ रीतेश दूबे, जेएमएम अध्यक्ष ईरफान अंसारी, राजद अध्यक्ष शमशेर आलम, प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कर्मचारी और सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे. शिविर में स्वास्थ्य विभाग, राशन कार्ड, इंदिरा आवास, वृद्धा पेंशन सहित अन्य स्टाल लगाए गए. वहीं पशु चिकित्सक डॉ. जितेंद्र वर्मा ने पशुपालकों को पशुओं में होने वाली बीमारियों की जानकारी दी और दुधारू तथा अन्य पशुओं की दवा का वितरण किया.

बरवाडीह में 'आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम में ग्रामीणों की उमड़ी भीड़

बरवाडीह । प्रखंड के चुगरू पंचायत के नवाडीह खेल मैदान में गुरुवार को 'आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज, अंचलाधिकारी लवकेश सिंह, पंचायत मुखिया बालदेव परहिया, विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह (पिंटू) और समाजसेवी अनिल सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहाँ ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन जमा किए. अंचलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को सरकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जन समस्याओं का त्वरित निवारण और योजनाओं का अधिकतम लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना है. शिविर में 100 दिन कार्य पूर्ण करने वाले मनरेगा मजदूरों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया, जबकि नए मजदूरों को जॉब कार्ड वितरित किया गया.

एक नजर

पलामू पुलिस ने खोया मोबाइल बरामद कर लौटाया

मेदिनीनगर । पलामू पुलिस ने गाड़ीखास गांव निवासी प्रेमचंद महतो, पिता स्व. पुलुर महतो को उनका खोया हुआ मोबाइल फोन वापस कर दिया. 29 जनवरी 2024 को खोए हुए मोबाइल की सूचना पुलिस को मिली थी. तकनीकी अनुसंधान और आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने मोबाइल को ट्रेस कर सफलता पूर्वक बरामद किया. सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आज संबंधित व्यक्ति को मोबाइल विधिवत रूप से सौंप दिया गया. इस कार्रवाई से पुलिस की ईमानदारी और त्वरित सेवा की झलक सामने आई. प्रेमचंद महतो ने पुलिस की तत्परता और मदद के लिए आभार व्यक्त किया. पुलिस ने कहा कि ऐसे मामलों में त्वरित जांच और तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर खोई हुई संपत्ति को सही व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

गढ़वा। खरौंधी प्रखंड के करिवाडीह पंचायत में शुक्रवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) रविंद्र कुमार, अंचल अधिकारी (सीओ) गौतम कुमार लकड़ा, प्रमुख आभा रानी और पंचायत की मुखिया मंसा देवी ने संयुक्त रूप से किया. पंचायत भवन परिसर में आयोजित इस शिविर में सुबह से ही ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. कार्यक्रम में कुल 468 आवेदन विभिन्न विभागों से प्राप्त हुए. इनमें मुख्य रूप से आवास योजनाएं, अबुवा आवास, प्रधानमंत्री आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, केसीसी, म्यूटेशन, सामाजिक सुरक्षा तथा मनरेगा से जुड़े आवेदन शामिल थे. इनमें से 280 आवेदनों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जिससे लाभार्थियों को तत्काल राहत मिली. तत्काल समाधान मिलने से ग्रामीणों में संतोष का विशेष माहौल देखा गया.

बालूमाथ में डिज्नीलैंड मेले का शुभारंभ मनोरंजन के साथ रोजगार का भी अवसर

बालूमाथ (लातेहार) । कार्तिक मेला कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को बालूमाथ में डिज्नीलैंड मेले की धूमधाम से शुरुआत हुई. मेले का उद्घाटन जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी एवं प्रशासनिक प्राधिकारी प्रवीण सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. उद्घाटन के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अनीता देवी ने कहा कि इस तरह के मेलों से स्थानीय स्तर पर छोटे–बड़े व्यापारियों को रोजगार मिलता है, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए मनोरंजन का अच्छा साधन उपलब्ध होता है. मेले में बालूमाथ, बरियातू, हेरहंज सहित आसपास के दूरदराज क्षेत्रों से लोगों की भारी भीड़ उमड़ी. यहां विभिन्न प्रकार की दुकानों, झूलों और मनोरंजन के साधनों का आकर्षण लोगों को अपनी ओर खींच रहा है. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुओं से लेकर खिलौने, कपड़े, फर्नीचर और खानपान की दुकानें लोगों को खरीदारी का मौका दे रही हैं. इस मौके पर बहादुर कुमार, अर्जुन कुमार साहू, दीपु कुमार, दिवाकर प्रसाद, तपेश्वर प्रसाद, सोनू कुमार, अजीत सोनू चंद्रवंशी, ईश्वरी साव, सुजीत केसरी, मुकेश केसरी, निखिल साहू, शंकर साहू, गुड्डी सिंह, पंकज यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे.

सतबरवा एफपीओ कार्यालय में किसानों को अधिकतम लाभ देने पर हुई बैठक

सतबरवा । सतबरवा एफपीओ कार्यालय में शुक्रवार को किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से अहम बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिला एरिया फील्ड मैनेजर रविन्द्र कुमार पाठक, एफपीओ चेयरमैन श्रीनिवास चौधरी, सीईओ बलवंत कुमार और एकाउंटेंट संदीप कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित थे. साथ ही विभिन्न पंचायतों के पैक्स अध्यक्ष और प्रतिनिधि भी शामिल हुए. बैठक में किसानों को एफपीओ से जोड़ने और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर दिया गया. सदस्यता के लिए आधार कार्ड, बैंक अकाउंट फोटोकॉपी, पासपोर्ट साइज फोटो, जमीन की रसीद और 110 रुपये शुल्क जमा करना अनिवार्य बताया गया. सभी पैक्स अध्यक्षों को पहले स्वयं सदस्य बनने का निर्देश दिया गया. एफपीओ चेयरमैन ने किसानों को खाद, बीज, यूरिया और अन्य उर्वरक सामग्री एफपीओ के माध्यम से उपलब्ध कराने और सब्सिडी सीधे बैंक खाते में भेजने की योजना साझा की. बैठक में उपस्थित गणमान्य लोगों ने किसानों के हित में सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया.

करमडीह पहुंचे विधायक नरेश प्रसाद सिंह पत्रकार मनोज सिंह के ब्रह्मभोज में दी श्रद्धांजलि

पांडू । स्थानीय पत्रकार मनोज सिंह की धर्मपत्नी के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक नरेश प्रसाद सिंह शुक्रवार को करमडीह गांव पहुंचे. मौके पर पहुंचकर उन्होंने मनोज सिंह से मुलाकात की और गहरी संवेदना व्यक्त की. विधायक ने कहा कि मृत्यु ईश्वर का अटल सत्य है, जिसे कोई नहीं टाल सकता. उन्होंने कहा कि अकाल मृत्यु हमेशा अधिक पीड़ा देती है, लेकिन भगवान इंसान को उतनी ही शक्ति भी देता है कि वह इस दुख को सहन कर सके. विधायक ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से शक्ति और साहस प्रदान करने की प्रार्थना की. इस दौरान विधायक के साथ हरिनाथ चंद्रवंशी, विधायक प्रतिनिधि मुना सिंह, कमलेश सिंह, कुंडल सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे. उन्होंने भी शोकाकुल परिवार को सांत्वना देते हुए दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने की बात कही.

मनिका में सरदार@150 यूनिटी मार्च का आयोजन

शुभम संदेश ।लातेहार

मेरा युवा भारत लातेहार द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर सरदार@150 – यूनिटी मार्च का आयोजन शुक्रवार को मनिका प्रखंड में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत एनएच-75 मटलौंग मोड़ से सांसद कालीचरण सिंह ने हरि झंडी दिखाकर की. यूनिटी मार्च मुख्य मार्ग होते हुए हाई स्कूल मैदान तक पहुँचा. मार्च में डिग्री कॉलेज, कस्तुरबा विद्यालय और युवा भारत के साथ-साथ एनएसएस के विद्यार्थियों ने झंडा, पोस्टर और राष्ट्रीय एकता के संदेशों के साथ कदमताल किया. सांसद सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए अपना जीवन समर्पित किया. उन्होंने युवाओं से स्वदेशी भावना अपनाने, नशा त्यागने और विकसित भारत के सपने को साकार करने का आग्रह किया. कार्यक्रम स्थल पर सरदार पटेल की तसवीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया. मौके पर कंचन कुमारी, पूनम देवी, पंकज सिंह, राजधानी प्रसाद यादव, अमलेश कुमार सिंह, लव कुमार दुबे, छोटू राजा सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित थे.

शिक्षक के घर आधी रात डकैती, चार घंटे तक लूटपाट

हैदरनगर । कुकही गांव के मुगलजान टोला में गुरुवार देर रात 20 से अधिक हथियारबंद डकैतों ने शिक्षक मृत्युंजय मेहता के घर पर धावा बोल दिया. डकैतों ने पिस्तौल और चाकू के बल पर पूरे परिवार को बंधक बना लिया और गृहस्वामी व उनकी पत्नी अनीता देवी की लोहे की रॉड से बेरहमी से पिटाई की. लगभग चार घंटे तक डकैत घर में तांडव मचाते रहे और सोना–चांदी के आभूषण, नगद राशि, कीमती कपड़े, इंडक्शन चूल्हा सहित लाखों की संपत्ति लेकर फरार हो गए. घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अफजल अंसारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया. घायल शिक्षक दंपति को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है. इस संगीन घटना के बाद पूरे गांव में भय और दहशत का माहौल है. ग्रामीणों ने रात्रि गश्ती बढ़ाने और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है. पुलिस आसपास के इलाकों में छापेमारी कर रही है और मामले की गंभीरता से जांच जारी है.

सांसद कालीचरण सिंह ने लातेहार में निःशुल्क नेत्र जांच केंद्र का किया उद्घाटन

शुभम संदेश ।लातेहार

सदर प्रखंड परिसर में शुक्रवार को चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने लेंसकार्ट फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित निःशुल्क नेत्र जांच केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया. इस अवसर पर लातेहार विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रकाश राम भी विशेष रूप से उपस्थित रहे. दोनों जनप्रतिनिधियों ने इस पहल को ग्रामीण जनता के लिए अत्यंत लाभकारी बताया. उद्घाटन के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने बताया कि निःशुल्क नेत्र जांच केंद्र की स्थापना से लोगों को आंखों से संबंधित बीमारियों की जांच और परामर्श आसानी से मिल सकेगा, जिससे समय पर उपचार संभव होगा. विधायक प्रकाश राम ने भी इस केंद्र को जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया. उन्होंने कहा कि यह सुविधा खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ा सहारा देगी. यहां आंखों की जांच पूरी तरह निःशुल्क की जाएगी और जिन लोगों को चश्मे की जरूरत होगी उन्हें निःशुल्क चश्मा भी उपलब्ध कराया जाएगा.

पंजीकरण के लिए मात्र 10 रुपये का एकमुश्त शुल्क रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें. केंद्र का उद्देश्य सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण नेत्र स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना तथा लोगों में नेत्र रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, बीडीओ मनोज कुमार तिवारी, लेंसकार्ट फ़ाउंडेशन की सीईओ निधि मित्तल बंसल, डॉ. आयुषी अग्रवाल सहित कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे. यह पहल लातेहार जिले में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

सेवा | सड़क हादसे में घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया

सांसद कालीचरण सिंह ने पेश की मानवता की मिसाल

शुभम संदेश ।लातेहार

लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. दुर्घटना के बाद युवक सड़क किनारे पड़ा रहा और मदद के लिए रोने की कोशिश करता रहा. इसी दौरान कार्यक्रम से लौट रहे चतरा के सांसद कालीचरण सिंह की नजर घायल युवक पर पड़ी. सांसद ने तुरंत अपनी गाड़ी रोकी और आसपास मौजूद सवारी गाड़ी की मदद से घायल युवक को उठाकर प्राथमिक उपचार के लिए लातेहार सदर अस्पताल पहुँचाया.

अस्पताल पहुँचने पर सांसद ने चिकित्सकों से निर्देश दिया कि घायल के उपचार में किसी भी प्रकार की देरी न हो. उन्होंने जिला प्रशासन से अपील की कि अज्ञात वाहन की पहचान कर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए. इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, सांसद प्रतिनिधि अमलेश सिंह और अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे.

स्थानीय लोगों ने सांसद की इस संवेदनशील और तत्काल पहल की सराहना की और इसे जनसेवा की मिसाल बताया. सांसद ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि सड़क हादसों में घायल लोगों की मदद तुरंत की जाए. उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की घटनाओं में किसी भी मृत्युदर या गंभीर चोट को कम करने के लिए समय पर प्रतिक्रिया अत्यंत आवश्यक है. सांसद कालीचरण सिंह ने यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है. उन्होंने जिले में सड़क हादसों की रोकथाम और दुर्घटनाओं में समय पर मदद पहुंचाने के लिए प्रशासन और स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की.

स्थानीय व्यापारियों, राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों ने सांसद की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संवेदनशील कदम जनता के बीच विश्वास बढ़ाते हैं. सांसद की यह कार्रवाई न केवल घायल युवक के लिए राहतकारी साबित हुई, बल्कि समाज में मानवता और आपसी सहयोग का संदेश भी दिया. इस घटना ने यह साबित किया कि केवल पद या जिम्मेदारी का नाम ही नहीं, बल्कि तत्काल निर्णय और संवेदनशीलता भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है. सांसद की इस पहल से लोगों में आपसी सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना जागृत हुई. घायल युवक का उपचार सफलतापूर्वक जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है. स्थानीय प्रशासन ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात वाहन की पहचान और कार्रवाई के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया.

निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर में उमड़ी भीड़

गढ़वा। जिला मुख्यालय के कचहरी रोड स्थित जनता डेंटल क्लिनिक में जारी निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर के सातवें दिन भी मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली. शुक्रवार को कुल 65 मरीजों का पंजीकरण कर उनका इलाज किया गया. दूरस्थ क्षेत्रों से आए कई लोग दंत जांच और परामर्श के लिए शिविर में पहुंचे. शिविर में मरीजों की जांच दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एन. खान ने की. उन्होंने मरीजों को आवश्यक चिकित्सीय सलाह देने के साथ-साथ कई लोगों का प्राथमिक उपचार भी किया. डॉ. खान ने बताया कि बदलती जीवनशैली, अनियमित भोजन और दांतों की सही देखभाल न होने के कारण दंत रोग तेजी से बढ़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि दांतों की सफाई और स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी अभी भी बड़ी चुनौती है, जिसके कारण साधारण समस्याएं भी गंभीर रूप ले लेती हैं.

ग्रामीणों ने विक्षिप्त को मारकर किया घायल

गढ़वा। हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के चौबे मझिगावां गांव में एक विक्षिप्त व्यक्ति को गांव के लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया. घायल व्यक्ति सुकन रजवार का पुत्र फेकन रजवार बताया जाता है. उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है. परिजनों ने बताया कि फेकन की दिमागी हालत ठीक नहीं है. फेकन ने गांव के ओम प्रकाश शर्मा नामक व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया था. उसी बात को लेकर उसके गांव के प्यारी यादव, संजय यादव, गुड्डू यादव, नितेश बियार, अंकुश रजवार ने मिलकर उसे बांधकर मारपीट किया.

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. : 34-...-2025-26, दिनांक 20.11.2025, ... पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ... अनुमानित निविदा मूल्य: रु. 3,99,77,682.37, बयाना राशि: रु. 3,49,900/-, ... 18 माह। निविदा बंद होने की तिथि और समय: दिनांक 15.12.2025 को 14.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/

ASN-250/2025-26

... www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in ...

@EasternRailway

@easternrailwayheadquarter

चितरपुर में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम, गरीबों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने पर जोर

शुभम संदेश। रामगढ़

चितरपुर प्रखंड क्षेत्र के बोरोविंग पंचायत भवन में शुक्रवार को 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक ममता देवी ने किया, साथ ही विशिष्ट अतिथि सीओ दीपक मिंज, मुखिया बसंती देवी और झामुमों के केंद्रीय सदस्य चित्रगुप्त महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. ममता देवी ने कहा कि गरीबों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सरकार का दायित्व है, और इसी उद्देश्य से यह शिविर लगाया गया है. मुखिया बसंती देवी ने कहा कि संबंधित स्टॉल पर पदाधिकारी अनुपस्थित रहने पर कार्रवाई की आवश्यकता है. बीडीओ एवं सीओ दीपक मिंज ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी और लोगों से इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की. कार्यक्रम का संचालन रोजगार सेवक कुमार विवेक सिंह ने किया. मौके पर बीपीओ नितिन कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी चित्रा सिंह मुंडा, पंचायत सेवक अजय मरांडी, बीपीआरओ बिनोद करमाली, रोजगार सेवक बिनोद कुमार, मो इरशाद, एकरामूल हक, राजकपूर राम, युगेश महतो सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे.

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के स्टॉलों में सामाजिक सुरक्षा, लगान रसीद (आय, जाति, आवासीय) प्रमाण पत्र, मनरेगा, अबुआ आवास योजना, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, कृषि विभाग, कौशल विकास योजना, शिवा प्रोटेक्शन फोर्स, जेएसएलपीएस, खाद्य आपूर्ति, समेकित बाल विकास परियोजना, स्वास्थ्य विभाग और पशुपालन विभाग शामिल थे. इन स्टॉलों पर उपस्थित लोगों ने अपनी समस्याओं और योजनाओं के लिए आवेदन जमा किए.

भेलवारा पंचायत में "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारा" शिविर का शुभारंभ

विष्णुगढ़। भेलवारा पंचायत में सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारा" के तहत विशेष शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया. शिविर में पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीणों की अच्छी-खासी भीड़ रही. शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुँचाना है. मौके पर विभागीय कर्मियों ने ऑन–स्पॉट जाँच, स्वीकृति और निबंधन की प्रक्रिया भी शुरू की. ग्रामीणों ने इस पहल को सराहनीय बताया और कहा कि अब सरकारी सेवाएँ आसानी से पंचायत स्तर पर उपलब्ध हो रही हैं. प्रशासन ने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में ऐसे शिविरों के माध्यम से और अधिक लाभुकों को सेवाएँ प्रदान की जाएँगी.

रिमी पंचायत में 'आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम का शुभारंभ, ग्रामीणों ने उठाया लाभ

लावालौंग। प्रखंड के रिमी पंचायत में शुक्रवार को 'आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन एसडीओ सन्नी राज, बीडीओ सह सीओ बिपिन भारती और मुखिया सुगी देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया.

शिविर में लगभग सभी विभागों के स्टाल लगाए गए और ग्रामीणों की भारी भीड़ ने भाग लिया. ग्रामीणों ने विभिन्न प्रमाण-पत्रों और सेवाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत किए. ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण के माध्यम से आवेदनों को पोर्टल पर अपलोड किया गया और मौके पर ही कई शिकायतों का निवारण किया गया. जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म- मृत्यु प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड, भूमि मापी और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी सेवाओं को प्राथमिकता दी गई.

इस कार्यक्रम से जनता और सरकार के बीच दूरी कम हुई और नागरिकों को सरकारी सेवाओं का सुगम और समयबद्ध लाभ मिलने का अवसर मिला. मौके पर बीपीओ, रोजगारसेवक, पंचायत सेवक, मुखिया पति जगदीश यादव, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष अवधेश कुमार यादव और उपाध्यक्ष विकास कुमार यादव सहित कई लोग उपस्थित थे.

रामगढ़ जिले में 21 से 28 नवम्बर तक पंचायतों में आयोजित होगा सेवा का अधिकार सप्ताह

रामगढ़। राज्य सरकार ने जिले के सभी प्रखंडों की पंचायतों में 21 से 28 नवम्बर 2025 तक ₹आपकी योजना–आपकी सरकार, आपके द्वार – सेवा का अधिकार सप्ताह₹ आयोजित करने का निर्णय लिया है. यह कार्यक्रम विशेष रूप से ₹झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011₹ को प्राथमिकता देते हुए आयोजित किया जाएगा. इस दौरान पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर अधिनियम में सूचीबद्ध विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ आमजनों को समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाएगा. शिविरों में जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड, दाखिल–खारिज मामलों का निष्पादन, भूमि मापी, भूमि धारण प्रमाण पत्र और विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से जुड़े आवेदन प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किए जाएंगे. साथ ही, आम जनों से अन्य सेवाओं और लोक–कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन भी लिए जाएंगे. प्रत्येक आवेदन को पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा और शिकायतों का ऑन–द–स्पॉट निवारण करते हुए समाधान कागजात एवं आवेदक की तस्वीर अपलोड की जाएगी. आवेदनों की ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाएगी, जिससे समय–सीमा के भीतर सभी शिकायतों का निष्पादन सुनिश्चित होगा. इस पहल से सरकारी सेवाओं की सहज उपलब्धता और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी.

केरेडारी में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन, जनता ने किए 190 से अधिक आवेदन

केरेडारी प्रखंड के पंचायत भवन में झारखंड के रजत समारोह के अवसर पर 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख सुनीता देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार, अंचलाधिकारी राम रतन वर्णवाल, दक्षिणी जिला परिषद सदस्य अनीता सिंह, उप प्रमुख अमेरिका महतो एवं मुखिया सोनिया देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

शिविर में सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहाँ जनता ने विभिन्न समस्याओं और योजनाओं के लिए आवेदन जमा किए. इस अवसर पर अंचलाधिकारी राम रतन वर्णवाल ने कहा कि यह कार्यक्रम जन समस्याओं के समाधान और योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है. शिविर में मजदूरों को जॉब कार्ड और अन्य योजनाओं के तहत 190 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि 'माय्या समान योजना' के लिए 220 आवेदन आए. लेकिन 'माय्या सम्मान योजना' का पोर्टल खुला नहीं था, जिससे महिलाएं हताश दिखाई दीं. इस दौरान पंचायत सेवक रोहित कुमार, रोजगार सेवक अनीश कुमार, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव, बैजनाथ महतो, पंकज साहा सहित कई पुरुष और महिलाएं उपस्थित थे.

चौपारण और ताजपुर पंचायत में आयोजित 'आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम

चौपारण प्रखंड के चौपारण और ताजपुर पंचायत भवन परिसर में बीडीओ नितेश भास्कर और सीओ संजय कुमार यादव के नेतृत्व में ₹आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन चौपारण-2 जिप सदस्य रवि शंकर अकेला, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, चौपारण मुखिया पिंकी देवी और ताजपुर मुखिया उषा देवी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. अतिथियों का माला और बुके देकर स्वागत किया गया.

शिविर में अबुआ आवास, गुरुजी क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई. विभागवार स्टॉल लगाए गए और आम लोगों के आवेदन जमा किए गए. आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को स्वेटर वितरण किया गया. चौपारण पंचायत में 564 आवेदन जमा हुए, जिनमें 8 का निष्पादन हुआ और 555 पेंडिंग रखे गए. ताजपुर में 334 आवेदन सभी पेंडिंग में रखे गए.

"हमारी छात्रवृत्ति कौन देगा?"-छात्रवृत्ति बकाया पर छात्रों ने निकाला अधिकार मार्च

केंद्र और राज्य सरकार की फंडिंग विवाद नुकसान गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों को

हजारीबाग। झारखंड प्रदेश में छात्रवृत्ति वितरण पर गंभीर संकट गहराता जा रहा है. हजारीबाग, रांची सहित अन्य जिलों के लाखों छात्र समय पर छात्रवृत्ति न मिलने के कारण अपनी पढ़ाई में बाधित होने की कगार पर हैं. कल्याण विभाग के अनुसार हजारीबाग में 70,246 छात्रों ने आवेदन किया, लेकिन केवल 3,700 छात्रों को ही छात्रवृत्ति मिली, जिसमें अधिकांश छात्र इंटर और स्नातक स्तर के हैं. समय पर छात्रवृत्ति न मिलने से फीस, हॉस्टल चार्ज, किराया, किताबें और अन्य शैक्षणिक खर्च प्रभावित हो रहे हैं.

इस गंभीर स्थिति को लेकर छात्रवृत्ति अधिकार मंच के नेतृत्व में अभिषेक राज कुशवाहा ने हज़ारीबाग में निर्मल महतो पार्क से समाहरणालय तक छात्रवृत्ति अधिकार मार्च निकाला. मार्च में शामिल छात्रों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए और "छात्रवृत्ति तुरंत जारी करो, हमारी छात्रवृत्ति कौन देगा" की मांग जोरदार तरीके से उठाई. अभिषेक राज कुशवाहा ने कहा कि 2024-25 की छात्रवृत्ति का भुगतान लंबित है, केवल 10% छात्रों को राशि मिली है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द कार्रवाई नहीं करती है, तो संघर्ष और व्यापक होगा.

छात्र नेता जीवन यादव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की फंडिंग विवाद और प्रशासनिक लापरवाही का सबसे बड़ा नुकसान गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों को हो रहा है. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार छात्रवृत्ति राशि 35,000 से 1,00,000 रुपये तक बढ़ा रही है, जबकि केंद्र सरकार मात्र 20,000 रुपये दे रही है, जिससे वितरण प्रक्रिया रुकी हुई है.

मार्च में उपस्थित छात्रों ने डीसी कार्यालय के माध्यम से राज्य सरकार, केंद्र सरकार और उच्च शिक्षा विभाग से तत्काल छात्रवृत्ति भुगतान शुरू करने की मांग की. इसमें आदर्श आनंद, लवकुश, राजेश महतो, गोलू पासवान, सोनू मेहता, युवराज संकेत, पुरुषोत्तम प्रताप, सिद्धार्थ मेहता, जयवर्धन कुशवाहा, राजा, शाहबाज, गुलाम सर्वर, निर्जला, रजनीश, धीरज, आकाश, कृति, पायल, सूर्यकांत, रविन्द्र पासवान, राहुल पासवान सहित विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पीजी सेंटर, अन्नदा कॉलेज, के.बी महिला महाविद्यालय और मारखम कॉलेज के सैकड़ों छात्र शामिल थे.

छात्रों का स्पष्ट संदेश था कि यदि छात्रवृत्ति जल्द नहीं दी गई, तो उनकी पढ़ाई आर्थिक कठिनाई के कारण प्रभावित होगी, और वे चुप नहीं बैठेंगे.

चौपारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दो फरार और प्राथमिक अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

शुभम संदेश। चौपारण

चौपारण पुलिस ने हाल ही में दो अलग-अलग मामलों में फरार और प्राथमिक अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की बड़ी कार्रवाई की. इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने का संदेश गया. पहले मामले में, तीन वर्षों से फरार चल रहे बीरबल साव, पिता स्वर्गीय चरण साव, निवासी मयूरहंड को जमीन दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपये की ठगी के मामले (चौपारण थाना कांड संख्या 34/25) में गिरफ्तार किया गया. समाजसेवी अनिल सिंह की शिकायत पर दर्ज इस मामले में आरोपी रुपये लेने के बाद धमकी देकर फरार हो गया था. थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने बताया कि तकनीकी निगरानी और लगातार खोजबीन के बाद आरोपी को नोएडा (दिल्ली) से दबोचा गया. दूसरे मामले में, चौपारण थाना कांड संख्या 317/25 (दिनांक 20 नवंबर 2025) के प्राथमिक अभियुक्त राम प्रकाश रवानी, पिता स्वर्गीय रामस्वरूप रवानी, निवासी हथिया (चौपारण), को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया. पुलिस ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में प्रस्तुत कर जेल भेजा गया. पुलिस ने कहा कि दोनों मामलों में कानूनी प्रक्रिया तेजी से जारी रहेगी और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई प्राथमिकता में रहेगी.

झारखंड स्थापना दिवस पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन, 51 यूनिट रक्त एकत्रित

हजारीबाग। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सामाजिक कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. शिविर का संचालन आईक्यूएसी और एनएसएस इकाई के सहयोग से किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने स्वयं रक्तदान कर की. कुल 51 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए अमूल्य योगदान साबित होगा. डॉ. गोविंद ने कहा कि रक्तदान केवल मानव सेवा नहीं, बल्कि मानवता का सबसे बड़ा उत्सव है. कुलपति प्रो. पी.के. नायक ने कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं में सामाजिक जागरूकता बढ़ाते हैं, वहीं समकुलपति डॉ. गौरव शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों का भी संवर्धन करता है. छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. एस.आर. रथ और एनएसएस समन्वयक डॉ. प्रिति कुमारी ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की.

अनावरण बड़कागांव में हरली पंचायत में 26 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज का भूमिपूजन

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में है यह ऐतिहासिक कदम

शुभम संदेश। बड़कागांव

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक रहा. क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए हरली पंचायत स्थित ग्राम हरली में डिग्री कॉलेज के निर्माण का विधिवत् भूमिपूजन संपन्न हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और विशेष अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी उपस्थित रहे. दोनों नेताओं ने पूजा-अर्चना कर, नारियल फोड़कर और शिलापट्ट का अनावरण कर कॉलेज की नींव रखी.

यह डिग्री कॉलेज विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के अंतर्गत संचालित होगा और करीब 26 करोड़ रुपये की लागत से 4.07 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा. भवन निर्माण निगम लिमिटेड को निर्माण का जिम्मा दिया गया है, जिसे 21 महीने में पूर्ण करना है. कॉलेज परिसर में जी+2 एकेडमिक भवन, एसआरसी भवन, विशाल खेल मैदान और अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा. इसमें लगभग 2000 विद्यार्थी एक साथ अध्ययन कर सकेंगे.

सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इस कॉलेज के निर्माण में कोई विघ्न-बाधा नहीं आनी चाहिए और स्थानीय लोगों को शिक्षा के उत्थान में सहयोग करना चाहिए. उन्होंने बताया कि क्षेत्र के छात्र पहले स्नातक शिक्षा के लिए हजारीबाग, रामगढ़ और रांची जैसे शहरों की ओर जाते थे, लेकिन अब उन्हें उच्च शिक्षा सुविधा अपने गृह क्षेत्र में ही मिलेगी. विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि शिक्षा से समाज में विकास और बदलाव संभव है. उन्होंने छात्रों के बेहतर भविष्य और तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए सांसद के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया.

समारोह का संचालन सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी ने किया. मौके पर हरली पंचायत की मुखिया कविता देवी, पंचायत समिति सदस्य कौशल्या देवी, लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, बड़कागांव विधानसभा प्रतिनिधि पूनम साहू, पूर्व मुखिया महेंद्र महतो, भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. इस कदम से बड़कागांव क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का अवसर अपने क्षेत्र में मिलने से न केवल पढ़ाई का तनाव कम होगा, बल्कि क्षेत्र में शिक्षा का स्तर और सामाजिक विकास भी बढ़ेगा.

अवैध खनन पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई, प्राथमिकी दर्ज

रामगढ़। जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने अधिकारियों को योजनाबद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया. इसी क्रम में रजरप्पा थाना अंतर्गत कुल्ही चौक पर एक ट्रैबरो वाहन जिसमें 200 घनफुट पत्थर चिप्स लदे थे, को जप्त किया गया. वाहन चालक और मालिक कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके. साथ ही, पीटीपीएस रोड नंबर 4 के पास सौंदा-पतरातु मार्ग से बालू लदे हाईवा को बिना परिवहन चालान के जप्त किया गया, जिसमें लगभग 1000 घनफुट बालू पाया गया. इसके अलावा, पतरातु-खैरा मांझी रोड स्थित सावित्री पेट्रोल पंप के पास हाईवा भी बिना चालान के जप्त किया गया. दोनों हाईवा वाहनों के संबंध में खनन राजस्व की हानि और खान एवं खनिज अधिनियम के तहत वाहन मालिक और चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है.

एक नजर

उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले में शुरू किया 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार'

चतरा। जिले में डिप्टी कमिश्नर कीर्तिश्री ने 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम की शुरुआत की. 21 से 28 नवंबर 2025 तक जिले के सभी ब्लॉक और पंचायतों में अधिकार सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण इलाकों के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाना है. पहले दिन डीसी ने सदर ब्लॉक की लेम पंचायत में कैंप का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जन्म प्रमाण पत्र, आय/निवासी प्रमाण पत्र, जमीन से जुड़े मामले, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के आवेदन तथा राशन कार्ड जैसी समस्याओं का मौके पर समाधान करने के निर्देश दिए. लाभार्थियों में जन्म प्रमाण पत्र, धोती-साड़ी और अन्य संपत्तियां भी वितरित की गई. डीसी कीर्तिश्री ने आम लोगों से अपील की कि वे तय तारीख पर पंचायतों में पहुंचे और उपलब्ध सरकारी सेवाओं का लाभ उठाएँ. मौके पर डीडीसी अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला योजना अधिकारी मन्नू कुमार, बीडीओ हरिनाथ महतो, अंचल अधिकारी अनिल कुमार सहित जनप्रतिनिधि और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे.

हनुमान मंदिर की नई कार्यकारिणी समिति का गठन

झुमरी तिलैया, कोडरमा। पीपल वाले पेड़ के समीप स्थित कोडरमा स्टेशन हनुमान मंदिर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता श्री अशोक राय ने की. बैठक में समाज के अनेक महत्वपूर्ण व्यक्ति और श्रद्धालु उपस्थित रहे. समिति का कार्यकाल समाप्त हो चुका था, इसलिए सर्वसम्मति से नई समिति का 2 वर्ष का कार्यकाल तय किया गया. मंदिर समिति के संरक्षक के रूप में श्री नितेश चंद्रवंशी एवं श्री अशोक राय मनोनीत हुए. अध्यक्ष बने श्री अशोक कुमार शाह, उपाध्यक्ष श्री देवेश भगत एवं कुणाल गुप्ता, सचिव श्री सुरेंद्र प्रसाद, कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार बंसल, सहसचिव श्री मुन्ना मिश्रा और श्री रवि कुमार सिंह. सभी पदाधिकारियों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया. संरक्षक श्री नितेश चंद्रवंशी ने कहा कि समिति मिलकर मंदिर परिसर को भव्य और व्यवस्थित बनाएगी.

कानीकेंद में सड़क हादसे में युवकों पर हत्या का आरोप, परिजनों ने की कानूनी कार्रवाई की मांग

कोडरमा। नवलशाही थाना क्षेत्र के कानीकेंद में 17 वर्षीय अनूप यादव की सड़क दुर्घटना के दौरान मृत्यु को लेकर उसके परिजनों ने दो युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है. परिजनों ने नवलशाही थाना व कोडरमा पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर मामला दर्ज कराया. आवेदन में बताया गया कि सूरज गोस्वामी और अभिजीत वर्मा ने अनूप यादव को जबरन बाइक पर बैठाकर ले जाया. बाद में पता चला कि अनूप की हत्या कर लाश को चंचाल जंगल में फेंक दिया गया. परिजन का कहना है कि एक्सीडेंट में दोनों आरोपी बिल्कुल सुरक्षित हैं, जबकि उनके बेटे की मौत हुई. उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह दुर्घटना नहीं बल्कि जानबूझकर हत्या है. उन्होंने पुलिस से आरोपितों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है. मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

डीएलएड सत्र 2023-25 का परिणाम: अनुपम कुमारी प्रथम स्थान पर, 86.92 प्रतिशत अंक हासिल

रामगढ़। चितरपुर प्रखण्ड के सुकरीगढ़ा लारी स्थित डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के डीएलएड सत्र 2023-25 का परिणाम झारखंड अधिविद्य परिषद, नामकुम, राँची द्वारा शुक्रवार को प्रकाशित किया गया. परिणाम में अनुपम कुमारी 86.92 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रही. वहीं, द्वितीय स्थान प्रियंका कुमारी (86.78%) और तृतीय स्थान शमा परवीन (86.57%) ने हासिल किया. महाविद्यालय और मातृ संस्था जन आकांक्षा समिति के सचिव मणिकांत सिन्हा, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रितेश कुमार, सचिव संजय कुमार प्रभाकर और प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार उपाध्याय ने सभी शीर्ष प्रशिक्षुओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. डीएलएड विभागाध्यक्ष सीमा कुमारी, मुरारी कुमार दुबे, सुप्रिया बर्मन, बाबुचंद प्रसाद, नयन कुमार मिश्रा सहित अन्य शिक्षकों ने भी प्रशिक्षुओं की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया.

केरेडारी/टंडवा चूंदरू पुल मरम्मत में अनियमितता का आरोप

केरेडारी/टंडवा। हजारीबाग-चतरा-रांची-लातेहार लाइफलाइन मार्ग पर टंडवा सूर्य मंदिर स्थित जर्जर चूंदरू पुल की मरम्मत कार्य में स्थानीय लोगों ने भारी अनियमितताओं का आरोप लगाया है. आरोप है कि निर्माण में घटिया बालू, गिट्टी और सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है और सरिया का उपयोग भी नहीं किया गया. जानकारी के अनुसार, निविदा में संवेदक को 25 लाख रुपये की टेंडर मिली है, लेकिन कार्य युद्धस्तर पर घटिया तरीके से किया जा रहा है. कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र गुप्ता ने कहा कि मरम्मत कार्य में घोर अनियमितता हो रही है और पैसे का बंदर बाट किया जा रहा है, जिसे जांच का विषय बनाया जाना चाहिए.

रामगढ़ के बरलंगा थाना क्षेत्र में उत्पाद विभाग की छापेमारी, अवैध शराब की भट्ठियां नष्ट

रामगढ़। सहायक आयुक्त उत्पाद बिमला लकड़ा के निर्देशन में उत्पाद विभाग ने बरलंगा थाना क्षेत्र के डीमरा, कदलाटांड़, नावाडीह एवं गोला थाना क्षेत्र के कोचलटांड़ में सघन और व्यापक छापेमारी अभियान चलाया. इस अभियान के दौरान कई अवैध शराब की भट्ठियों को नष्ट किया गया और लगभग 400 किलोग्राम जावा महुआ तथा 80 लीटर महुआ शराब बरामद की गई.छापेमारी के दौरान डीमरा निवासी तिजु साव, कदलाटांड़ निवासी कंदरु रजवार, नावाडीह निवासी पूरण रजवार, राजेंद्र साव, चमन साव और कोचलटांड़ निवासी धनेश्वर महतो, राजेश महतो के खिलाफ उत्पाद अधिनियम की धारा के तहत फरार अभियोग दर्ज किया गया.

आम्रपाली परियोजना के एक नंबर बैरियर का अपर पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण, अवैध वसूली की जांच जारी

चतरा। जिले के टंडवा प्रखंड स्थित आम्रपाली कोल परियोजना के एक नंबर बैरियर का निरीक्षण अपर पुलिस अधीक्षक प्रभात रंजन बरवार और थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अनिल उराँव ने किया. निरीक्षण के दौरान संयुक्त टीम ने अवैध वसूली और अन्य संदिग्ध गतिविधियों की जांच की.अवैध वसूली की खबर के आधार पर पुलिस ने जांच तेज कर दी है. बताया गया कि कुछ उपद्रवी तत्व फर्जी संगठन बनाकर वाहनों से अवैध वसूली कर रहे हैं. इसके अलावा 17 सीएल एक्ट के कुछ सहयोगी और शरारती तत्व सीसीएल के लोडिंग स्लिप काटकर अवैध गतिविधियों में शामिल हैं.

हंटरगंज के छात्र दानिश अंसारी का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन, जिले का नाम किया रोशन

चतरा। हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित रामनारायण प्लस 2 उच्च विद्यालय के 12वीं कक्षा के छात्र दानिश अंसारी ने राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाकर हंटरगंज और विद्यालय का नाम रोशन किया है. खेलों झारखंड के तहत आयोजित प्रतियोगिता में दानिश ने प्रखंड और जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था. इसके बाद रांची में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें प्रदेश स्तरीय टीम में चयनित किया गया. रांची में उन्हें पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया. विद्यालय प्राचार्य अनूप कुमार ने बताया कि दानिश के उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ा है.

दनुआ घाटी में सड़क हादसों से बचाव के लिए नया मंदिर, प्रशासन ने भी किए सुरक्षा इंतज़ाम

चौपारण। चौपारण प्रखंड की "मौत की घाटी" कहे जाने वाली दनुआ घाटी में बार-बार होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए स्थानीय ग्रामीणों और समाजसेवियों ने ब्लैक स्पॉट के बीचोंबीच एक नया मंदिर का निर्माण किया है. ग्रामीणों का मानना है कि मंदिर बनने से यात्रियों को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा मिलेगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी.

जंगली हाथी के हमले में वृद्ध की हुई मौत

गुमला। मोरगांव पतरा प्रखंड के पास जंगली हाथियों ने 55 वर्षीय ललकु उरांव की जान ले ली. घटना उस समय हुई जब मृतक हाथी देखने झाड़ी में गया था. इस दौरान जंगली हाथी ने उसे अपने सूंड में उठाकर जमीन पर पटक दिया. गंभीर हालत में उसे तत्काल भरनो अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर जाहिद अख्तर ने उसे मृत घोषित कर दिया. हाथी के हमले से गांव में हड़कंप मच गया है और ग्रामीणों में डर और दहशत का माहौल है. घटना के बाद वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र में सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी गई है. अधिकारियों का कहना है कि हाथियों की झुंड कई दिनों से गांव के पास दिखाई दे रही थी, लेकिन इस हमले ने स्थानीय लोगों की चिंता और बढ़ा दी है.

डीएवी पब्लिक स्कूल में एनसीसी कैडेट्स ने गाया वंदे मातरम

शुभम संदेश। गुमला

1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं बल्कि प्रत्येक भारतीय के हृदय की आवाज है. स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत राष्ट्रीयता और देशभक्ति की भावना को जगाने में अद्वितीय भूमिका निभाता रहा है. इसी कड़ी में डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में एनसीसी कैडेट्स और छात्रों ने वंदेमातरम के 150वें वर्षगांठ पर सामूहिक रूप से यह गीत गाकर इस ऐतिहासिक अवसर को मनाया. 46 झारखंड बटालियन के एनसीसी कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल पी बी शर्मा ने सभी को इस आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि वंदेमातरम हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और कर्तव्य की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है. उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे इस गीत के माध्यम से अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझें. इस अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला के प्रधानाचार्य डॉ. रमाकांत साहु ने कहा कि वंदेमातरम हमारे देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है. यह गीत देशभक्ति की भावना को प्रबल करने के साथ ही हमें अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए प्रेरित करता है. एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर सेकेंड ऑफिसर अभिजीत झा ने भी कहा कि 150 वर्षों के बाद भी वंदेमातरम का महत्व उतना ही है जितना पहले था. यह गीत हमें देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले महान नेताओं की याद दिलाता है और उनके सपनों को साकार करने की प्रेरणा देता है.

छात्रों ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए. उन्होंने कहा कि वंदेमातरम गाने से उन्हें अपने देश के प्रति प्यार और सम्मान का अनुभव होता है और यह उन्हें देश के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करता है. सीसीए इंचार्ज संजुक्ता खटुआ ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में देशभक्ति की भावना को जागृत करते हैं और उन्हें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं. कार्यक्रम में संगीत शिक्षक कौशल किशोर महाराज ने गीत की प्रस्तुति को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस आयोजन में सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे. 1800 से अधिक लोगों ने सामूहिक रूप से वंदेमातरम गाया.

एआईपीएफ और झानद की संयुक्त बैठक 30 को

गुमला। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट व झारखंड नवनिर्माण दल की संयुक्त जिला स्तरीय बैठक 30 नवंबर 2025 को जिला मुख्यालय गुमला में आयोजित की जाएगी. यह बैठक ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट का नई दिल्ली सुरजीत भवन में 7-8 दिसंबर 2025 को होनेवाली चौथा राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी को लेकर जिले में अंतिम रूप देने के लिए बुलाई जा रही है. दिल्ली में होनेवाली राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी के कारण झारखंड प्रदेश के जिलों में आयोजित कई कार्यक्रम को रद्द कर दी गई है. बैठक में प्रगतिशील मजदूर किसान यूनियन, महिला मंडल सहयोग संचालन समिति, ननबैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच, छात्र युवा मोर्चा, बॉक्साइट माइन्स रैयत मजदूर समिति तथा भ्रष्टाचार विरोधी मंच के प्रतिनिधियों को आमंत्रित की गई है. बैठक में मुख्य रूप से ऑल इण्डिया पीपुल्स फ्रंट के प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह भाग लेंगे. यह जानकारी झारखंड नवनिर्माण दल मजदूर यूनियन के जिला प्रभारी शंकर उरांव ने दी.

रातू को पराजित कर सेमीफाइनल में पहुंचा राउरकेला

गुमला। गुमला स्पोर्ट सोसायटी द्वारा गुमला स्टेडियम में चल रहे लांस नायक परमबीर अल्बर्ट एक्का फुटबॉल टूर्नामेंट के चौथे दिन शुक्रवार को पहला मैच मामा स्पोर्टिंग रातू बनाम एसटी बुल्स के बीच खेला गया. जबरदस्त रोमांचकारी मुकाबले के बीच मामा स्पोर्टिंग रातू की टीम शुन्य के मुकाबले एक गोल से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. दूसरा मैच राउरकेला रेड बनाम आर सी मिशन सोसो के बीच खेला गया जिसमें निर्धारित समय तक दोनों टीमें बराबरी पर रहा. ट्राई ब्रेकर में राउरकेला रेड 4-3 से विजय हासिल कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल मुकाबला मामा स्पोर्टिंग रातू बनाम राउरकेला रेड के बीच खेला गया जिसमें निर्धारित समय तक दोनों टीमें बराबरी पर रहा. ट्राई ब्रेकर में 6-5 से विजय हासिल कर राउरकेला रेड सेमीफाइनल में प्रवेश किया. राज टेलीकाम के संचालक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. आयोजन समिति के अध्यक्ष रोहित भगत ने अतिथियों का स्वागत किया और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया.

सिमडेगा में उद्यमिता पंजीकरण जागरूकता शिविर

सिमडेगा। झारखंड सरकार के उद्योग विभाग एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम द्वारा जिले में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पूर्वी-टैंसेर पंचायत भवन परिसर में उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर आयोजित किया गया. यह विश्व बैंक समर्थित कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया. शिविर का मुख्य उद्देश्य नवोदित और मौजूदा उद्यमियों को औपचारिक रूप से एमएसएमई इकाइयों के रूप में पंजीकृत करना, पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना था.

वाहन चेकिंग अभियान, नौ वाहनों के कटे चालान

सिमडेगा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया. यह अभियान पुलिस अधीक्षक सिमडेगा के निर्देशानुसार थाना प्रभारी हर्ष कुमार साह के नेतृत्व में आयोजित किया गया. अभियान में एएसआई सुभाष यादव, एएसआई इंद्रजीत समद, लचरागढ़ टीओपी प्रभारी एएसआई जितेंद्र सिंह और अन्य पुलिस जवानों ने सक्रिय भागीदारी निभाई. चेकनाका, कोलेबिरा रणबहादुर सिंह चौक और लचरागढ़ टीओपी स्थित जलडेगा मोड़ पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जांच की गई. पुलिस टीम ने हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 898 आवेदन प्राप्त

सोनाहातू। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र के बारेंदा पंचायत में आयोजित "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों के कुल 898 आवेदन प्राप्त हुए. इस अवसर पर विधायक अमित महतो ने कहा कि कार्यक्रम की सफलता प्रखंड के अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी के साथ-साथ एक चुनौती भी है. उन्होंने कहा कि अधिकारी यदि समय रहते आवेदन पर पहल करेंगे तो गांव की समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी. आवास योजना में सबसे अधिक 130 आवेदन प्राप्त हुए. इसके अलावा धोती, साड़ी, लुंगी, कंबल वितरण और जॉब कार्ड वितरण किया गया.

रातू में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का सफल आयोजन

रातू। शुक्रवार को रातू प्रखंड के हुरहुरी, बनापीडी और तारूप पंचायतों में "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में जरूरतमंद लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया गया और प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए. शिविर में अबुआ आवास, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, बिरसा हरित ग्राम, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन योजना एवं अबुआ वीर अबुआ दिशोम जैसी योजनाओं के लाभार्थियों को आवेदन एवं प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए गए. इस अवसर पर लगभग एक हजार विभिन्न आवेदन जमा किए गए. कार्यक्रम में रांची जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, वरीय प्रखंड प्रभारी पर्यवेक्षक संजय कुमार, अंचलाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार, उप प्रमुख रियाजुल अंसारी, पंचायत प्रमुख, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

गुमला डांड़ा पड़हा का हुआ गठन, अजय बेल व महावीर बने देवान

पड़हा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का लिया संकल्प

शुभम संदेश। गुमला

गुमला जिले के दुन्दुरिया स्थित उरांव क्लब भवन में शुक्रवार को डांड़ा पड़हा प्रखंड कमेटी का औपचारिक रूप से गठन किया गया. इस अवसर पर मूली पड़हा के कोटवार देवेन्द्र लाल उरांव ने पड़हा व्यवस्था के महत्व और उसके क्रियान्वयन की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पड़हा पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था है, जिसमें सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और न्यायिक दृष्टि से गांव का संचालन और नियंत्रण किया जाता है.

देवेन्द्र उरांव ने कहा कि इस व्यवस्था में पदाधिकारियों का चयन मतदान के माध्यम से नहीं, बल्कि नाम के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से किया जाता है. उन्होंने यह भी बताया कि यह परंपरा 1962 में कार्तिक उरांव, भिखराम भगत और राम कुजूर द्वारा स्थापित की गई थी. इसके तहत प्रत्येक पद के अनुसार सभी को अपने कार्यों का निर्वाह करने की जिम्मेदारी दी जाती है. उनका कहना था कि सामाजिक, धार्मिक और पारंपरिक रीति-रिवाजों को जीवित रखने के लिए इस व्यवस्था को सामूहिक प्रयास से बनाए रखना आवश्यक है.

इस अवसर पर देवान चुंईया कुजूर, राजू उरांव, पूर्व देवान विश्वनाथ उरांव और राजी पड़हा के पूर्व कोटवार सुशील उरांव सहित कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे. उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए संविधान प्रदत्त प्रावधानों की चर्चा की और उरांव बहुल क्षेत्र में पड़हा व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर जोर दिया.

बेल की अनुमति से डांड़ा पड़हा के पदाधिकारी चुने गए. डांड़ा पड़हा के नए पदाधिकारियों में बेल (अध्यक्ष राजा) अजय कुमार उरांव, उप बेल छोटेलाल भगत, देवान (मंत्री) महावीर उरांव, उप देवान मनीष बाड़ा, कोटवार सावन उरांव, उपकोटवार सरेन्द्र उरांव, कहतो सुनील उरांव, रकम उर्वस गीता देवी, करटाहा सुकरू उरांव, परामर्शदात्री झाड़ी भगत, सुदर्शन भगत, लालो कुमारी उरांव, पंच विनोद उरांव, रजनी देवी, धरमनी देवी और चन्द्रमनी देवी शामिल हैं.

नई समिति के पदाधिकारियों का स्वागत बेल देवराम भगत ने माला पहनाकर किया और उन्हें कार्य एवं दायित्व का शपथ दिलाई. बेल देवराम भगत ने धन्यवाद ज्ञापन में सभी सदस्यों से अपील की कि वे ग्राम सभाओं, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के माध्यम से आदिवासी रूढ़िवादी परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा में सक्रिय रूप से भाग लें. इस अवसर पर मूली पड़हा के उप देवान सीनो मिंज, रकम उर्वस गौरी किन्डो, उप कोटवार फूलमनी उरांव, उप कहतो पुष्पा उरांव, परामर्शदात्री शांति मिंज और शांति देवी, सिनगी देई की रकम उर्वस सीता देवी आदि उपस्थित थे. डांड़ा पड़हा प्रखंड में पारंपरिक पड़हा व्यवस्था को नए सिरे से सुदृढ़ करते हुए, सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने का संकल्प लिया गया.

सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत विशेष शिविर

सिमडेगा। राज्य सरकार के "आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार" अभियान के अंतर्गत जिले के सभी प्रखंडों में 21 नवंबर 2025 को "सेवा का अधिकार सप्ताह" के विशेष शिविर आयोजित किए गए. ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की, आवेदन जमा किए तथा मौके पर ही प्रमाण-पत्र और अन्य लाभ ग्रहण किए. उपायुक्त कंचन सिंह एवं विधायक कोलेबिरा श्री नमन विक्सल कोंनगाड़ी ने ठेठईटांगर पंचायत मुख्यालय में कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया. जेएसएलपीएस की छात्राओं ने पारंपरिक नृत्य एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया. उपायुक्त ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की पहल का उद्देश्य योजनाओं और प्रमाण-पत्रों को सीधे गांव-गांव तक पहुंचाना है. उन्होंने बताया कि 21 से 28 नवंबर तक पूरे जिले में शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं का त्वरित निष्पादन किया जाएगा. उन्होंने छात्राओं को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, विकलांगजन ट्राई-साइकिल योजना और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी भी दी.

रातू में छात्र अनमोल लापता, परिवार ने मांगी मदद

रातू। रातू के इतवार बाजारटांड निवासी और कमडे स्थित श्रद्धानंद बाल विकास विद्यालय के छात्र अनमोल शर्मा (19 वर्ष) लापता हैं. अनमोल शुक्रवार को स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वह स्कूल नहीं पहुंचे और शाम तक घर भी वापस नहीं लौटे. उनके पिता सूरज शर्मा ने रातू थाना में शिकायत दर्ज कराई है और बताया कि उनका पुत्र अचानक गायब हो गया है. उन्होंने स्थानीय लोगों और जनता से अपील की है कि अगर किसी को अनमोल शर्मा के बारे में कोई भी जानकारी मिलती है तो कृपया तुरंत सूचित करें. सूचना देने के लिए परिवार ने दो संपर्क नंबर साझा किए हैं: 9234 41 1423 और 91 2261 3422. पुलिस भी इस मामले की जांच कर रही है और आसपास के क्षेत्रों में अनमोल शर्मा की तलाश जारी है. परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है और उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की है ताकि उनका बेटा सुरक्षित लौट सके.

चैंबर आफ कामर्स का वार्षिक आम सभा 10 दिसंबर को

गुमला। चैंबर ऑफ कॉमर्स की 11 वीं व अंतिम मासिक बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 10 दिसंबर को चेंबर आफ कामर्स का वार्षिक आम सभा आयोजित करने तथा आम सभा में अगले सत्र के चुनाव की तिथि निर्धारित करने का निर्णय लिया गया. बैठक की अध्यक्षता चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह ने की. गुरुवार की शाम बस स्टैंड स्थित चेंबर कार्यालय में हुई बैठक में सचिव बबलू वर्मा ने पूर्व के बैठक की संपुष्टि की गई और पिछले माह हुए कार्यों की जानकारी दी. बैठक में आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसम्मति से पारित कर लिया गया. कहा कि तत्कालीन सत्र अब समाप्ति की ओर से हैं वार्षिक आम सभा में चुनाव की तिथि तय की जाएगी. क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी और निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने अध्यक्ष राजेश सिंह के बेहतर कार्यकाल के लिए बधाई दी. वरीय उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल ने भी अध्यक्ष राजेश सिंह के कार्यों की प्रशंसा की. चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि अगले सप्ताह राज्य कर्मचारी बीमा आयोग द्वारा चेंबर के सहयोग से कैंप लगाया जाएगा. वैसे व्यापारी अपेक्षित हैं जिनके प्रतिष्ठान में 10 से ऊपर मजदूर काम करते हैं. उपाध्यक्ष राजेश लोहानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया. बैठक में चे सह सचिव प्रणय साहू कोषाध्यक्ष अमित गोलू,पी आर ओ आदित्य गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा पूर्व अध्यक्ष पदम साबू, हिमांशु केशरी, दिनेश अग्रवाल और कार्यकारिणी के मुनीलाल साहू, राहुल केशरी, विकास सिंह, संदीप कुमार दिनेश प्रसाद नीरज गुप्ता, रितेश कुमार, राजू श्रीवास्तव, शेखर अग्रवाल पंकज खंडेलवाल, दीपक अग्रवाल,पंकज सोनी शाहनवाज़ आदि उपस्थित थे.

एक नजर

प्रोटीन सामग्री के दुकान का हुआ उदघाटन

गुमला। पालकोट रोड हिंदुस्तान होटल गली में रौनक अपार्टमेंट में शुक्रवार को प्रोटीन सामग्री दुकान का उदघाटन अनिल कुमार गुप्ता और किरण गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. दुकान संचालक विशाल गुप्ता ने शुक्रवार को दिन में दुकान की पूजा की और शाम में जिम के शिक्षकों एवं अपने मित्रों की उपस्थिति में दुकान का उदघाटन कराया. कहा कि अब गुमला में भी जिमखाना की संख्या बढ़ रही है. जिम में वर्क आउट करने वालों की संख्या बढ़ रही है. ऐसे में वर्क आउट करने वाले युवाओं को पोषाहर एक ही छत के नीचे मिले उसके लिए यह दुकान खोला गया है.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 112 आवेदन का समाधान

राहे। प्रखंड प्रशासन द्वारा आयोजित "सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत राहे पंचायत में 208 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 112 आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया. अधिकारियों ने पंचायतवासियों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और लाभ प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराया. कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि घर-घर जाकर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है और लोगों से आग्रह किया कि वे इस कार्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक उठाएं. विधायक अमित महतो ने कहा कि यह पहल सरकार की योजनाओं को अंतिम पायदान तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और लोग इसे अपनाकर सीधे लाभ प्राप्त कर सकते हैं.

भाजपा मंडल महामंत्री रोहित के पिता का निधन

सिमडेगा/कोलेबिरा। भारतीय जनता पार्टी कोलेबिरा मंडल के महामंत्री रोहित साहू के पिता स्वर्गीय बउधर साहू का रिम्स हॉस्पिटल, रांची में उपचार के दौरान निधन हो गया. उनके निधन की खबर मिलते ही भाजपा नेता एवं कोलेबिरा विधानसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी सुजान मुंडा बरसलोया गांव पहुंचे और अंतिम संस्कार में शामिल होकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी. सुजान मुंडा ने परिवार के सदस्यों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा भाजपा परिवार साहू परिवार के साथ खड़ा है. उन्होंने स्व. बउधर साहू के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की.

रैंसियां पंचायत में सेवा का अधिकार सप्ताह शुरू

सिमडेगा। कोलेबिरा प्रखंड के रैंसियां पंचायत में शुक्रवार को सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया. दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग मुख्य अतिथि थीं. उन्होंने ग्रामीण स्तर पर योजनाओं को तेजी से पहुँचाने और लाभ सीधे जनता तक पहुँचाने की सरकार की मंशा पर जोर दिया. कार्यक्रम में बीडीओ वीरेंद्र किंडो और सीओ अनुप कच्छप ने बताया कि अब ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं के लिए प्रखंड या जिला कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, अधिकांश सेवाएं पंचायत स्तर पर उपलब्ध होंगी. शिविर में जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र वितरित किए गए और कल्याण विभाग ने छात्र-छात्राओं को साइकिल भी प्रदान की.

थ्रेसर मशीन में फंसने से युवक का हाथ जख्मी

गुमला। सुरसांग थाना क्षेत्र के लंका लोरंगा गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ. 26 वर्षीय युवक मीरास लकड़ा धान मिसाई करने के दौरान थ्रेसर मशीन के साथ फंस गए. घटना लगभग सुबह 10 बजे हुई, जब उनका हाथ मशीन में घुस गया. इसके परिणामस्वरूप युवक की हथेली गंभीर रूप से जख्मी हो गई और उंगली कट गई. परिजन आनन-फानन में उसे गुमला सदर अस्पताल ले गए. वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज के लिए युवक को रिम्स रेफर कर दिया. पुलिस ने बताया कि यह एक सामान्य दुर्घटना थी.

पुरुष नसबंदी अभियानः जागरूकता रथ रवाना

गुमला। शुक्रवार को गुमला सदर अस्पताल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड सरकार के निर्देशानुसार और जिला स्वास्थ्य समिति, गुमला के आयोजन में पुरुष नसबंदी अभियान 2025 के तहत जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. शंभू चौधरी उपस्थित थे. सिविल सर्जन डॉ. चौधरी ने बताया कि पुरुष नसबंदी पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे किसी प्रकार का शारीरिक नुकसान नहीं होता. उन्होंने कहा कि समाज में इस संबंध में कई भ्रांतियां हैं, जैसे कि शरीर कमजोर होना, लेकिन यह पूरी तरह गलत धारणा है.

रातू में पोषक आहार किट का किया गया वितरण

रातू। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आरएचआईवी.एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के तत्वाधान में शनिवार को टीबी से पीड़ित 47 मरीजों को पोषक आहार किट वितरित किया गया. इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों एवं आम जनता को टीबी रोग से बचाव, इसके लक्षण और उपचार के बारे में जागरूक किया. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य केंद्र के ओ.पी.डी. में टीबी की निशुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा की जानकारी भी दी गई. इससे मरीजों को मदद मिली कि उन्हें उचित और समय पर इलाज मिल सके. कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुजीत कुमार कश्यप, डॉ. मधुरिमा, बीपीएम वैशाली कृष्ण, यशवंत कुमार, अमित कुमार, प्रकाश गोप, राजीव रंजन, संजय कुमार, संधीर, प्रवीण, अजीत सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी और सहिया उपस्थित थे. उन्होंने मरीजों के साथ संवाद कर उन्हें टीबी के प्रति जागरूक किया.

योजना सेवा का अधिकार सप्ताह: "सर्वजन की सरकार आपके द्वार" अभियान का शुभारंभ

आवेदनों का ऑन-द-स्पॉट किया गया पंजीकरण

शुभम संदेश। गुमला

झारखंड रजत पर्व के अवसर पर जिले में इस वर्ष "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" कार्यक्रम को सेवा का अधिकार सप्ताह के रूप में आयोजित किया गया. यह अभियान 21 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक जिले के सभी प्रखंडों में चलाया जाएगा. इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सरकारी सेवाएं सरल, त्वरित और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है.

शुक्रवार को जिले के सभी 12 प्रखंडों और नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों तथा वार्डों में शिविरों का सफल आयोजन किया गया. इन शिविरों के माध्यम से जनता को सरकारी सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई और आवेदनों का ऑन-दि-स्पॉट पंजीकरण किया गया. साथ ही, प्राप्त शिकायतों का मौके पर ही निवारण कर, समाधान की प्रतियां और आवेदकों की फोटो पोर्टल पर अपलोड की गई. इस अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड, दाखिल-खारिज के कार्य, भूमि मापी, भूमि धारण प्रमाण पत्र तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन से संबंधित आवेदन प्राथमिकता के आधार पर निपटाए जा रहे हैं. सेवा का अधिकार सप्ताह झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 के तहत चलाया जा रहा है, ताकि हर नागरिक तक उनके अधिकारिक सेवाएं समयबद्ध और सुगम तरीके से पहुंचें.

शिविरों में ग्रामीण और शहरी नागरिकों की उच्च भागीदारी देखी गई. लोगों ने अपने विभिन्न प्रमाण-पत्रों और सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत किए. इस पहल के माध्यम से जनता और सरकार के बीच की दूरी कम करने पर जोर दिया गया है. अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मकसद केवल आवेदन लेना नहीं है, बल्कि लोगों को सरकारी प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक करना और समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करना भी है. गुमला जिले में यह कार्यक्रम सरकार की जन-उन्मुख नीतियों और सेवाओं की प्रभावशीलता को जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है. सेवा का अधिकार सप्ताह केवल दस्तावेज़ वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें समस्याओं केसमाधान करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. इसके सफल आयोजन से यह संदेश जाता है कि सरकार की प्राथमिकता हर नागरिक तक उनके अधिकारों और सेवाओं को पारदर्शी व सरल तरीके से पहुंचाना है.

झारखंड राज्य लोहरदगा ओपन एथलेटिक मीट का आयोजन, हीरक जयंती में कार्यक्रम

शुभम संदेश। लोहरदगा

लोहरदगा जिला एथलेटिक एसोसिएशन की बैठक रॉय साहब बलदेव साहू एवं शिव प्रसाद साहू स्मृति भवन में संगठन सचिव संजय कुमार साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में कार्यकारी जिला सचिव किशोर कुमार वर्मा ने पिछले वर्ष की गतिविधियाँ और पिछली बैठक की करवाई पढ़कर सदस्यों को अवगत कराया. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 1951 से 2026 तक 75 वर्ष की हीरक जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय ओपन एथलेटिक मीट का भव्य और शानदार आयोजन किया जाएगा तथा पुराने सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा. बजट पारित कर विभिन्न समितियों के संयोजक और सदस्य नियुक्त किए गए. खेल मैदान निर्माण, भोजन, पुरस्कार क्रय, प्रमाण पत्र, बच्चों के ठहराव और समापन कार्यक्रम की जिम्मेदारियां अलग-अलग सदस्यों को सौंपी गईं. समारोह में मुख्यमंत्री या राज्य मंत्री को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी पूर्व सांसद और जिला अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू को दी गई. बच्चों के लिए भेष बदल प्रतियोगिता, जलेबी रेस और रस्सा खींच प्रतियोगिता कार्यक्रम का आकर्षण होंगी. बैठक के बाद जिला संगठन सचिव संजय कुमार साहू और कार्यकारी सचिव किशोर कुमार वर्मा ने उपायुक्त डॉ. कुमार ताराचंद एवं पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिज़वी से शिष्टाचार मुलाकात कर 68वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक मीट की जानकारी दी. डीसी ने मेराथन और साइकिल रेस पेसरार से प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा.

मंथन

नीतीश कैबिनेट में सभी जातियों को मिली जगह

नीतीश कुमार की नई बिहार सरकार के मंत्रिमंडल को सामाजिक व जातिगत संतुलन का खास ध्यान रखते हुए बनाया गया है. कुल 26 मंत्रियों को शामिल कर उनकी टीम को इस तरह से आकार दिया गया है कि सभी प्रमुख जातियों और समुदायों को प्रतिनिधित्व मिले. कैबिनेट में उच्च जातियों (अपर जाति) के 11 मंत्री हैं-जिनमें राजपूत, भूमिहार, ब्राह्मण और कायस्थ समुदायों का समावेश है. ओबीसी (अन्य पिछड़ी जातियाँ) से 10 मंत्री हैं, जैसे कोएरी-कुशवाहा, कुर्मी, वैश्य और यादव. बहुचर्चित पिछड़ी (ईबीसी) और अति-पिछड़ी जातियाँ भी मंत्रिमंडल में अच्छी हिस्सेदारी पा रही हैं. इस समूह में मल्लाह, टेली, नोनिया, धनुक जैसी जातियों के प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं. दलितों (एससी) की भी मजबूत मौजूदगी है, जिनमें पासवान, रविदास, पासी और महादलित समुदायों के नेता शामिल हैं. इसके अलावा, एक मुस्लिम मंत्री भी केंद्रीय टीम में है. इस तरह, नीतीश की नई कैबिनेट में केवल एक या दो जातियों का ही वर्चस्व नहीं दिखता, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व ने जातिगत विविधता को प्राथमिकता दी है. यह कदम सामाजिक समावेशन की उम्मीद जगाता है और यह संदेश देता है कि सरकार बनाने में हर समुदाय को आवाज देने का इरादा है.

नजरिया

प्रेमाश्रय का निरीक्षण यानी संरक्षणात्मक सुधारों के संकेत

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान ने एक औचक निरीक्षण कर राज्य न्यायप्रणाली में अनुशासन, देखभाल और संस्थागत जिम्मेदारी की ताज़ा तस्वीर पेश की है. यह निरीक्षण कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करता है. सबसे पहले, चौहान ने राजधानी रांची में रह रही नाबालिग लड़कियों के लिए बनाए गए प्रेमाश्रय का अचानक दौरा किया. इस घर में रखी गई बच्चियों की सुरक्षा, सहारा, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता और उनके मनोवैज्ञानिक कल्याण जैसी स्थितियों का उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन किया. उनकी मुलाकात बच्चियों से एक-एक करके हुई, जिसमें उन्होंने उनकी शिकायतें, जीवन की कठिनाइयां और घर वापसी की संभावनाओं पर खुलकर चर्चा की. इसके बाद उन्होंने डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (डीएलएसए) को निर्देश दिया कि एक महिला अधिकारी टीम बनाए ताकि वह निरंतर इन बच्चियों के साथ संपर्क बनाए रखें. चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि उन लड़कियों के लिए, जिनके माता-पिता अनुपस्थित हैं या उन्हें वापिस भेजना मुश्किल हो, फॉस्टर केयर या अन्य उपयुक्त विकल्पों पर त्वरित कदम उठाया जाना चाहिए. इसके अतिरिक्त, उन्होंने रांची सिविल कोर्ट में भी सुबह-सुबह निरीक्षण किया. कोर्ट की साफ-सफाई और व्यवस्था का जायजा लिया गया, और न्यायालय कर्मचारियों से सीधे संवाद किया गया. बार एसो. ने उनके इस अचानक आने पर नाराजगी जताई, क्योंकि उन्हें पूर्व सूचना नहीं दी गई थी. इसके अलावा, चौहान ने चाईबासा व्यवहार न्यायालय का दौरा किया, जहां उन्होंने साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं की जांच की. इस तरह के निरीक्षण यह स्पष्ट करते हैं कि चीफ जस्टिस न्यायपालिका में सिर्फ़ कानूनी मामलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देखभाल, सामाजिक कल्याण और संस्थागत जवाबदेही को भी बराबर मायने देते हैं. उनके ये कदम व्यापक सार्वजनिक विश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ संरचनात्मक सुधारों की दिशा में संकेत भी देते हैं.

सदन की मर्यादा जनप्रतिनिधि रख सकते हैं

विजय केसरी

झारखंड विधानसभा अपनी गौरवपूर्ण यात्रा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है. यह अवसर न केवल प्रांत की राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक है, बल्कि इस बात का भी द्योतक है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और सक्रियता ही किसी राज्य के विकास की आधारशिला होती है. ठीक सात दिन पूर्व झारखंड राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर राज्यभर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रदेश के विकास से जुड़ी कई नई योजनाओं की घोषणा की. किंतु इन सबके केंद्र में जो संस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है, वह है झारखंड विधानसभा, जिसे लोकतंत्र की आत्मा भी कहा जाता है.

विधानसभा; जनता का विश्वास और लोकतंत्र की धुरी : विधानसभा वह मंच है, जहां जनता की आकांक्षाएँ अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से अभिव्यक्त होती हैं. इसलिए सदस्यों का यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि सदन की गरिमा, अनुशासन और मर्यादा को सर्वोच्च महत्व दिया जाए. लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष दोनों ही बराबर के स्तंभ हैं. विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों पर रचनात्मक सुझाव देना और आवश्यकतानुसार आलोचना करना भी है. लेकिन जब बहस की जगह शोर-शराबा, आरोप-प्रत्यारोप और अनर्गल टिप्पणियां ले लेती हैं, तब न केवल सदन का बहुमूल्य समय नष्ट होता है, बल्कि निर्णय प्रक्रिया भी प्रभावित होती है—जिसका प्रतिकूल परिणाम सीधा जनता तक पहुंचता है. इसलिए यह अनिवार्य है कि हर सदस्य गंभीरता, सहिष्णुता और संयम के साथ सदन की कार्यवाही में भाग ले.

झारखंड विधानसभा की स्थापना; एक ऐतिहासिक क्षण : झारखंड राज्य का गठन 15 नवंबर 2000 को हुआ और इसके बाद 22 नवंबर 2000 को पहली झारखंड विधानसभा अस्तित्व में आयी. बिहार विधानसभा चुनाव 2000 में निर्वाचित वे विधायक, जिनके क्षेत्र झारखंड में आए, स्वतः पहली झारखंड विधानसभा के सदस्य बने. यह विधानसभा त्रिशंकु थी और किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं हुआ था. इंदर सिंह नामधारी इस नवगठित विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष बने. आज झारखंड विधानसभा एक अत्याधुनिक, विशाल और आकर्षक नवनिर्मित भवन में संचालित होती है, जो राज्य की नई पहचान बन चुका है.

उत्कृष्ट विधायक सम्मान; एक प्रेरक परंपरा : झारखंड विधानसभा अपनी स्थापना के प्रथम वर्ष से ही हर वर्ष एक विधायक को 'बिरसा मुंडा स्मृति उत्कृष्ट विधायक सम्मान' या उत्कृष्ट विधायक सम्मान प्रदान करती आ रही है. यह परंपरा न केवल विधायकों को बेहतर कार्य और स्वस्थ आचरण के लिए प्रेरित करती है, बल्कि सदन में एक सकारात्मक वातावरण भी तैयार करती है. अब तक सम्मान पाने वाले विधायकों की सूची इस प्रकार रही है- विश्वेश्वर खां, हेमलाल मुर्मू, राजेंद्र प्रसाद सिंह, लोकनाथ महतो, अन्नपूर्णा देवी, राधा कृष्ण किशोर, पशुपति नाथ सिंह, इंदर सिंह नामधारी, जनार्दन पासवान, रघुवर दास, लोबिन हेंब्रम, प्रदीप प्रसाद, स्टीफन मरांडी, विमला प्रधान, मेनका सरदार, नलिन सोरेन, रामचंद्र चंद्रवंशी, विनोद कुमार और रामचंद्र सिंह. इसके साथ ही हर वर्ष कपिलेश्वर प्रसाद स्मृति उत्कृष्ट विधानकर्मी सम्मान और उत्कृष्ट लोक सेवक सम्मान भी दिया जाता है.

राज सिन्हा-इस वर्ष के उत्कृष्ट विधायक : इस वर्ष उत्कृष्ट विधायक सम्मान के लिए धनबाद विधायक राज सिन्हा का चयन किया गया है. वे लगातार तीन बार धनबाद सीट से विजयी होकर विधानसभा पहुंचे हैं. 2014 में उन्होंने कांग्रेस नेता मन्नान मलिक को पचास हजार से अधिक मतों से हराया. 2019 में एक बार फिर मलिक को तीस हजार से अधिक मतों से पराजित किया. 2024 में तीसरी बार भाजपा ने उन पर भरोसा जताया और उन्होंने विश्वास बनाए रखते हुए जीत की हैट्रिक पूरी की. राज सिन्हा न केवल एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में स्थापित हुए हैं, बल्कि सदन में भी उनके शांत, संतुलित और गंभीर व्यवहार को सराहा जाता है. वे विवादों से दूर रहते हुए नीतिगत बहस पर अधिक ध्यान देते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी विशिष्टता है.

उत्कृष्ट विधायक चयन प्रक्रिया : उत्कृष्ट विधायक का चयन एक सुविचारित प्रक्रिया से होता है. 19 नवंबर को विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में चयन समिति की बैठक हुई. बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे. सर्वसम्मति से राज सिन्हा को चयनित किया गया. स्थापना दिवस पर संतोष कुमार सिंह, नीलम कुजूर, मोहम्मद शाहिद, राकेश कुमार सिंह, मंतूराम और रविंद्र पाल सहित कई अधिकारी और कर्मियों को भी सम्मानित किया जाएगा. साथ ही पत्रकारों में से भी एक व्यक्ति को सम्मान देने का प्रावधान रखा गया है.

सदन की गरिमा, हर सदस्य की सामूहिक जिम्मेदारी : 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड विधानसभा के सभी सदस्यों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे—सदन की संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करेंगे, व्यक्तिगत टिप्पणियों और अनर्गल बयानों से दूर रहेंगे, जनता से जुड़े मुद्दों को पूरी मजबूती व गंभीरता के साथ उठाएंगे, सदन का वातावरण सकारात्मक, गरिमामय और कार्यशील बनाए रखेंगे, जनता अपने प्रतिनिधियों को न केवल अपनी आवाज बनने के लिए चुनती है, बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी सौंपती है. राजनीति का मूल उद्देश्य जनसेवा होना चाहिए, न कि केवल सत्ता प्राप्त करना. इसलिए आवश्यक है कि मतदाता भी धर्म-जाति से ऊपर उठकर ऐसे जनप्रतिनिधियों को चुनें, जो ईमानदारी, संवेदनशीलता और विकास के संकल्प के साथ कार्य करें.

झारखंड विधानसभा की रजत जयंती इस अवसर का संदेश यही है—लोकतंत्र की प्रतिष्ठा तभी कायम रहेगी, जब सदन की मर्यादा सबसे ऊपर रखी जाएगी.

आज का इतिहास

1920 – 'हकीम अजमल ख़ान जामिया' के पहले चांसलर बने.
1963 – डलास (टेक्सास) में सं.रा. अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ़, केनेडी की हत्या.
1968 – मद्रास राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने के प्रस्ताव को लोकसभा से स्वीकृति मिली.
1971 – भारत-पाकिस्तान ने एक दूसरे की हवाई सीमाओं का उल्लंघन किया और दोनों देशों के बीच हवाई संघर्ष शुरू हुआ.
1975 – जुआन कार्लोस स्पेन के राजा बने.
1990 – ब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर द्वारा त्यागपत्र की घोषणा.
1997 – भारत की डायना हेडेन विश्व सुंदरी बनी.
1998 – बांग्लादेश की विवादास्पद लेखिका तस्लीमा नसरीन ने ढाका की अदालत में आत्मसमर्पण किया.

चिंतन

हनुमान जी ने साहस दिखाया, समुद्र किया पार

सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला सार्थक एक मेहनती और काबिल बच्चा था. उसके स्कूल में तैराकी (स्विमिंग) की प्रतियोगिता होने वाली थी. सार्थक भी प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता था, पर उसे तैरना बहुत मुश्किल लगता था. उसे लगता था कि वह एक अच्छा तैराक कभी नहीं बन पाएगा. उसकी क्लास के सभी बच्चे पूल में तैरने का अभ्यास कर रहे थे और वह चुपचाप खड़ा उन्हें देख रहा था. तभी अचानक पानी में एक व्हर्लपूल बना और सार्थक का दोस्त नचिकेता वहाँ आ गया. सार्थक आओ तैरते हैं, मज़ा आएगा! नचिकेता ने सार्थक को पूल में बुलाते हुए कहा. सार्थक बोला, नचिकेता तुम तो जानते ही हो कि मेरे लिए तैरना कितना मुश्किल है, मेरी साँस फूल जाती है और मैं बहुत जल्दी थक जाता हूँ. नचिकेता उछल कर पानी से बाहर आया और बोला, "तुम्हें पता है मैं भी पहले तैरने से बहुत डरता था पर फिर मैंने हनुमानजी की एक कहानी सुनी जिससे मुझमें बहुत हिम्मत आई. चलो मैं तुम्हें भी वो कहानी सुनाता हूँ. एक बार हनुमानजी अपने मित्रों के साथ भगवान श्री राम की पत्नी सीता माता की खोज पर निकले, जिन्हें लंका का राजा रावण उठाकर ले गया था. लंका नगरी समुद्र-पार थी. हनुमानजी और उनके दोस्तों के सामने एक बड़ी समस्या थी, इतने विशाल समुद्र को कैसे पार किया जाए. हनुमानजी के मित्र जामवंत उनसे बोले, तुम इस विशाल समुद्र को आसानी से पार कर सकते हो. जामवंत की बात सुनकर हनुमानजी हैरान हो गए और बोले, यह आप क्या कह रहे हैं! भला मुझ जैसा छोटा-सा वानर इतने विशाल समुद्र को कैसे पार कर सकता है." जामवंत मुस्कुराए और बोले, "तुम खुद को छोटा और कमज़ोर मत समझो, हनुमान. तुम बहुत शक्तिशाली हो. तुम्हें कई देवी-देवताओं से शक्तियाँ मिली हुई हैं, जिनके बारे में तुम भूल चुके हो. तुम बचपन में बहुत नटखट थे और अपनी शक्तियों से ऋषियों को परेशान किया करते थे. इसलिए एक ऋषि ने क्रोध में आकर तुम्हें श्राप दिया कि तुम अपनी सारी शक्तियाँ भूल जाओगे, पर किसी के याद दिलाने पर तुम्हें वो याद आ जाएँगी. जामवंत ने हनुमान को उनकी शक्तियाँ याद दिलाई. शक्तियाँ याद आते ही हनुमानजी ने श्रीराम का नाम लेकर उड़ान भरी और समुद्र पार कर लंका पहुँच गए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #Ashes2025 20K
2. #GlobalIndologyConclave
3. #winOPPOFindX9Pro 18K
4. #OPPOFindX9Series 18K
5. #earthquake
6. Starc 36K
7. Pratika Rawal At Invertis
8. Namjoon 37K
9. B. 7500mAh
10. England 104K

बहुरंग

'सिंगल पापा' में कुणाल का नया अवतार

बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू की बहुचर्चित आगामी सीरीज 'सिंगल पापा' का ऐलान हाल ही में किया गया था. अब दर्शकों के उत्साह को और बढ़ाते हुए निर्माताओं ने इसके पहले टीजर से पर्दा उठा दिया है. टीजर से साफ है कि यह सीरीज मनोरंजन, इमोशन और हल्के-फुल्के ड्रामा का तड़का लगाकर दर्शकों को एक मजेदार सफर पर ले जाने वाली है. जैसा कि पहले बताया गया था, इस सीरीज में कुणाल न सिर्फ अभिनेता की भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि निर्देशक के तौर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं. टीजर की शुरुआत कुणाल खेमू के किरदार गौरव गहलोत से होती है, जिनकी जिंदगी उस वक्त अचानक करवट लेती है जब उन्हें अपनी ही कार में एक अनजान छोटा बच्चा मिलता है. बच्चे को घर ले जाना, उसकी देखभाल, और फिर परिवार के भीतर खड़े होने वाले सवाल, इन सबके बीच गहलोत परिवार में शुरू हो जाता है एक दिलचस्प मिशन, ₹इस बच्चे की असली पहचान पता लगाओ! टीजर में हल्की-फुल्की कॉमेडी, पारिवारिक तकरारें और इमोशनल मोमेंट्स का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है, जो यह संकेत देता है कि 'सिंगल पापा' एक ऐसा शो होगा जिसमें हंसी भी होगी और दिल को छू लेने वाले पल भी. कुणाल खेमू के अलावा सीरीज में प्राजक्ता कोली, मनोज पाहवा, आयशा रज़ा जैसे मजबूत कलाकार नजर आएंगे, जो कहानी में अपनी-अपनी भूमिकाओं से और भी रंग भरते दिखेंगे. 'सिंगल पापा' 12 दिसंबर 2025 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है.

नैनीताल में फिल्म 'दो दिल' की डेढ़ माह की शूटिंग पूरी

सुप्रसिद्ध अभिनेत्री दीया मिर्जा और अभिनेता राहुल भट्ट अभिनीत फिल्म 'दो दिल' की लगभग डेढ़ माह तक नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में चली शूटिंग का समापन हो गया है. अंतिम दिन नैनी झील में दिया मिर्जा पर नौकायन के दृश्य फिल्माये गये. इसके अतिरिक्त फिल्म में नगर की ठंडी रोड, मल्लीताल की बड़ा व खड़ी बाजार, अंडा मार्केट, सुख निवास, चाट पार्क, रोपवे केबिल कार, मॉल रोड तथा रूसी बाइपास के साथ भवाली के निकटवर्ती चांफी गांव एवं भवाली-रामगढ़ मार्ग स्थित हिमालाइका एस्टेट में शूटिंग हुई. हिमालाइका एस्टेट को फिल्म में दिया मिर्जा के घर के रूप में दिखाया गया और यहां लगभग एक सप्ताह तक शूटिंग हुई.

शेड्यूल को पूरा किया. फिल्म के रचनात्मक स्वरूप के अनुरूप एस्टेट की अनूठी बनावट, प्राकृतिक परिवेश और आंतरिक सज्जा के कारण इसे प्रमुख लोकेशन के रूप में चुना गया था. फिल्म में नगर के चारु तिवारी, संतोख बिष्ट,

कौशल साह जगाती, उमेश तिवारी 'विश्वास', दिनेश पांडे और अमेरिकन किड्ज स्कूल के दो बच्चे लक्ष्या व नवांग मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे.

धनुष संग काम के अनुभव पर बोलीं कृति सेनन

धनुष एक शानदार अभिनेता हैं

ए.आर. रहमान का म्यूज़िकल एल्बम 'तेरे इश्क में' इन दिनों लगातार ट्रेंड कर रहा है और ट्रेलर को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद फिल्म के प्रति दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है. धनुष और कृति सेनन की नई जोड़ी को लेकर फैन्स बेहद रोमांचित हैं और रिलीज़ से पहले ही उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री फिल्म की बड़ी यूएसपी बनकर उभर रही है. इसी चर्चा के बीच कृति सेनन ने धनुष के साथ काम के अपने अनुभव पर खुलकर बात की. धनुष संग पहली बार काम को लेकर कृति ने कहा, धनुष एक शानदार अभिनेता हैं. मैं हमेशा से उनके टैलेंट और उनके क्राफ्ट की प्रशंसक रही हूं. अपने किरदारों पर उनकी पकड़ बेहद मजबूत है.

उन्होंने न सिर्फ अभिनय किया है बल्कि कई फिल्मों का निर्देशन भी किया है, इसलिए वह सीन के क्रिएशन और स्क्रीन पर उसकी प्रस्तुति को बहुत गहराई से समझते हैं. वो अपने किरदार में कई लेयर जोड़ते हैं, इसलिए उनके साथ काम करने के लिए मैं बहुत उत्साहित थी. मुझे पता था कि वो ऐसे को-एक्टर हैं जिनके साथ रिएक्ट करते हुए मैं अपनी एक्टिंग को और बेहतर कर पाऊंगी, और बिल्कुल ऐसा ही हुआ.₹

वे आगे कहती हैं, फिल्म में कई गहरे और लंबे सीन हैं, जो तभी असरदार बनते हैं जब दोनों कलाकार एक-दूसरे से ऊर्जा लेकर प्रदर्शन करें. धनुष बहुत सहयोगी और सपोर्टिव को-एक्टर हैं.

हमने मिलकर कई सुंदर और जादुई पलों को जन्म दिया, और कई बार सीन खत्म होने के बाद हम एक-दूसरे को देखकर कहते, 'ये वाला सच में बहुत अच्छा था!' उनके साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा और उम्मीद है भविष्य में हम और भी प्रोजेक्ट साथ करेंगे.₹ फिल्म का निर्माण आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने किया है, जबकि भूषण कुमार और कृष्ण कुमार सह-निर्माता हैं. इसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और कहानी हिमांशु शर्मा तथा नीरज यादव ने लिखी है. ए.आर. रहमान के संगीत और इरशाद कामिल के बोलों से सजी यह फिल्म धनुष और कृति सेनन की मुख्य भूमिकाओं में 28 नवंबर 2025 को हिन्दी और तमिल में दुनियाभर में रिलीज़ होगी.

अहान पांडे ने अनीत पड्डा संग रिश्ते की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

'सैयारा' फिल्म के जरिए रातों-रात सुर्खियों में आए अभिनेता अहान पांडे इन दिनों इंटरनेट के सबसे चर्चित चेहरों में शामिल हैं. दिलचस्प बात यह है कि उनकी ऑन-स्क्रीन परफॉर्मेंस से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी चर्चा का विषय बनी रहती है. सोशल मीडिया पर अक्सर कयास लगाए जाते हैं कि अहान अपनी सह-अभिनेत्री अनीत पड्डा को डेट कर रहे हैं. हाल ही में फिल्म निर्माता करण जौहर की प्रतिक्रिया ने इन अफवाहों को और हवा दे दी. अब अहान ने खुद इस रिश्ते की सच्चाई स्पष्ट कर दी है.

हाल ही में दिए इंटरव्यू में अहान ने अनीत के साथ रिश्ते की अफवाहों को खारिज किया और उन्हें सिर्फ अपनी अच्छी दोस्त बताया. अभिनेता ने कहा, ₹अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है. पूरा इंटरनेट यही सोच रहा है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं. केमिस्ट्री हमेशा रोमांटिक नहीं होती. यह सहजता, सुरक्षा और लोगों के नजर आने के बारे में है. हम दोनों ने एक-दूसरे को यह एहसास दिलाया है.₹ अहान ने आगे कहा कि भले ही अनीत उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हैं, लेकिन उनकी दोस्ती कभी भी रोमांटिक रिश्ते में नहीं बदलेगी. दूसरी ओर, हाल ही में एक बातचीत के दौरान करण जौहर ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अभी इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर दोनों भविष्य में डेट करने वाले हों, तो अभी किसी को यह नहीं पता कि ऐसा होगा या नहीं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. शुभांक-1-4-6

वृष : महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें. कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे. किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा. जल्दबाजी में कोई भूल संभव है. कार्य भार बढ़ेगा. स्वविवेक से कार्य करें. कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा. समय व्ययकारी सिद्ध होगा. शुभांक-2-5-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. अच्छे समय इन्तजार करें. कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें. नैतिक दायरे में रहें. शुभांक-3-6-7

कर्क : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें. रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें. शुभांक-4-6-8

सिंह : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा. शुभांक-5-8-9

कन्या : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं. अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे. अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे. निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा. बुरी संगति से बचें. सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है. शुभांक-4-7-9

तुला : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान दें. शांतिपूर्वक कार्य करें. धार्मिक यात्रा का योग हैं. शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी. शुभांक-2-5-9

धनु : संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. शुभांक-4-6-8

मकर : मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. शुभांक-3-5-7

कुंभ : स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. शुभांक-6-9-9

मीन : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-3-6-7

क्या रोजाना दे सकते हैं चंद्रमा को अर्घ्य?

सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर।

हिन्दू धर्म में अर्घ्य देना पूजा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है। सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। मुख्य रूप से सूर्य अर्घ्य को सबसे ज्यादा फलदायी और शुभ माना जाता है। इसके अलावा, चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर। वहीं, कई लोग रोजाना चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सूर्य अर्घ्य की तरह ही रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देना सही है या गलत और क्या है इसके पीछे का तर्क।

रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देने से क्या होगा?

- पौराणिक कथा के अनुसार, चंद्रमा कलंकित हैं क्योंकि उन्हें श्री गणेश का श्राप मिला हुआ है जिसके आधार पर कोई भी व्यक्ति चंद्रमा की पूजा करता है तो उसके घर से सुख-समृद्धि चली जाएगी और कलंक भी लगेगा।
- वैसे तो श्राप के अनुसार किसी भी माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन चंद्रमा पूजन की मनाही है लेकिन रोजाना भी शास्त्रों में चंद्रमा की आराधना करना वर्जित माना गया है। अर्घ्य देना भी निषेध है।
- शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि कुछ प्रमुख तिथियों के अलावा जो पूजा-पाठ सूर्यास्त के बाद किया जाता है वह सात्विक नहीं बल्कि तांत्रिक श्रेणी में आता है।
चंद्रमा को अर्घ्य भी रात के समय ही दिया जाता है।
- ऐसे में चंद्रमा को रोजाना रात में अर्घ्य देना पूजा-पाठ में दोष उत्पन्न करेगा और घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी बढ़ेगा। साथ ही, चंद्रमा की स्थिति भी कुंडली में मजबूत होने के बजाय कमजोर होती चली जाएगी।
- चंद्रमा को अर्घ्यदान या चंद्रमा की पूजा करवा चौथ या अहोई अष्टमी जैसे व्रतों के दौरान ही शुभ मानी गई है। इसके अलावा, पूर्णिमा तिथि पर भी चंद्रमा को अर्घ्य दे सकते हैं। इस तिथि पर चंद्र अर्घ्य से घर में शुभता आती है।

क्या है खाटू श्याम का इतिहास

पहले हो गई मृत्यु, फिर बने भगवान

खाटू श्याम जी, जिन्हें हारे का सहारा और तीन बाण धारी के नाम से भी जाना जाता है, भगवान श्रीकृष्ण के कलयुग अवतार माने जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर कब और कैसे सृष्टि में शुरू हुई थी खाटू श्याम बाबा की पूजा।

बर्बरीक का जन्म और आरंभ का जीवन

खाटू श्याम जी का मूल नाम बर्बरीक था। वे पांडु पुत्र भीम और नाग कन्या हिडिम्बा के पौत्र थे। उनके पिता का नाम घटोत्कच था, जो अपनी मायावी शक्तियों के लिए जाने जाते थे। बर्बरीक बचपन से ही बहुत शक्तिशाली और वीर थे। उन्होंने अपनी माता मोरवी से युद्ध कला और भगवान शिव से अनेक अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया था। भगवान शिव ने उन्हें तीन ऐसे दिव्य बाण प्रदान किए थे, जिनसे वे तीनों लोकों को जीत सकते थे। इन बाणों की विशेषता यह थी कि वे एक ही बाण से किसी भी लक्ष्य को चिह्नित कर सकते थे, दूसरे बाण से उसे नष्ट कर सकते थे, और तीसरे बाण से उसे वापस अपने पास बुला सकते थे। इसी कारण उन्हें तीन बाण धारी भी कहा जाता है।

महाभारत युद्ध में बर्बरीक का प्रवेश

जब महाभारत का युद्ध निश्चित हुआ, तो बर्बरीक को भी अपनी वीरता दिखाने का अवसर मिला। वे अपनी माता मोरवी से आशीर्वाद लेकर युद्ध में शामिल होने के लिए निकल पड़े। उन्होंने अपनी माता को वचन दिया था कि वे युद्ध में हमेशा उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा। युद्धभूमि की ओर जाते हुए, बर्बरीक एक पीपल के पेड़ के नीचे बैठे भगवान श्रीकृष्ण से मिले, जो ब्राह्मण वेश में थे। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की वीरता का परीक्षण करने के लिए उनसे पूछा कि वे किस पक्ष से युद्ध लड़ेंगे। बर्बरीक ने अपनी माता को दिए वचन के अनुसार कहा कि वे उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा।

श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की शक्तियों को जानते हुए सोचा कि यदि बर्बरीक ने यह वचन निभाया, तो युद्ध का परिणाम बदल सकता है। उन्होंने बर्बरीक से कहा कि यदि वे इतने शक्तिशाली हैं, तो क्या वे एक ही बाण से इस पीपल के पेड़ के सभी पत्तों को भेद सकते हैं? बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने एक बाण से पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया। एक पत्ता श्रीकृष्ण के पैर के नीचे छिपा हुआ था, जिसे भेदने के लिए बाण उनके पैर के पास रुका। यह देखकर श्रीकृष्ण को बर्बरीक की शक्ति और वचनबद्धता पर पूरा विश्वास हो गया।

शीश का दान और वरदान

श्रीकृष्ण ने तब बर्बरीक को अपने वास्तविक रूप में दर्शन दिए और उन्हें बताया कि युद्ध में विजय प्राप्त करने के लिए किसी महान योद्धा के शीश का दान आवश्यक है। उन्होंने बर्बरीक से उनके शीश का दान मांगा। बर्बरीक, जो अपने वचन के पक्के थे, ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपना शीश दान करने की सहमति दे दी। उन्होंने एक अंतिम इच्छा व्यक्त की कि वे महाभारत के पूरे युद्ध को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं।श्रीकृष्ण ने उनकी यह इच्छा पूरी की और उनके शीश को एक ऊँचे स्थान पर स्थापित कर दिया, जहाँ से बर्बरीक ने पूरे युद्ध को देखा। युद्ध समाप्त होने के बाद, पांडवों में यह बहस छिड़ गई कि युद्ध में विजय का श्रेय किसे जाता है। तब श्रीकृष्ण ने बर्बरीक के शीश से पूछा, जिस पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि उन्होंने युद्धभूमि में केवल श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र को शत्रुओं का संहार करते हुए देखा और द्रौपदी को शक्ति रूप में देखा। यह सुनकर सभी पांडव चकित रह गए।

श्रीकृष्ण बर्बरीक के इस महान त्याग और भक्ति से अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने बर्बरीक को वरदान दिया कि कलयुग में वे उनके नाम से पूजे जाएंगे और जो भी भक्त हारे हुए या निराश होंगे, उनका सहारा बनेंगे। श्री कृष्ण ने कहा कि जो भी भक्त उनके नाम का स्मरण करेगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। इसके बाद, बर्बरीक का शीश राजस्थान के खाटू गांव में मिला, जहां एक मंदिर का निर्माण किया गया और वे खाटू श्याम जी के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज भी लाखों भक्त खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए आते हैं और उन्हें हारे का सहारा मानते हैं। उनकी पूजा विशेष रूप से फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी और द्वादशी को की जाती है, जिसे श्याम बाबा का फाल्गुन मेला कहा जाता है।

खाटू श्याम भगवान को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

पिछले कुछ समय से खाटू श्याम भगवान का नाम चारो तरफ छाया हुआ है। यहां तक की सोशल मीडिया पर भी खाटू श्याम के चमत्कार से जुड़े कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं। खाटू श्याम जी का दर्शन करने के लिए न केवल आस-पास के गावों बल्कि देशभर से लोग आते हैं। बता दें कि खाटू श्याम को हारे का सहारा भी कहा जाता है। पर, इसके पीछे की कहानी क्या है इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को है।

कौन हैं खाटू श्याम भगवान?

श्री कृष्ण के कलयुगी अवतार को ही खाटू श्याम के नाम से जाना जाता है। राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम का प्राचीन मंदिर बना है, जहां हर रोज लंबी-लंबी कतारों में लोग दर्शन करने पहुंचते हैं। दरअसल, माना जाता है कि जब पांडव अपनी जान बचाने के लिए वन में गए थे, तो भीम का सामना हिडिंबा से हुआ था। हिडिम्बा के पुत्र का नाम घटोखा रखा और घटोखा के पुत्र का नाम बर्बरीक है, जिन्हें आप आज खाटू श्याम के नाम से जानते हैं।

खाटू श्याम को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

खाटू श्याम भगवान को हारे का सहारा कहा जाता है क्योंकि वो अपनी मां को बोलकर गए थे कि युद्ध में जो भी हारेगा मैं उसके साथ दूंगा। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से कहा था कि एक तीर से पेड़ के सारे पत्ते गिराकर दिखाओ। ऐसा कहकर उन्होंने 1 पत्ता पैर के नीचे दबा लिया। इसके बाद तीर उनके पास आकर घूमने लग गया था। इससे सबको पता चला कि खाटू श्याम कितने शक्तिशाली हैं। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से उनका सिर मांगा था और उसे सबसे ऊपर रखकर युद्ध देखने के लिए कहा था। यही कारण है कि उन्होंने हारे का सहारा कहा जाता है।

गणेश जी ने अपनी ही मां देवी पार्वती को कौन सा वरदान दिया था?

भगवान गणेश जिन्हें विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य माना जाता है माता पार्वती के अत्यंत प्रिय और आज्ञाकारी पुत्र हैं। उनका जन्म माता पार्वती ने अपने शरीर के मैल और दिव्य शक्ति से किया था। मां और पुत्र का यह संबंध अत्यंत पवित्र और अनोखा है और इसमें ममता और भक्ति का गहरा भाव छिपा है। भगवान गणेश ने अपनी मां की आज्ञा का पालन करने के लिए अपना मस्तक भी कटवा दिया था जिसके बाद उन्हें हाथी का सिर लगाकर पुनर्जीवित किया गया और सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूजनीय होने का वरदान मिला। ऐसा कहा जाता है कि माता पार्वती ने श्री गणेश को एक मां के तौर पर सभी प्रकार की शिक्षा प्रदान की और श्री गणेश ने भी एक पुत्र के तौर पर उन सभी शिक्षाओं को ग्रहण किया, लेकिन एक घटना ऐसी भी है जब श्री गणेश ने अपनी मां माता पार्वती को एक वरदान दिया था।

श्री गणेश ने माता पार्वती को क्या वरदान दिया था?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान गणेश ने अपनी माता देवी पार्वती को एक बहुत ही विशेष और महत्वपूर्ण वरदान दिया था। यह वरदान विशेष रूप से संकष्टी चतुर्थी के व्रत से संबंधित है जिसे माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, सुख और समृद्धि के लिए रखती हैं। जब माता पार्वती ने अपने पुत्र गणेश के लिए एक विशेष व्रत और पूजा की थी जिसे आज संकष्टी चतुर्थी के रूप में जाना जाता है, तब गणेश जी अपनी मां की भक्ति और प्रेम से अत्यंत प्रसन्न हुए थे। प्रसन्न होकर भगवान गणेश ने अपनी माता पार्वती को एक अत्यंत दिव्य वरदान दिया।

वरदान अनुसार, संसार की जो भी नारी इस संकष्टी चतुर्थी का व्रत और पूजन पूरी श्रद्धा और सच्चे मन से करेगी उसे श्री गणेश के भांति ही आज्ञाकारी, ज्ञानी, दीर्घायु और यशस्वी संतान की प्राप्ति होगी। साथ ही, माताओं पर हमेशा देवी पार्वती की असीम कृपा भी बनी रहेगी। इस वरदान के माध्यम से गणेश जी ने अपनी मां के मातृत्व सुख को संसार की सभी माताओं तक पहुंचाने का आशीष दिया। यह वरदान न केवल संतान की प्राप्ति के लिए था बल्कि संतान के जीवन के सभी संकटों को हरने वाला भी था क्योंकि गणेश स्वयं विघ्नहर्ता हैं।

इसलिए, आज भी संकष्टी चतुर्थी के दिन माताएं श्री गणेश का व्रत करती हैं ताकि उन्हें और उनकी संतान को गणेश जी जैसा सुख, सौभाग्य और सभी प्रकार के विघ्नों से मुक्ति प्राप्त हो सके। यह वरदान माता पार्वती को पुत्र-प्रेम की पराकाष्ठा के रूप में मिला प्राप्त हुआ था।

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है।

सुख-समृद्धि के लिए घर की रसोई में जरूर करने चाहिए ये काम

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है। ऐसे में अगर घर की रसोई से जुड़े कुछ उपाय किये जाएं तो घर में सुख-समृद्धि आती है और घर में मौजूद नकारात्मकता भी दूर हो जाती है। इसके अलावा, और भी कई लाभ मिलते हैं।

घर की रसोई में करें मां अन्नपूर्णा की स्थापना

घर की रसोई में अनाज रखा जाता है और अनाज को सबसे ज्यादा पवित्र माना गया है। ऐसे में अनाज रखने की जगह पर मां अन्नपूर्णा की फोटो या प्रतिमा स्थापित करने से घर की बरकत हमेशा बनी रहती है और घर की उन्नति होती है।

रसोई को रोजाना धोएं

घर की रसोई को रोजाना पानी से धोना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे घर की रसोई की शुद्धता बनी रहती है। साथ ही, मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी मिलता है और घर की नकारात्मकता नष्ट होती है। सकारात्मकता संचारित होती है।

घर की रसोई की देहलीज रोजाना पूजे

घर की रसोई की दहलीज की रोजाना सुबह और शाम पूजा करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि रसोई की दहलीज में नवग्रहों का वास माना गया है। ऐसे में दहलीज की पूजा करने से नव ग्रह शांत होते हैं और अपनी कृपा घर पर बरसाते हैं।

घर की रसोई में रोजाना कपूर जलाएं

घर की रसोई में रोजाना संध्याकाल के समय कपूर अवश्य जलाना चाहिए। कपूर जलाकर उसका धुआं घर की रसोई में करने से घर का वातावरण पवित्र होता है और अगर रसोई से जुड़ा कोई वास्तु दोष है तो वह भी जल्दी ही दूर हो जाता है।

कुल 194 भारतीय खिलाड़ी बोली प्रक्रिया का हिस्सा होंगे, जिनमें 52 कैप्ड और 142 अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल

277 खिलाड़ियों के बीच 73 स्लॉट के लिए कड़ी टक्कर

एजेंसियां । नई दिल्ली

टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन

महिला प्रीमियर लीग (टाटा डब्ल्यूपीएल) 2026 की प्लेयर ऑक्शन लिस्ट जारी हो चुकी है, और इस बार नीलामी में रोमांच पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है. कुल 277 खिलाड़ी नीलामी में हिस्सा लेने जा रही हैं, जबकि टीमों के पास केवल 73 स्लॉट उपलब्ध हैं. ऐसे में हर फ्रेंचाइजी को रणनीतिक सोच, सटीक चयन और टीम की जरूरतों के मुताबिक खिलाड़ियों को चुनने की चुनौती का सामना करना होगा. नीलामी का आयोजन 27 नवंबर को दिल्ली में होगा, जिसकी शुरुआत शाम 3:30 बजे मार्की सेट से की जाएगी.

भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा: जारी आंकड़ों के अनुसार, नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक है. कुल 194 भारतीय खिलाड़ी बोली प्रक्रिया का हिस्सा होंगी, जिनमें 52 कैप्ड और 142 अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं. भारतीय क्रिकेट में हाल के वर्षों में उभरी नई प्रतिभाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का यह मिश्रण नीलामी को और भी दिलचस्प बनाता है. पांचों फ्रेंचाइजियां अपने स्क्वॉड में भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल 50 स्लॉट भर सकती हैं, इसलिए घरेलू खिलाड़ियों को बड़ा अवसर मिल सकता है.

विदेशी खिलाड़ियों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा: विदेशी खिलाड़ियों में भी उत्साह काफी ज्यादा है. कुल 83 विदेशी खिलाड़ी सूची में शामिल हैं, जिनमें 66 कैप्ड और 17 अनकैप्ड खिलाड़ियों ने अपना नाम दर्ज कराया है. विदेशी खिलाड़ियों के लिए 23 स्लॉट निर्धारित हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि टीमें विश्वस्तरीय अनुभव को अपनी योजनाओं में शामिल करने को लेकर गंभीर हैं.

बेस प्राइस ब्रैकेट में कड़ा मुकाबला: इस बार बेस प्राइस कैटेगरी भी चर्चा का बड़ा विषय बनी हुई है.

50 लाख के शीर्ष ब्रैकेट में 19 खिलाड़ी शामिल हैं.

40 लाख श्रेणी में 11 खिलाड़ी होंगे.

वहीं 30 लाख के बेस प्राइस में सबसे अधिक 88 खिलाड़ी मौजूद हैं.

ये आंकड़े बताते हैं कि कई स्टार खिलाड़ी उच्च मूल्य वर्ग में बोली लगने की उम्मीद के साथ नीलामी में उतरने वाली हैं.

मार्की सेट से होगी नीलामी की शुरुआत: नीलामी की शुरुआत मार्की सेट से होगी, जिसमें आठ दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं- दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह, सोफी डिवाइन, सोफी एक्लेस्टोन, एलिसा हीली, अमेलिया केर, मेग लैनिंग और लॉरा वोल्वार्ट. इन खिलाड़ियों पर बड़ी बोली लगने की संभावना है और इन्हें लेकर फ्रेंचाइजियों के बीच भारी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है.

फ्रेंचाइजियां बना रहीं संतुलित रणनीतियां: सभी टीमें अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलित संयोजन बनाने की ओर ध्यान दे रही हैं. पिछली सीज़नों से सीखते हुए, फ्रेंचाइजियों का फोकस ऐसे खिलाड़ियों पर होगा जो दबाव में प्रदर्शन कर सकें और टीम को मैच-विनिंग बढ़त दें. डब्ल्यूपीएल 2026 की नीलामी को लेकर प्रशंसकों और टीमों का उत्साह अपने चरम पर है. अब यह देखना बेहद रोचक होगा कि कौन से खिलाड़ी किस टीम में जगह बनाते हैं और यह नीलामी आने वाले सीज़न की तस्वीर को किस तरह बदलती है.

कांटे की टक्कर में बांग्लादेश-ए ने सुपर ओवर में भारत-ए को हराया

एजेंसियां । नई दिल्ली

एसीसी मेन्स एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के पहले सेमीफाइनल में भारत-ए और बांग्लादेश-ए के बीच रोमांचक मुकाबला शुक्रवार को दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. दोनों टीमों ने 50 ओवर के मुकाबले में समान स्कोर 194/6 बनाए और मैच सुपर ओवर तक गया. सुपर ओवर में भारत की तरफ से जितेश शर्मा और रमनदीप सिंह बैटिंग के लिए उतरे. पहले ही ओवर में रिपन मोंडोल की पहली गेंद पर जितेश शर्मा बोल्ड हुए, वहीं अगली गेंद पर आशुतोष शर्मा कैच आउट हो गए. बांग्लादेश को जीत के लिए सिर्फ 1 रन की जरूरत थी. सुयश शर्मा ने बांग्लादेश के पहले ओवर में यासिर अली का विकेट लिया, लेकिन दूसरी गेंद पर वाइड फेंकने से बांग्लादेश ने जीत दर्ज कर ली. भारत की शुरुआत तूफानी रही. वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य ने 3.4 ओवरों में 53 रनों की साझेदारी की. वैभव 15 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें चार छक्के और दो चौके शामिल थे. प्रियांश आर्य ने 23 गेंदों में 44 रन बनाए. नमन धीर केवल 7 रन जोड़ सके. मैच के अंत तक जितेश शर्मा ने 33 और नेहाल वढेरा ने नाबाद 32 रन बनाकर टीम को सुपर ओवर तक पहुंचाया. अब बांग्लादेश-ए फाइनल में श्रीलंका-ए और पाकिस्तान शाहीन्स के दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा. भारत-ए का सफर यहीं समाप्त हुआ. पहले बैटिंग करते हुए बांग्लादेश-ए ने 6 विकेट पर 194 रन बनाए. ओपनर हबीबुर रहमान सोहन ने 3 चौके और 5 छक्के की मदद से 65 रनों का योगदान दिया.

गुवाहाटी टेस्ट से पहले कप्तानी को लेकर मिश्रित भावनाएं

"ये हालात अच्छे नहीं" ऋषभ पंत के बयान के मायने...

एजेंसियां . नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया की कमान संभालने जा रहे हैं. शुभमन गिल की गर्दन की चोट ने पंत को कप्तानी का मौका दिया, लेकिन वह इस स्थिति को आदर्श नहीं मानते. उन्होंने साफ कहा कि एक मैच की कप्तानी करना कोई पसंदीदा हालात नहीं है, लेकिन देश की कमान संभालना गर्व की बात है. पंत भारत के 38वें टेस्ट कप्तान बन गए हैं.

क्यों बोले पंत "ये सबसे अच्छी स्थिति नहीं है": पंत ने माना कि एकमात्र टेस्ट में कप्तानी मिलना थोड़ा असामान्य है. लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि वह इस बारे में अधिक सोच-विचार नहीं करना चाहते. उनका फोकस टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन कराना है. गिल की चोट ने टीम संतुलन को झटका दिया है, और इसी कारण पंत परिस्थितियों को 'आदर्श' नहीं मानते. उन्होंने कहा "कप्तानी में पारंपरिक सोच और आउट-ऑफ-द-बॉक्स आइडिया के बीच सही संतुलन ढूंढना पड़ता है. मैं खिलाड़ियों को आजादी देने वाला कप्तान बनना चाहता हूं."

गिल से की बात, पंत ने मजाक में दिया जवाब: पंत ने बताया कि उन्हें गुरुवार रात कप्तानी की आधिकारिक जानकारी दी गई. गिल से इस पर बातचीत के सवाल पर पंत ने हँसते हुए कहा, "मैं हर दिन गिल से बात करता हूं." इस जवाब में हल्के अंदाज के साथ उनकी सहजता और टीम के भीतर के रिश्ते झलकते हैं.

पंत का है मानना, गुवाहाटी में वापसी आसान नहीं: दो मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ना किसी भी टीम के लिए चुनौती होता है. पंत ने माना कि वापसी आसान नहीं होगी, खासकर तब जब पहले टेस्ट की कप्तानी के दौरान उनके कुछ फैसलों पर आलोचना हुई थी. कोलकाता टेस्ट में पिच टूट रही थी और उछाल असमान था, लेकिन पंत ने शुरुआती सत्र में तेज गेंदबाजों की बजाय स्पिनरों को तरजीह दी. इस रणनीति पर सवाल उठे क्योंकि इसी दौरान दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने अहम अर्धशतक जमाया.

पंत ने इस आलोचना पर कहा- "हर फैसले पर सवाल उठते हैं, यही कप्तानी की चुनौती है. तेज गेंदबाज भी विकल्प थे, लेकिन हमने स्पिन आजमाने का फैसला किया." गिल की जगह कौन खेलेगा, इस पर पंत ने खुलासा करने से इनकार किया. उन्होंने बस इतना कहा कि टीम लगभग तय है और जिन्हें खेलना है, उन्हें बता दिया गया है. दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज ऑफ-स्पिनर साइमन हार्मर भारतीय बल्लेबाजों, खासकर बाएं हाथ के खिलाड़ियों के खिलाफ खतरनाक साबित हो सकते हैं. ऐसे में क्या भारत दाएं हाथ के बल्लेबाजों को प्राथमिकता देगा? इस पर पंत ने कहा- **कप्तान पंत-जिम्मेदारी और अवसर का संगम** हालात भले ही 'आदर्श' न हों, लेकिन ऋषभ पंत के सामने बड़ा मौका है टीम को बराबरी दिलाने और अपने नेतृत्व कौशल को साबित करने का. अब देखना है कि गुवाहाटी में पंत कितना 'आउट-ऑफ-द-बॉक्स' सोच पाते हैं और टीम इंडिया उनके नेतृत्व में कैसे प्रतिक्रिया देती है.

गुवाहाटी टेस्ट से पहले साउथ अफ्रीका को करारा झटका, कगिसो रबाडा पूरे भारत दौरे से बाहर

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार, 22 नवंबर से टेस्ट सीरीज का दूसरा और निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा. भारत 0-1 से पीछे है, ऐसे में यह मैच उसके लिए "करो या मरो" जैसा है. लेकिन मुकाबले से ठीक पहले साउथ अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है. टीम के स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा पूरे भारत दौरे से बाहर हो गए हैं. उनकी अनुपस्थिति से साउथ अफ्रीका की गेंदबाजी बेहद कमजोर पड़ सकती है.

रबाडा की चोट बनी भारी, पूरा दौरा हुआ खत्म : रबाडा को कोलकाता में ट्रेनिंग के दौरान पसलियों में खिंचाव आ गया था, जिसके कारण उन्होंने पहला टेस्ट भी नहीं खेला. उम्मीद थी कि वे गुवाहाटी में फिट होकर वापसी करेंगे, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार न होने पर क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने उन्हें पूरे दौरे से बाहर करने का फैसला लिया. सीएसए ने बयान जारी करते हुए बताया "रबाडा की चोट लगातार असहजता पैदा कर रही है, इसलिए उन्हें बाकी दौरे से बाहर कर दिया गया है. वह चार सप्ताह के रिहैब कार्यक्रम से गुजरेंगे और दूसरे टेस्ट के बाद स्वदेश लौट जाएंगे." रबाडा न सिर्फ दूसरे टेस्ट से बाहर हैं, बल्कि 30 नवंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज और 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20 सीरीज में भी नहीं खेल पाएंगे.

गेंदबाजी यूनिट पर पड़ेगा बड़ा असर पहले टेस्ट में साइमन हार्मर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट झटके थे. केशव महाराज भी स्पिन विभाग में मजबूत विकल्प हैं. तेज गेंदबाजी की बात करें तो मार्को जानसेन ने कोलकाता में पेस अटैक की अगुवाई की थी, जबकि वियान मुल्डर और कॉर्बिन बॉश ने सहयोग निभाया. अब टीम को राहत इस बात की है कि तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी फिट होकर स्क्वॉड में वापस लौट चुके हैं और दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे.

दूसरे टेस्ट के लिए साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड : एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, डेवाल्ड ब्रेविस, काइल वेरेने (विकेटकीपर), साइमन हार्मर, मार्को जानसेन, केशव महाराज, कॉर्बिन बॉश, सेनुरन मुथुसामी, जुबैर हमजा, वियान मुल्डर और लुंगी एनगिडी.

गुवाहाटी में होने वाला यह मुकाबला अब और भी दिलचस्प हो चुका है, क्योंकि दोनों टीमें चोटों से जूझते हुए मैदान में उतरेंगी.

भारत भी चोट से परेशान

दूसरी ओर भारतीय टीम भी चोट से जूझ रही है. कप्तान शुभमन गिल गर्दन की जकड़न के कारण बाहर हो चुके हैं और उनकी जगह ऋषभ पंत टीम की कमान संभालेंगे. भारत को हर हाल में जीत की जरूरत है ताकि सीरीज 1-1 से बराबर हो सके.

गिल की चोट से छिड़ी वर्कलोड बहस, गंभीर का सख्त संदेश,आराम चाहिए तो आईपीएल छोड़ो

एजेंसियां। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट में वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर चल रही बहस एक बार फिर गर्म हो गई है. कोलकाता टेस्ट के दौरान शुभमन गिल को अचानक हुई गर्दन की जकड़न (नेक स्पैज्म) के कारण उन्हें निर्णायक दूसरे टेस्ट से बाहर होना पड़ा. यह स्थिति न सिर्फ टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय बनी, बल्कि क्रिकेट जगत में यह सवाल फिर गूंज उठा, क्या भारत के शीर्ष खिलाड़ियों पर लगातार क्रिकेट का अत्यधिक दबाव डाला जा रहा है?

लगातार क्रिकेट से बढ़ा भार: गिल पिछले दो महीनों से लगातार क्रिकेट खेलते आ रहे हैं. एशिया कप से लेकर घरेलू साउथ अफ्रीका सीरीज तक वे हर फॉर्मेट में टीम इंडिया का हिस्सा बने रहे. कप्तानी और उपकप्तानी की दोहरी जिम्मेदारियों ने उनके वर्कलोड को और बढ़ा दिया. ऐसे में ईडन गार्डन्स टेस्ट के दौरान उनका चोटिल होना बताता है कि निरंतर क्रिकेट शरीर पर कितना असर डाल सकता है.

गौतम गंभीर का दो-टूक बयान: इसी बहस के बीच पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर का सख्त रुख सामने आया है. आकाश चोपड़ा ने अपने कार्यक्रम में खुलासा किया कि गंभीर ने उनसे बातचीत में कहा, अगर वर्कलोड मैनेजमेंट चाहिए तो आईपीएल छोड़ दो. अगर कप्तानी का दबाव ज्यादा है, तो कप्तानी मत करो. लेकिन भारत के लिए खेलते समय फिटनेस या मानसिक थकान जैसे कारण नहीं चलेंगे.गंभीर का यह बयान इसलिए भी चर्चा का विषय है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में वर्कलोड मैनेजमेंट भारतीय क्रिकेट का सामान्य हिस्सा बन चुका है. कई बड़े खिलाड़ियों को तीनों फॉर्मेट में आराम दिया जाता रहा है. लेकिन गंभीर का मानना है कि देश के लिए खेलने से पहले खिलाड़ी को हर प्रकार की प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए.

आकाश चोपड़ा ने किया समर्थन: आकाश चोपड़ा ने गंभीर की सोच का समर्थन करते हुए कहा कि बल्लेबाज के लिए फॉर्म एक अनमोल चीज है. जब खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो उसे रुकना नहीं चाहिए क्योंकि फॉर्म कब छिन जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं होती. चोपड़ा के अनुसार, जब तक खिलाड़ी गंभीर चोट या मानसिक थकान से न जूझ रहा हो, उसे मैदान में सक्रिय रहना चाहिए.

गिल की उपलब्धता पर संशय: शुभमन गिल की चोट को देखते हुए टीम प्रबंधन फिलहाल उन्हें कम से कम 10 दिन का आराम देने का विचार कर रहा है. हालांकि बीसीसीआई ने अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया है, लेकिन उम्मीद है कि गिल 30 नवंबर से शुरू होने वाली साउथ अफ्रीका ओडीआई सीरीज तक फिट हो जाएंगे. इस दौरे का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि ओडीआई के बाद होने वाली टी20 सीरीज में गिल की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है.

एशेज के पहले दिन पर्थ में विकेटों की बारिश

स्टार्क का 'सत्ता', स्टोक्स का 'पंजा', 19 विकेट गिरने से रोमांच चरम पर

एजेंसियां। पर्थ

एशेज सीरीज 2025-26 के पहले टेस्ट ने पर्थ में पहले ही दिन ऐसा नज़ारा पेश किया, जिसने दशकों पुरानी यादें ताज़ा कर दीं. ऑप्टस स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में शुक्रवार (21 नवंबर) को कुल 19 विकेट गिरे-1909 के बाद पहली बार पहले दिन इतने विकेट गिरे. मैच रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है, जहां दोनों टीमें लगभग बराबरी पर नज़र आ रही हैं.

इंग्लैंड पहली पारी में 172 पर ढेर, स्टार्क ने मचाई तबाही : टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम सिर्फ 172 रन बनाकर सिमट गई. ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एशेज इतिहास का अपना सर्वश्रेष्ठ स्पेल डालते हुए 7 विकेट झटके.

स्टार्क की पहली ही ओवर की छठी गेंद पर जैक क्राउली आउट हुए, जिसके बाद उन्होंने बेन डकेट, जो रूट और अन्य बल्लेबाजों को भी पवेलियन भेजकर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी. रूट का विकेट स्टार्क के एशेज करियर का 100वां विकेट था—इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वे पहले लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज और कुल 21वें गेंदबाज बने. डेब्यूटेंट ब्रेंडन डॉगेट ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 विकेट लिए. इंग्लैंड के लिए ओली पोप (46) और हैरी ब्रूक (52) ने कुछ प्रतिरोध दिखाया, लेकिन स्टार्क की रफ्तार और सटीक लाइन-लेंथ के आगे कोई नहीं टिक सका.

ऑस्ट्रेलिया की पारी भी लड़खड़ाई, स्टोक्स का पंजा : जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी इंग्लैंड से कुछ बेहतर नहीं रही. पहली ही ओवर में जॉफ्रा आर्चर ने डेब्यू करने वाले जेक वेदराल्ड को LBW किया. इसके बाद लाबुशेन (9), स्मिथ (17) और ख्वाजा (2) लगातार आउट होते गए.

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 5 विकेट झटके. उन्होंने ट्रेविस हेड (21), कैमरन ग्रीन (24), मिचेल स्टार्क (12), एलेक्स कैरी और स्कॉट बोलैंड—सभी को आउट करके ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को बुरी तरह झकझोर दिया. स्टोक्स ने अपने अंतिम स्पेल में लगातार विकेट लेकर कंगारुओं को बैकफुट पर धकेल दिया.

स्टम्प्स तक ऑस्ट्रेलिया 123/9, मैच रोमांचक मोड़ पर : पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 123/9 रन बना लिए थे. ब्रेंडन डॉगेट 0 और नाथन लायन 3 रन पर नाबाद हैं. कंगारू टीम अब भी 49 रन पीछे है और इंग्लैंड बढ़त के करीब है.

एशेज में मिचेल स्टार्क का इतिहास, 100 विकेट पूरे कर बने पहले लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज

एजेंसियां। नई दिल्ली

एशेज 2025-26 की शुरुआत मिचेल स्टार्क के लिए बेहद खास रही. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ऑप्टस स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट के पहले ही दिन स्टार्क ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जो एशेज इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ. इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को उन्होंने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच आउट करवाया, जो उनका एशेज में 100वां विकेट रहा. इसके साथ ही वे एशेज में 100 विकेट लेने वाले 21वें गेंदबाज और पहले लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बन गए.

स्टार्क की घातक गेंदबाजी : पहले दिन स्टार्क पूरी लय में नजर आए. उन्होंने सिर्फ 39 रन देकर इंग्लैंड के 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके. अनफिट पैट कमिंस और चोटिल जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में स्टर्क ने स्कॉट बोलैंड और डेब्यू कर रहे ब्रेंडन डॉगेट के साथ ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक की कमान संभाली और इंग्लिश बल्लेबाजी पर शुरू से दबाव बनाए रखा.

ऑस्ट्रेलिया के 13वें गेंदबाज बने : स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के 13वें गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने अपनी निरंतर गति, स्विंग और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए एक अनूठा स्थान हासिल किया. इससे पहले किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने यह उपलब्धि नहीं पाई थी.

वसीम अकरम का रिकॉर्ड भी नजदीक : स्टार्क अब उस रिकॉर्ड की ओर भी तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसे लंबे समय से कोई नहीं छू पाया. पाकिस्तान के महान लेफ्ट-आर्म पेसर वसीम अकरम टेस्ट क्रिकेट में 414 विकेट के साथ दुनिया के सबसे सफल बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं. मौजूदा फॉर्म को देखते हुए अनुमान है कि स्टार्क इस एशेज सीरीज के दौरान यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं.

एशेज का पहला ही दिन स्टार्क के नाम रहा, और उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन ने सीरीज का रोमांच कई गुना बढ़ा दिया है.

बैडमिंटन | हमवतन खिलाड़ी आयुष को सीधे गेमों में 23-21, 21-11 से किया पराजित

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन 2024: लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में

एजेंसियां। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के उभरते सितारे लक्ष्य सेन ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है. सिडनी में शुक्रवार को खेले गए रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उन्होंने अपने ही हमवतन खिलाड़ी आयुष शेट्टी को सीधी गेमों में 23-21, 21-11 से पराजित किया. यह जीत न केवल लक्ष्य के आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है बल्कि टूर्नामेंट में भारतीय उम्मीदों को भी मजबूती प्रदान करती है.

पहला गेम रहा कड़ा मुकाबला: मुकाबले की शुरुआत में ही यह साफ हो गया था कि दोनों खिलाड़ी जीत के लिए पूरी ताकत झोंकने वाले हैं. पहला गेम बेहद प्रतिस्पर्धात्मक रहा, जिसमें आयुष शेट्टी ने लक्ष्य को कड़ी चुनौती दी. एक समय लक्ष्य 6-9 से पीछे थे, लेकिन लगातार चार अंक जीतकर उन्होंने 13-10 की बढ़त हासिल कर ली. इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच अंक का अंतर लगातार घटता-बढ़ता रहा. मैच का तनाव तब चरम पर पहुंचा जब आयुष ने 21-21 की बराबरी कर ली, लेकिन लक्ष्य ने दो महत्वपूर्ण पॉइंट जीतते हुए पहला गेम अपने नाम कर लिया.

दूसरे गेम में लक्ष्य का एकतरफा वर्चस्व: दूसरे गेम में स्थिति बिल्कुल बदल गई. लक्ष्य सेन ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए 6-1 की मजबूत बढ़त बनाई. आयुष इस लय को तोड़ने में पूरी तरह नाकाम रहे और लक्ष्य का नियंत्रण बढ़ता गया. स्कोर जल्द ही 15-7 हो गया और आयुष की चुनौती कमजोर पड़ती गई. अंततः लक्ष्य ने दूसरा गेम 21-11 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया. यह मुकाबला कुल 53 मिनट तक चला.

सेमीफाइनल में चाउ तिएन चेन से भिड़ंत: सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन का सामना चीनी-ताइपे के दूसरे वरीय चाउ तिएन चेन से होगा. विश्व रैंकिंग में नंबर 9 पर काबिज और 2018 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता तिएन चेन ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फरहान अल्वी को 13-21, 23-21, 21-16 से हराया. खास बात यह है कि इसी टूर्नामेंट में अल्वी ने भारत के अनुभवी खिलाड़ी एच.एस. प्रणय को हराकर बड़ा उलटफेर किया था. ऐसे में यह मुकाबला लक्ष्य के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है.

पुरुष एकल में भारत की आखिरी उम्मीद: लक्ष्य सेन अब इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग में भारत की आखिरी उम्मीद हैं. भारत के दिग्गज खिलाड़ी प्रणय और किदांबी श्रीकांत शुरुआती दौर में ही बाहर हो चुके हैं, जिसके बाद लक्ष्य की जिम्मेदारी और बढ़ गई है.

सात्विक-चिराग की भी बड़ी परीक्षा: इसके साथ ही भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी क्वार्टर फाइनल में उतरेंगी. उन्होंने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग हेंग और वू गुआन शुन को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई थी. अब उनकी भिड़ंत पांचवीं वरीय इंडोनेशियाई जोड़ी फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहेबुल फिकरी से होगी. लक्ष्य सेन के दमदार प्रदर्शन ने टूर्नामेंट में भारतीय उपस्थिति को जीवंत बनाए रखा है. अब सभी की निगाहें उनके सेमीफाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां उनसे एक और शानदार जीत की उम्मीद है.

दिल्ली की जहरीली हवा का क्रिकेट पर असर बीसीसीआई ने बदला अंडर-23 टूर्नामेंट का वेन्यू

एजेंसियां। नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक स्थिति में पहुंच चुका है. जिसकी वजह से लोगों को सांस लेने में गंभीर दिक्कत हो रही है. कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है. ऐसे हालात में जहाँ आम जिंदगी प्रभावित हो रही है, वहीं खेल जगत भी इससे अछूता नहीं रहा. दिल्ली की जहरीली हवा का असर अब क्रिकेट पर साफ दिखाई दे रहा है.

बीसीसीआई का बड़ा फैसला, वेन्यू हुआ शिफ्ट: खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने अंडर-23 मेन्स वनडे टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच दिल्ली में न कराने का फैसला लिया है. ये मुकाबले अब मुंबई में खेले जाएंगे. बीसीसीआई ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से अनुरोध किया है कि वे 25 नवंबर से 1 दिसंबर तक नॉकआउट मैचों की मेजबानी के लिए तैयार रहें. वहीं, टूर्नामेंट का लीग स्टेज 21 नवंबर को वडोदरा में समाप्त होगा, जिसके बाद आठ टीमें नॉकआउट राउंड में उतरेंगी. नया शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा. एमसीए के एक अधिकारी ने बताया कि बीसीसीआई का फोन आया था और प्रदूषण के कारण टूर्नामेंट शिफ्ट किए जाने की जानकारी दी गई.

पहले भी प्रभावित हुआ है दिल्ली का क्रिकेट शेड्यूल: यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली का प्रदूषण क्रिकेट के रास्ते में बाधा बना हो. कुछ समय पहले बीसीसीआई ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मैच दिल्ली से हटाकर कोलकाता कर दिया था. हालांकि अक्टूबर में भारत–वेस्ट इंडीज टेस्ट मुकाबला दिल्ली में हुआ था, लेकिन तब प्रदूषण का स्तर इतना भयावह नहीं था.

2017 का मैच आज भी याद: दिसंबर 2017 में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच हुआ टेस्ट मैच आज भी लोगों की यादों में ताज़ा है. उस मुकाबले में श्रीलंकाई खिलाड़ी मास्क पहनकर मैदान में उतरे थे. एक्यूआई करीब 400 के आसपास पहुंच गया था और हवा इतनी खराब थी कि गेंदबाज लाहिरु गमागे को सांस लेने में दिक्कत हुई और खेल लगभग 17 मिनट के लिए रोकना पड़ा. यहां तक कि तेज गेंदबाज सुरंगा लकमल को उल्टी और घबराहट के कारण मैदान छोड़ना पड़ा. स्थिति ऐसी हो गई थी कि श्रीलंका के पास सिर्फ 10 फिट खिलाड़ी ही बचे थे और ड्रेसिंग रूम में ऑक्सीजन सिलेंडर तक मंगवाए गए थे.

न्यूज अपडेट

तीर्थयात्रियों से भरी बस 20 फीट गहरी खाई में गिरी, एक की मौत

पटना। मोकामा फोरलेन पर रविवार देर रात परधर्म-यात्रा कर रहे तीर्थयात्रियों का सफर अचानक चीख-पुकार में बदल गया, जब अयोध्या से लौट रही बस बरहपुर बाइपास पर 20 फीट गहरी खाई में जा गिरी. हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 25 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए. बस में कुल 45 तीर्थयात्री सवार थे, जो मधुबनी जिले से अयोध्या दर्शन कर सिमरिया धाम लौट रहे थे. जानकारी के अनुसार, शांत रास्ते और सामान्य गति के बीच अचानक चालक को नींद का झटका लग गया. मोड़ पर नियंत्रण छूटते ही बस तेज रफ्तार में सड़क छोड़कर सीधे खाई में समा गई. जोरदार धमाके की आवाज़ सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए. कई यात्री बस में फंसे थे, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से निकाला गया. सभी घायलों को एंबुलेंस से मोकामा ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां अफरा-तफरी का माहौल रहा.

जक्कनपुर थाना के एएसआई को घूसखोरी में चार साल की सजा

पटना। विजिलेंस अदालत ने जक्कनपुर थाना के तत्कालीन एएसआई अमरजीत कुमार को भ्रष्टाचार के एक पुराने मामले में दोषी पाते हुए चार साल की कैद और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है. वर्ष 2016 के इस मामले में उन पर आरोप था कि उन्होंने एक शिकायतकर्ता से केस डायरी को पीड़ित के पक्ष में लिखने के नाम पर 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अमरजीत न केवल घूस मांग रहे थे, बल्कि मामले को उलझाकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित भी कर रहे थे. पीड़ित की शिकायत पर निगरानी विभाग ने ट्रैप लगाया और अमरजीत कुमार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया था. गुरुवार को अदालत ने सभी सबूतों और गवाहों के आधार पर उन्हें दोषी मानते हुए जेल भेजने का आदेश दिया. यह फैसला इस बात का संकेत है कि 'केस मैनेज' जैसे भ्रष्टाचार के खेल में शामिल पुलिसकर्मियों पर अब कोर्ट सख्ती बरत रही है. हाल के दिनों में बिहार पुलिस की कार्यशैली पर कई सवाल उठे हैं.

छापेमारी के दौरान युवक की डूबने से मौत

गया। बिहार में लागू शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है. इसी बीच गया जिले के राजाविगहा इलाके में एक्साइज विभाग की छापेमारी के दौरान एक बड़ी घटना सामने आई, जहां कार्रवाई से बचने के लिए एक युवक पानी से भरे आहर में कूद गया और डूबने से उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान टेगेनी गांव निवासी संतोष उर्फ संटू यादव के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, झारखंड से मोटरसाइकिलों पर शराब की खेप लाए जाने की सूचना पर एक्साइज टीम पहले से घेराबंदी कर बैठी थी. कार्रवाई के दौरान कथित धंधेबाजों को खदेड़ने पर संतोष आहर में कूद पड़ा, जहां गहरे पानी में डूब गया. वहीं परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उत्पाद विभाग की टीम ने संतोष की पिटाई की और फिर उसे जबरन पानी में फेंक दिया. आरोपों के बाद स्थानीय लोग और परिजन आक्रोशित हो उठे और फतेहपुर–मोहनपुर मुख्य मार्ग को करीब छह घंटे तक जाम कर दिया. इस बीच, एक्साइज टीम एक अन्य आरोपी कृष्ण कुमार यादव को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई.

बिहार विस चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तोड़ी चुप्पी, कहा

एनडीए ने प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर वोट खरीदे

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने लंबी चुप्पी तोड़ते हुए मीडिया के सामने कई गंभीर आरोप लगाए और भविष्य की रणनीति का ऐलान किया. उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार ने प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर 10-10 हजार रुपये में वोट खरीदे. पीके ने चेतावनी दी कि यदि छह महीने के भीतर महिलाओं के खातों में वादा किए गए 2-2 लाख रुपये नहीं पहुंचे, तो वे एक-एक मंत्री और अधिकारी का घेराव करेंगे. प्रशांत किशोर ने अपनी बड़ी घोषणा में जन सुराज अभियान को आगे बढ़ाने के लिए जनता से आर्थिक सहयोग की अपील की. उन्होंने कहा कि हर नागरिक साल में कम से कम 1,000 रुपये का योगदान दे, चाहे तो इससे ज्यादा भी दे सकते हैं. पीके ने चेतावनी भरे अंदाज़ में कहा कि जो लोग इस अभियान को आर्थिक मदद नहीं देंगे, वे उनसे मिलने की उम्मीद न रखें. उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में जो भी वे कमाएंगे, उसका 90% हिस्सा वे जन सुराज को समर्पित करेंगे. साथ ही उन्होंने घोषणा की कि पिछले 20 साल में अर्जित संपत्ति में से दिल्ली वाले घर को छोड़कर बाकी सब वे पार्टी को दान कर देंगे.

नीतीश कुमार के नवगठित मंत्रिमंडल पर हमला करते हुए पीके ने आरोप लगाया कि आपराधिक छवि वाले और कम पढ़े-लिखे लोगों को मंत्री बनाया गया है. उन्होंने कहा कि कुछ लोग सिर्फ इसलिए मंत्री बन गए क्योंकि उनके पिता मंत्री रह चुके थे. इसे उन्होंने "बिहार के घाव पर नमक" लगाने जैसा करार दिया. पीके ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ संकेत दिया है कि "हमने वोट खरीद लिया है, अब अपनी मर्जी चलाएंगे." वहीं अपनी हार पर आत्ममंथन करते हुए पीके ने चुनाव नतीजों के बाद पश्चिम चंपारण के भितिहरवा स्थित गांधी आश्रम में 24 घंटे का मौन व्रत रखा. जन सुराज के अनुसार यह मौन व्रत किसी प्रकार का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि हार की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने और जनता के संदेश को भीतर से समझने का प्रयास था. पीके पूरी रात वहीं बैठे रहे और जमीन पर ही सोते हुए नजर आए. प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने गांधी जी की प्रेरणा से अभियान को नए सिरे से शुरू करने की घोषणा की. उन्होंने बताया कि 15 जनवरी से वे बिहार के सभी 1,18,000 वार्ड और 550 प्रखंडों का दौरा करेंगे. 'बिहार नवनिर्माण संकल्प अभियान' के तहत अगले डेढ़ साल तक वे जनता से संवाद करेंगे और सरकार से वादों को पूरा कराने का दबाव बनाएंगे. पीके ने कहा कि जिन लोगों को 10 हजार रुपये मिले हैं, उन्हें वे 2 लाख रुपये दिलवाकर ही दम लेंगे. गौरतलब है कि इस चुनाव में जन सुराज ने सभी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी. लगभग 98% उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई. नतीजों के तीन दिन बाद प्रशांत किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हार की पूरी जिम्मेदारी ली और जनता से माफी मांगी थी.

पिता के निधन के बाद डटे रहकर संगठन को फिर से खड़ा किया: चिराग

पटना। बिहार में नई सरकार बनने के बाद अब विभागों के बंटवारे का इंतज़ार है, लेकिन उससे पहले एलजेपी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी की स्थिति, बीते वर्षों की चुनौतियों और आने वाली रणनीतियों पर विस्तार से बात की. चिराग पासवान ने कहा कि 2009 पार्टी के लिए सबसे कठिन समय था, लेकिन 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में एलजेपी (आर) ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने बताया कि पिता रामविलास पासवान के निधन के बाद भी उन्होंने अकेले चुनाव लड़ने के फैसले पर डटे रहकर संगठन को फिर से खड़ा किया. चिराग ने 2020 के विधानसभा चुनाव को पार्टी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मोड़ बताया. एलजेपी (आर) ने उस चुनाव में एनडीए से अलग होकर 130 से अधिक सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, हालांकि सिर्फ एक सीट मिली. चिराग ने कहा कि इस हार ने पार्टी को सीख दी और संगठनात्मक आधार को मजबूत किया. यही वजह है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में पार्टी 19 सीटें जीतकर मजबूती से उभरी. चिराग पासवान ने घोषणा की कि एलजेपी (आर) अपना स्थापना दिवस 28 नवंबर को पटना में भव्य रूप से मनाएगी. जनवरी में खरमास खत्म होने के बाद पार्टी पूरे राज्य की यात्रा शुरू करेगी. इस यात्रा का उद्देश्य स्थानीय समस्याओं की पहचान और उनके समाधान पर काम करना होगा. उन्होंने यह भी कहा कि दलित सेना का पुनर्गठन किया जाएगा और इसकी जिम्मेदारी अरुण भारती को सौंपी गई है. चिराग की पार्टी से संजय कुमार पासवान (बखरी) और संजय सिंह (महुआ) ने मंत्री पद की शपथ ली है. महुआ के विधायक संजय सिंह ने तेजप्रताप यादव को हराकर जीत दर्ज की. चिराग ने कहा कि एलजेपी (आर) अब सिर्फ समर्थन नहीं दे रही, बल्कि सरकार का हिस्सा है. शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे, जहां चिराग ने जेपी नड्डा और जीतन राम मांझी से आशीर्वाद लिया.

सदाकत आश्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का बवाल: टिकट वितरण में अनियमितताओं का आरोप

प्रदेश नेतृत्व के इस्तीफे की मांग तेज

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी के अंदर असंतोष खुलकर सामने आ गया है. पटना स्थित सदाकत आश्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने टिकट वितरण में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा और नारेबाजी की. प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु पर टिकट बेचने के गंभीर आरोप लगाए और दोनों नेताओं के तत्काल इस्तीफे की मांग की. कार्यकर्ताओं का कहना था कि गलत और गैर-लोकप्रिय उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने की वजह से पार्टी की यह दुर्दशा हुई है. कई नाराज सदस्यों ने आरोप लगाया कि टिकटों की कथित खरीद-फरोख्त ने कांग्रेस की विश्वसनीयता को गहरा नुकसान पहुंचाया है. प्रदेश नेतृत्व पर हमले के बीच प्रदर्शनकारी "वोट चोर गद्दी छोड़" और "टिकट चोर बाहर जाओ" जैसे नारे लगाते रहे. उनका कहना था कि यदि संगठन में जल्द बदलाव नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा. हंगामे के बीच पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत कराने का प्रयास किया. वे जमीन पर बैठकर कार्यकर्ताओं से बातचीत करते रहे, लेकिन भीड़ उनकी बात सुनने को तैयार नहीं हुई. पप्पू यादव ने कार्यकर्ताओं से संयम रखने की अपील की, मगर नाराजगी इतनी अधिक थी कि उनका हस्तक्षेप भी बेअसर साबित हुआ.

इसी दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम भी सदाकत आश्रम पहुंचे. जैसे ही वे परिसर में दाखिल हुए, कार्यकर्ताओं ने उनके सामने नारेबाजी तेज कर दी. स्थिति को देखते हुए राजेश राम ने कहा कि जिन्हें टिकट वितरण को लेकर शिकायत है, वे सीधे पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से संपर्क कर सकते हैं. हालांकि उनकी अपील का प्रदर्शनकारियों पर कोई खास असर नहीं पड़ा. गौरतलब है कि हाल में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस महज छह सीटों पर सिमट गई, जिससे महागठबंधन को भी बड़ा झटका लगा. चुनाव परिणामों ने फिर साबित किया है कि बिहार की राजनीति में धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरण की भूमिका अभी भी बेहद प्रभावी है. रिकॉर्ड संख्या में आपराधिक मामलों वाले और करोड़पति उम्मीदवारों की जीत ने चुनावी प्रणाली और राजनीतिक माहौल पर नई बहस छेड़ दी है. कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि नेतृत्व समय रहते संगठनात्मक सुधार नहीं करता, तो पार्टी के सामने और बड़ी चुनौतियाँ खड़ी हो सकती हैं. सदाकत आश्रम की ये हलचल स्पष्ट संकेत देती है कि बिहार कांग्रेस में बदलाव की मांग अब उग्र रूप ले चुकी है.

भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप में सब इंस्पेक्टर निलंबित

सारण। सारण पुलिस ने कर्तव्य में घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की पुष्टि होने के बाद डोरीगंज थाना में कार्यरत सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई में स्पष्ट किया गया है कि पुलिस विभाग अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करता रहेगा. लापता और कर्तव्य से अनुपस्थित सहायक अवर निरीक्षक अमित कुमार ने 12 नवंबर, 2025 को 10 दिनों के आकस्मिक अवकाश के लिए आवेदन दिया था. हालांकि उनका अवकाश स्वीकृत नहीं किया गया था इसके बावजूद वह 17 नवंबर, 2025 से ड्यूटी से गैरहाजिर हैं. उनका मोबाइल फोन भी संपर्क से बाहर है. इस संबंध में डोरीगंज थाने में एक सनहा भी दर्ज की गई है. संपर्क और जांच के क्रम में एक यह भी पहलू सामने आया की मुसेपुर निवासी बबलू कुमार यादव ने अमित कुमार पर ₹50,000/- की अवैध मांग करने और उन्हें डराने-धमकाने का गंभीर आरोप लगाया था. निगरानी विभाग की सत्यापन जाँच में 04 नवंबर, 2025 को यह आरोप सत्य पाए गए. इसके आधार पर सहायक अवर निरीक्षक अमित कुमार के विरुद्ध निगरानी थाना कांड संख्या 96/25 के तहत प्राथमिकी भी दर्ज की गई है. सारण पुलिस द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन और निगरानी विभाग की जाँच रिपोर्ट को आधार मानते हुए सहायक सहायक और निरीक्षक अमित कुमार को 17 नवंबर, 2025 की तिथि से सामान्य जीवन-यापन भत्ता पर तत्काल निलंबित कर दिया गया है. उन्हें इस विभागीय कार्यवाही के विरुद्ध सात दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है. सारण पुलिस ने कहा है कि पुलिस एक अनुशासित संस्था है और इस प्रकार का आचरण उसकी छवि को धूमिल करता है.

वीआईपी नेता की गोली मार कर हत्या

पूर्वी चंपारण। जिले के दरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत तिनकोनी गांव में शुक्रवार की सुबह मुकेश सहनी के विकासशील इंसान पार्टी के एक नेता कामेश्वर सहनी (45) की गोली मारकर हत्या कर दी गई है. घटना सुबह उस वक्त हुई जब कामेश्वर सहनी नित्यक्रिया से निवृत होने के बाद चापाकल पर मुंह-हाथ धो रहे थे,तभी अज्ञात अपराधियो ने पीछे से तीन गोली और गिरने के बाद कनपटी एक गोली मारी,चार गोली लगने से मौके पर ही कामेश्वर सहनी की मौत हो गई. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची दरपा थाने की पुलिस को आक्रोशित ग्रामीणों का गुस्सा झेलनी पड़ी, लोगो ने कुछ देर तक पुलिस को शव नहीं उठाने दे रहे थे.हालांकि समझाने बुझाने के बाद पुलिस ने शव अपने अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया.

भूमि विवाद में युवती पर जानलेवा हमला

सहरसा। सलखुआ थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया. यहां युवती बीबी साबरा पर उसके फुफेरे भाई और फुआ ने मिलकर जानलेवा हमला कर दिया. आरोपियों ने युवती को ईंटों से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. फिलहाल घायल युवती सहरसा सदर अस्पताल के महिला वार्ड में इलाजरत है और पुलिस से न्याय की गुहार लगा रही है.पीड़िता के अनुसार, वह सलखुआ थाना क्षेत्र के हरेवा वार्ड 15 की निवासी है. युवती ने बताया कि उसके पिता अब्दुल रब्बान की बहन (फुआ) और बहनोई का घर उसके पड़ोस में है, और इन्हीं से पिछले कई वर्षों से पांच कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है. बीबी साबरा ने पुलिस को बताया कि 19 नवंबर की शाम उसके फुफेरे भाई मो. नौशाद उर्फ फूनना ने उसका मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया. जब उसने ऐसा करने से रोका तो आरोपी फुआ, फुफेरे भाई और अन्य लोगों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया.

कारोबार

बैंकिंग सेक्टर की वित्तीय सेहत मजबूत, एनपीए में गिरावट जारी

नयी दिल्ली। देश के बैंकिंग सेक्टर की वित्तीय स्थिति मजबूत होती दिख रही है. केयरएज रेटिंग्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंकों के गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में लगातार गिरावट दर्ज की गई है. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का सकल एनपीए (जीएनपीए) अनुपात घटकर 2.1% हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 2.6% था. सकल एनपीए ₹4.05 लाख करोड़ पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 11.1% की गिरावट है. रिपोर्ट में बताया गया कि परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार का कारण मजबूत रिकवरी, कम नई स्लिपेज, उपयुक्त अपग्रेड और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों (एआरसी) को एनपीए की बिक्री है.

भारत-अफगानिस्तान के बीच हवाई मालवाहक सेवाओं की शुरुआत जल्द

नयी दिल्ली। भारत व अफगानिस्तान के बीच हवाई मालवाहक सेवाएं बहुत जल्द शुरू होने जा रही हैं. यह घोषणा भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश ने अफगानिस्तान के वाणिज्य और उद्योग मंत्री अल-हज नूरुद्दीन अजीजी की भारत यात्रा के दौरान की. आनंद ने बताया कि काबुल-दिल्ली और काबुल-अमृतसर मार्गों पर हवाई माल ढुलाई गलियारा सक्रिय हो गया है. इस पहल से दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार होगा और व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे. विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार सहयोग की निगरानी और समर्थन के लिए एक-दूसरे के दूतावास में व्यापार अताशे नियुक्त करने पर सहमति जताई.

अडानी एंटरप्राइजेज ने एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में अपनी 13% हिस्सेदारी बेच दी

लेंस बन गई अब बड़ी हिस्सेदार

एजेंसी। नयी दिल्ली

अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने अपनी सहायक कंपनी अडानी कमोडिटीज एलएलपी (एसीएल) के जरिए एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में अपनी हिस्सेदारी बेचने का काम पूरा कर लिया है. एसीएल ने लेंस को एडब्ल्यूएल का 13% हिस्सा बेचा है. लेंस सिंगापुर की कंपनी विल्मार इंटरनेशनल लिमिटेड की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है. यह सौदा ऑफ-मार्केट हुआ और इसकी कुल कीमत 4,646 करोड़ रुपये रही. एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस, एफएमसीजी क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी है, जो खाने-पीने की जरूरी चीजें जैसे खाना तेल, गेहूं का आटा, चावल, दालें और चीनी बेचती है. कंपनी का सबसे लोकप्रिय ब्रांड फॉरच्यून है, जो 123 मिलियन घरों तक पहुंचता है. एडब्ल्यूएल के पास भारत में 70 से अधिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं, जिनमें हरियाणा के गोहाना में स्थित सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड फूड कॉम्प्लेक्स और गुजरात के मुंद्रा में पोर्ट-आधारित रिफाइनरी शामिल हैं. इन सुविधाओं से एडब्ल्यूएल को उत्पादन और वितरण में काफी आसानी होती है. 17 जुलाई को अडानी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया था कि एक शेयर खरीद समझौते के तहत एडब्ल्यूएल लिस्टेड कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के 11% शेयर बेचने जा रही है. यह 14.30 करोड़ इक्विटी शेयरों के बराबर थे और लेंस द्वारा खरीदे जाने थे. इस समझौते के तहत कुल अधिकतम 20% शेयर, यानी 25.99 करोड़ इक्विटी शेयर बेचे जाने का प्रावधान था.

इस सौदे के बाद एसीएल के पास एडब्ल्यूएल का केवल 7% हिस्सा बचा है, जबकि लेंस के पास अब एडब्ल्यूएल का 56.94% हिस्सा हो गया है. बेची गई 13% हिस्सेदारी को 6.9 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों में विभाजित किया गया था और हर शेयर की कीमत 275 रुपये तय की गई थी. अडानी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी कि कंपनी, एसीएसल, एडब्ल्यूएल और लेंस ने मिलकर शेयरधारकों के समझौते को खत्म करने के लिए एक टर्मिनेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं. शेयर खरीद समझौते के तहत अडाणी कमोडोटीज ने 18 जुलाई को एडब्ल्यूएल के 10.42% शेयर, यानी 13,54,82,400 इक्विटी शेयर बेचे थे. यह सौदा स्टॉक एक्सचेंज पर ब्लॉक डील के माध्यम से हुआ था. इसके बाद एडब्ल्यूएल में एसीएल की हिस्सेदारी घटकर 25,99,35,721 इक्विटी शेयर रह गई, जो कि कुल जारी और भुगतान किए गए इक्विटी शेयर पूंजी का 20% है. एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस का व्यवसाय और वितरण नेटवर्क इसे भारत में एफएमसलीजी सेक्टर में मजबूत स्थिति देता है. कंपनी का फॉरच्यून ब्रांड देशभर में लोकप्रिय है और इसकी उत्पादन एवं वितरण सुविधाएं इसे बाज़ार में अग्रणी बनाए रखती हैं. शेयर बिक्री की खबर के बाद एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के शेयरों में 2% से अधिक की गिरावट दर्ज की गई. इस तरह अडानी ग्रुप ने एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है, जबकि लेंस अब कंपनी की सर्वाधिक हिस्सेदारी वाली प्रमुख निवेशक बन गई है, जिससे कंपनी के भविष्य में रणनीतिक फैसलों में उसका बड़ा प्रभाव होगा.

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में मजबूत बिक्री

नयी दिल्ली। भारत के रियल एस्टेट सेक्टर ने जुलाई-सितंबर तिमाही में मजबूत बुकिंग दर्ज की है, जबकि नई परियोजना की शुरुआत में गिरावट देखी गई है. नुवामा रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष 23 सूचीबद्ध डेवलपर्स की प्री-सेल्स वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में साल-दर-साल 31% बढ़कर लगभग 4.05 लाख करोड़ रुपये हो गई. यह वृद्धि प्रमुख बाजारों में लगातार मांग और खरीदारों की सक्रियता के कारण संभव हुई. रिपोर्ट में बताया गया है कि इस तिमाही में लॉन्च वॉल्यूम में शीर्ष 15 डेवलपर्स के बीच 61% की सालाना गिरावट हुई, बावजूद इसके कुल बिक्री में सुधार आया. यह बड़े डेवलपर्स की आक्रामक लॉन्चिंग के कारण संभव हुआ. डीएलएफ के मुंबई प्रोजेक्ट, गोदरेज प्रॉपर्टीज की नई पेशकश और प्रेस्टिज एस्टेट्स का मजबूत प्रदर्शन कुल बिक्री में अहम योगदान रहा. हालांकि, अन्य शीर्ष 20 डेवलपर्स की बिक्री केवल 3% बढ़ी, जो दर्शाता है कि मांग अभी भी चुनिंदा प्रोजेक्ट्स में केंद्रित है.

भारत और इस्राइल ने मुक्त व्यापार समझौते को लेकर वार्ता शुरू की

नयी दिल्ली। भारत और इस्राइल ने 20 नवंबर को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत शुरू करने के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए हैं. इस्राइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री नीर बरकत ने कहा कि दोनों देशों ने वार्ता में संवेदनशील क्षेत्रों को शामिल न करने पर सहमति बना ली है. उनका कहना है कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है और इससे व्यापार में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है. बरकत ने यह भी कहा कि कई इस्राइली कंपनियां भारत में विस्तार में रुचि रखती हैं, जिससे भारत उनके लिए एशिया में प्रवेश द्वार बन सकता है. उन्होंने भारत के बदलते कारोबारी परिदृश्य की ओर इशारा करते हुए कहा कि अब लोग भारत में बड़े अवसरों को पहचान रहे हैं और देश चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अच्छी स्थिति में है. भारत और इस्राइल मई 2010 से इस तरह के समझौते पर बातचीत कर रहे थे.

केंद्र सरकार ने तमिलनाडु कैडर के नीरज मित्तल को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सचिव किया नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों में सचिव स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किए हैं. सरकार ने वरिष्ठ नौकरशाह नीरज मित्तल को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव नियुक्त किया है. मित्तल तमिलनाडु कैडर के 1992 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं, जो वर्तमान में दूरसंचार विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं. कार्मिक मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि नीरज मित्तल को पंकज जैन के स्थान पर नियुक्त किया गया है, जिन्हें पहले 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के सदस्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था. औषधि विभाग के सचिव अमित अग्रवाल को नीरज मित्तल के स्थान पर दूरसंचार सचिव नियुक्त किया गया है. मंत्रालय के जारी आदेश के अनुसार पर्यटन सचिव वी विद्यावती अब सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में सचिव होंगी. वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्रीवत्स कृष्ण नए पर्यटन सचिव होंगे, जो वर्तमान में अपने कैडर राज्य कर्नाटक में कार्यरत हैं. इसके अलावा भूमि संसाधन विभाग के सचिव मनोज जोशी अग्रवाल के स्थान पर औषधि सचिव होंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव अतीश चंद्रा को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है. वह 28 फरवरी, 2026 को देवेश चतुर्वेदी की सेवानिवृत्ति के बाद कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि और किसान कल्याण विभाग में सचिव का पदभार संभालेंगे.

सेबी रियल एस्टेट के लिए बाजार में नई पहल पर विचार कर रहा

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने शुक्रवार को आरईआईटी और इनविट के राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि नियामक रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों को बाजार सूचकांकों में शामिल करने पर विचार कर रहा है. उनका कहना था कि इस कदम से इस क्षेत्र में तरलता, दृश्यता और संस्थागत भागीदारी बढ़ेगी. इसके साथ ही रिट्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट्स तक म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के उपाय भी किए जा रहे हैं. पांडे ने बताया कि आरईआईटी को इक्विटी और इनविट्स को हाइब्रिड उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा. लिक्विड म्यूचुअल फंड्स के पूल का विस्तार करके रिट्स और इनविट्स दोनों में निवेश की अनुमति दी जाएगी. इससे सूचकांक में समावेशन के माध्यम से संस्थागत निवेश आकर्षित होगा और द्वितीयक बाजार की गतिविधियाँ मजबूत होंगी. उन्होंने यह भी कहा कि रिट्स और इनविट्स में रिटेल भागीदारी अभी कम है. निवेशक आधार बढ़ाने, नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और संचार में सुधार करने की आवश्यकता है. हालिया निवेशक सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि व्यक्ति वित्तीय जानकारी अपनी समझ में आने वाली भाषाओं में लेना पसंद करते हैं. यह पहल भारत के अवसंरचना वित्तपोषण के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है और घरेलू तथा वैश्विक पूंजी आकर्षित कर सकती है.

आईएलएंडएफएस ने चेनानी-नाशरी टनलवे लिमिटेड बेची

नई दिल्ली। कर्ज में डूबे आईएलएंडएफएस ग्रुप ने अपनी सहायक कंपनी चेनानी नाशरी टनलवे लिमिटेड (सीएनटीएल) को बेच दिया है. इस डील से मिले 6,145 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी बैंकों का कर्ज चुकाने में करेगी. कंपनी ने इस डील के माध्यम से एसबीआई, केनरा बैंक और अन्य बैंकों के कर्ज का भुगतान किया है. 5,454 करोड़ रुपये सीधे बैंकों को कर्ज चुकाने में जाएंगे, जिससे बैंकों को कर्ज की रिकवरी 98% से 124% तक हुई है. सीएनटीएल जम्मू-कश्मीर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड टनल का संचालन करती है, जो भारत की सबसे बड़ी ऑपरेशनल रोड टनल है. यह 9 किलोमीटर लंबी सुरंग जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा है और उधमपुर जिले के चेनानी को रामबन जिले के नाशरी से जोड़ती है. सुरंग बनने से चेनानी से नाशरी की दूरी 41 किलोमीटर से घटकर केवल 10.9 किलोमीटर रह गई है. इससे पहले इस मार्ग को तय करने में ढाई घंटे लगते थे, जबकि अब केवल 10 मिनट में सफर पूरा हो जाता है. इस टनल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2017 में राष्ट्र को समर्पित किया था. आईएलएंडएफएस ग्रुप का कहना है कि इस डील के बाद उसका कुल कर्ज समाधान 48,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि उसका ओवरऑल रेजॉल्यूशन टारगेट 61,000 करोड़ रुपये है. चेनानी-नाशरी टनल का संचालन अब क्यूब हाईवेज के हाथों में है. आईएलएंडएफएस तेजी से अपने कर्ज कम करने की प्रक्रिया में लगा हुआ है और इस तरह की संपत्ति बिक्री उसके वित्तीय पुनर्गठन का हिस्सा है.

शेयर

ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेंस गैरेज वेंचर का सितंबर तिमाही का मुनाफा 12% बढ़ा

कंपनी ने 471.33 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

हाल ही में लिस्ट हुई ऑनलाइन ब्रोकरेज ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेंस गैरेज वेंचर ने अपनी सितंबर तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए हैं. कंपनी ने इस दौरान 12% की वृद्धि के साथ 471.33 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया. यह पिछले साल इसी तिमाही के 420.16 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़ोतरी को दर्शाता है. हालांकि, इस तिमाही में कंपनी के कुल रेवेन्यू में गिरावट देखी गई. सितंबर तिमाही में रेवेन्यू 1,018.74 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 1,125.38 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 9.5% कम है. कंपनी ने यह भी बताया कि इस दौरान उसके कुल खर्च 432.59 करोड़ रुपये रह गए, जो पिछले साल के 589.79 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 27% कम है. इस खर्च में कमी और मुनाफे में बढ़ोतरी का मुख्य कारण लागत नियंत्रण और संचालन में दक्षता रहा.

सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या भी बढ़ी है. पिछली तिमाही के मुकाबले 3.2% की वृद्धि दर्ज की गई. नए ग्राहकों में से 36% ने पहली बार म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश किया, जो पिछले साल के मुकाबले 7% अधिक है. स्टॉक-फर्स्ट ग्राहकों का प्रतिशत 37% रहा, जो पिछले साल से 15% कम है. वहीं, ईटीएफ-फर्स्ट ग्राहकों का हिस्सा बढ़कर 6% हो गया और आईपीओ-फर्स्ट ग्राहकों की संख्या भी 6% तक पहुंच गई. इसमें इक्विटी और बॉन्ड दोनों शामिल हैं. कंपनी ने कहा कि अब अधिक ग्राहक म्यूचुअल फंड, स्टॉक और मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी का उपयोग कर रहे हैं, जबकि डेरिवेटिव्स में ग्राहकों की संख्या घट गई है. रिजल्ट जारी होने से पहले ही कंपनी के शेयरों में 6% से अधिक तेजी देखने को मिली थी. लिस्टिंग के बाद ग्रो के शेयरों में 94% तक की वृद्धि दर्ज की गई थी, हालांकि इसके बाद दो दिन गिरावट रही. आज सुबह शुरुआती कारोबार में शेयर 168.45 रुपये तक पहुंचा, और 11.30 बजे यह 5.34% की तेजी के साथ 164.98 रुपये पर ट्रेड कर रहा था. कंपनी के हालिया आईपीओ को 17 गुना तक बोलियां मिली थीं, जो निवेशकों की मजबूत रुचि को दर्शाता है. इस तिमाही के परिणामों से यह साफ है कि मुनाफा बढ़ा है, लेकिन रेवेन्यू में गिरावट और ग्राहकों की निवेश प्राथमिकताओं में बदलाव कंपनी की रणनीतियों के लिए महत्वपूर्ण संकेत हैं.

शुभम संदेश
रांची, शनिवार 22 नवंबर, 2025

मिस यूनिवर्स 2025 बनीं मेक्सिको की फातिमा बॉश

बैंकाक। मिस यूनिवर्स 2025 का भव्य फिनाले थाईलैंड में शानदार अंदाज़ में सम्पन्न हुआ, जहां दुनिया भर की निगाहें इस रोमांचक प्रतियोगिता पर टिकी रहीं. 130 से अधिक देशों की प्रतिभागियों ने अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और कौशल से मंच को जगमगाया. हालांकि, इस बार भारत के लिए निराशा का पल रहा, क्योंकि देश की उम्मीद मनिका विश्वकर्मा टॉप 12 में जगह नहीं बना सकीं. इसमें मेक्सिको की फातिमा बॉश ने बाज़ी मारते हुए मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया. इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनियाभर के 130 देशों की प्रतिभाशाली महिलाओं ने हिस्सा लिया. इन्हीं में भारत की मनिका विश्वकर्मा भी शामिल थीं, जिनसे देश को बड़ी उम्मीदें थीं. फाइनल राउंड में जगह बनाने के बाद भारत की उम्मीदें राजस्थान की इस खूबसूरत प्रतिभागी से और बढ़ गईं, लेकिन वह ताज अपने नाम करने से चूक गईं. दूसरी ओर मेक्सिको की फातिमा बॉश ने अपनी सुंदरता, प्रतिभा और बेहतरीन जवाबों से सबका दिल जीत लिया और मिस यूनिवर्स 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया. राजस्थान के छोटे से शहर से ताल्लुक रखने वाली मनिका अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता के दम पर न सिर्फ फाइनल राउंड तक पहुंचीं, बल्कि शीर्ष पसंदीदा प्रतियोगियों में भी शामिल रहीं.

न्यूज अपडेट

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में 2026 विस चुनाव की तैयारी शुरू की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव की तैयारी निर्वाचन आयोग ने शुरू कर दी है. राज्य में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच, आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैट की जांच एवं मतदान अभ्यास का कार्यक्रम तय किया है. उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में प्रथम स्तर की जांच टीम के सदस्यों के साथ बैठक कर मशीनों की उपलब्धता और प्रशिक्षण के मुद्दों पर चर्चा की. इस बार नए नियमों के तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार की छवि भी इवीएम पर दिखाई जाएगी, जिसे प्रशिक्षण के दौरान भी इस्तेमाल किया जाएगा.

बेलेम में जलवायु सम्मेलन स्थल में लगी आग, 21 घायल

बेलेम। ब्राजील के अमेज़न स्थित बेलेम शहर में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी30) के मुख्य स्थल पर गुरुवार को आग लगने के कारण कम से कम 21 लोग घायल हो गए. हालांकि किसी बड़े हादसे में तब्दील होने से पहले ही इसपर काबू पा लिया गया. आग की चपेट में आने से कम से कम 21 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकांश धुएं में सांस लेने के कारण बीमार हैं. हालांकि, अधिकारियों ने दावा किया कि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया और सम्मेलन बिना किसी रूकावट के जारी रहेगा. रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे हुई, जब सम्मेलन के 'ब्लू जोन' क्षेत्र के एक पवेलियन में धुआं दिखाई दिया. प्रतिनिधियों को तुरंत निकासी का आदेश दिया गया जिसके बाद 190 से अधिक देशों के राजनयिक, वैज्ञानिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सड़कों पर भागे.

कोस्ट गार्ड ने बांग्लादेश की नाव समेत 28 लोगों को हिरासत में लिया

कोलकाता। भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) ने बंगाल की उत्तरी खाड़ी में भारत के विशिष्ट आर्थिक जल क्षेत्र में अवैध रूप से घुसी बांग्लादेश की मछली पकड़ने वाली एक नाव को पकड़ा है. इस दौरान इस नाव पर सवार 28 लोगों को हिरासत में लिया गया. कोस्ट गार्ड ने शुक्रवार को बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा की निगरानी के दौरान भारतीय तटरक्षक बल के पोत ने एक संदिग्ध नाव को भारतीय जलक्षेत्र में देखा. रोकने पर यह नाव बांग्लादेश का मछली पकड़ने वाला पोत निकला. यह नाव मरीन जोन्स ऑफ इंडिया एक्ट 1981 का उल्लंघन करते मिली. भारतीय तटरक्षक बल की टीम ने नाव की तलाशी ली.

इंडोनेशिया के जावा प्रांत में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या हुई 30

जकार्ता। इंडोनेशिया के मध्य जावा प्रांत में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में मरने वालों की तादाद बढ़ कर 30 हो गई है और 25 से ज्यादा लोग लापता हैं. बानजरनेगारा जिले के पहाड़ी गांव में सोमवार देर रात लगातार तेज बारिश से ढलान वाला एक बड़ा क्षेत्र अचानक धंस गया और कई मकान इसकी चपेट में आ गए. इसमें जानमाल का भारी नुकसान हुआ. स्थानीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) ने बताया कि अब तक 30 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 25 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं. घायलों की संख्या 19 बताई गई है. बीएनपीबी के मुताबिक बचाव कार्य में भारी मशीनों के साथ सैकड़ों बचावकर्मी, पुलिस और सेना के जवान जुटे हुए हैं.

चीन बना रहा दुनिया का पहला सेल्फ-सस्टेनिंग तैरता हुआ आर्टिफिशियल आइलैंड

2028 तक चालू करने की है योजना

एजेंसी। बीजिंग

चीन अपनी सैन्य और वैज्ञानिक क्षमताओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है. देश अब एक अनोखा तैरता हुआ आर्टिफिशियल आइलैंड बना रहा है, जिसे विशेष रूप से न्यूक्लियर धमाकों और खतरनाक समुद्री परिस्थितियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है. यह 78,000 टन का सेमी-सबमर्सिबल ट्विन-हल प्लेटफॉर्म दुनिया का पहला मोबाइल और पूरी तरह से आत्मनिर्भर तैरता हुआ द्वीप होगा. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नई फैसिलिटी चीन के सबसे बड़े फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर जितनी बड़ी है. इसमें 238 लोग बिना किसी बाहरी सप्लाई के चार महीने तक रह सकते हैं. इस परियोजना को 2028 तक चालू करने की योजना है. एक बार ऑपरेशनल होने पर यह विवादित समुद्रों में चीन की शक्ति को काफी हद तक बढ़ा सकता है.

शंघाई जिओ टोंग यूनिवर्सिटी (एसजेटीयू) के प्रोफेसर यांग डेकिंग ने बताया कि यह "डीप-सी मेजर साइंटिफिक फैसिलिटी" हर मौसम और लंबे समय तक रहने के लिए तैयार की गई है. इसके सुपरस्ट्रक्चर में जरूरी कम्पार्टमेंट हैं जो इमरजेंसी पावर, कम्युनिकेशन और नेविगेशन कंट्रोल सुनिश्चित करते हैं. इसके चलते न्यूक्लियर ब्लास्ट जैसी आपात स्थितियों में भी सुरक्षा प्रदान की जा सकती है. एसजेटीयू के अनुसार, इस फैसिलिटी का आधिकारिक नाम डीप-सी ऑल-वेदर रेजिडेंट फ्लोटिंग रिसर्च फैसिलिटी रखा गया है. यह चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना में नेशनल मेजर साइंटिफिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में शामिल है. यह तैरता हुआ मोबाइल आइलैंड एक दशक की रिसर्च और योजना के बाद बन रहा है. दिसंबर 2024 में चाइना स्टेट शिपबिल्डिंग कॉर्पोरेशन के साथ यूनिवर्सिटी के डिजाइन कॉन्ट्रैक्ट के तहत इसका निर्माण किया जा रहा है.

प्लेटफॉर्म की लंबाई 138 मीटर और चौड़ाई 85 मीटर होगी, जिसमें मुख्य डेक पानी की सतह से 45 मीटर ऊपर होगा. इसका ट्विन-हल डिजाइन इसे सी स्टेट 7 जैसी उबड़-खाबड़ समुद्री लहरों में भी काम करने योग्य बनाता है. इसे कैटेगरी 17 के टाइफून से बचाव करने के लिए भी तैयार किया गया है. इस तैरते हुए द्वीप की सबसे बड़ी खासियत इसकी मोबिलिटी और आत्मनिर्भरता है. पारंपरिक फिक्स्ड रिसर्च स्टेशनों और सप्लाई सीमित जहाजों की तुलना में, यह आर्टिफिशियल आइलैंड 15 नॉट की रफ्तार से समुद्र में चल सकता है. इसका ऑपरेटिंग एरिया साउथ चाइना सी जैसे विवादित समुद्री इलाके भी हो सकते हैं, जिससे चीन अपनी रणनीतिक पहुंच और सैन्य ताकत को और बढ़ा सकेगा. विशेषज्ञों के अनुसार, यह परियोजना चीन के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और सैन्य दृष्टिकोण से एक बड़ा कदम है. यह न केवल नई तकनीकों और विज्ञान की दिशा में चीन की अग्रणी स्थिति को दर्शाती है, बल्कि उसे वैश्विक स्तर पर समुद्री शक्ति के मामले में एक महत्वपूर्ण बढ़त भी देती है.

न्यूज अपडेट

कांग्रेस के डीएनए में राष्ट्र विरोध: गौरव भाटिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने चिली की नेता मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी पुरस्कार दिए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के डीएनए में भारत विरोध है. उन्होंने कहा कि सबसे पुराना राजनीतिक दल कांग्रेस एक माओवादी संगठन की तरह काम करने लगा है. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि एक अवॉर्ड सेरेमनी में 'इंदिरा गांधी प्राइज़ फॉर पीस, डिसआर्मामेंट एंड डेवलपमेंट 2024' सोनिया गांधी की मौजूदगी में चिली की पूर्व प्रेसिडेंट मिशेल बैचलेट को दिया गया. भाटिया ने मिशेल की पृष्टभूमि पर सवाल खड़े किए. उन्होंने कहा कि वे चिली की पहली महिला राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की पूर्व प्रमुख रहीं. इस दौरान उन्होंने भारत की संप्रभुता पर कई बार हमला किया. उन्होंने आर्टिकल 370 में बदलाव और कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन की बात कही. ह्यूमन राइट्स काउंसिल के 42वें सेशन में उन्होंने सवाल उठाया कि कश्मीर में मानवाधिकार का उल्लंघन हो रहा है. अनुच्छेद 370 हटाया नहीं जाना चाहिए. मिशेल भारतीय नागरिक भी नहीं हैं, फिर भी उन्होंने सीएए पर याचिका दायर कर दावा किया कि इससे मानवाधिकारों को ठेस पहुंचेगी.

जुबिन नौटियाल महाकाल की भस्मारती में शामिल हुए

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में आज प्रातः देश के सुप्रसिद्ध गायक जुबिन नौटियाल ने भस्म आरती में उपस्थित होकर महाकाल भगवान के दर्शन किए. पवित्र भस्म आरती का दिव्य वातावरण और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कर नौटियाल भाव-विभोर दिखे. दर्शन उपरांत मंदिर परिसर में उनका स्वागत एवं सम्मान मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने किया . समिति ने उन्हें शॉल, प्रसाद और स्मृति चिह्न भेंट कर महाकाल बाबा की परंपरागत आतिथ्य परंपरा के अनुरूप सम्मानित किया. इस अवसर पर जुबिन नौटियाल ने महाकाल मंदिर की व्यवस्था, अनुशासन, सुरक्षा और भव्यता की खुलकर सराहना की. उन्होंने कहा कि उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर की दिव्यता और धार्मिक गरिमा अद्भुत है.

पुलिस ने प. बंगाल के श्रमिकों को हिरासत में लिया

मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के पांशकुड़ा के राधाबल्लभचक क्षेत्र के कई निवासियों को ओडिशा पुलिस ने बांग्लादेश का नागरिक होने के संदेह में हिरासत में लिया है. ये सभी लोग रोजगार के उद्देश्य से ओड़िशा के भद्रक क्षेत्र में कार्यरत थे. सूत्रों के अनुसार, एस.आई.आर. की प्रक्रिया के दौन गुरुवार शाम ये श्रमिक बांग्ला भाषा में बातचीत कर रहे थे, तभी ओडिशा पुलिस ने उन्हें विदेशी नागरिक समझकर हिरासत में ले लिया. वर्षों से कोई फेरी का कार्य कर रहा था, तो कोई व्यापारिक काम से ओड़िशा में रह रहा था. स्थानीय पहचान होते हुए भी उन्हें संदेह के आधार पर रोक दिया गया. तब से इनके परिवार बेहद चिंतित हैं. पूर्व मेदिनीपुर के जिलाधिकारी यूनिस ऋषिन इस्माइल ने कहा, "हम मामले की जांच कर रहे हैं. यदि यह प्रमाणित होता है कि वे हमारे जिले के निवासी हैं, तो आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा." हिरासत में लिए गए श्रमिकों ने वीडियो संदेश के माध्यम से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री से उन्हें थाने से मुक्त कराने और सुरक्षित घर वापस लाने में मदद करने की गुहार लगाई है

संवेदनशील जानकारी लीक मामले में दो गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मालपे से बड़ी खबर सामने आई है, जहां पुलिस ने भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है. यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट, 1923 के उल्लंघन से संबंधित है. जांच की शुरुआत तब हुई जब उडुपी कोचीन शिपयार्ड के सीईओ ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई. इसके बाद मालपे पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट की धाराओं 3 और 5 के तहत मामला दर्ज किया. कार्कला सबडिविजन की एएसपी हर्षा प्रियामवदा के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम ने जांच शुरू की और शीघ्र ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर निवासी 29 वर्षीय रोहित और 37 वर्षीय संत्री के रूप में हुई.

आगरा में कश्मीरी युवकों और डॉ. परवेज कनेक्शन पर सुरक्षा एजेंसियों की छानबीन

एजेंसी। आगरा

दिल्ली कार धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने आगरा में कश्मीरी युवकों की पहचान और सत्यापन के लिए कड़ा अभियान चलाया. मंटोला क्षेत्र में रहने वाले कई कश्मीरी युवकों को थाने बुलाकर उनकी जांच और पहचान कराई गई. डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि यह कार्रवाई एलआईयू से मिली जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें कहा गया था कि मंटोला में कश्मीरी युवक रहते हैं. पुलिस ने युवकों से पूछताछ की और उनके प्रमाण-पत्रों के आधार पर कश्मीर से भी सत्यापन कराया जा रहा है. शुरुआती जांच में कोई संदिग्ध नहीं पाया गया. जानकारी के अनुसार, ये युवक वर्षों से सर्दियों में आगरा में किराए पर मकान लेकर गर्म कपड़े बेचते हैं. पुलिस की कार्रवाई से इलाके में खलबली मची रही, लेकिन बाद में मामले की स्पष्टता के बाद लोगों ने राहत की सांस ली. सुरक्षा एजेंसियां डॉ. परवेज से जुड़े कनेक्शन की भी जांच कर रही हैं. दिल्ली कार धमाके में लखनऊ में पकड़े गए डॉ. परवेज ने आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज से एमडी की थी. एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि पढ़ाई के दौरान वह किन लोगों के संपर्क में था और उसके करीबी कौन-कौन थे. इसके साथ ही उसकी बहन डॉ. शाहीन का आगरा आना भी एजेंसियों के लिए जांच का हिस्सा है. एसटीएफ और यूपी एटीएस की टीमों ने एसएन मेडिकल कॉलेज में हॉस्टल और मेडिसिन विभाग की छानबीन की और 2009 से 2016 तक के जूनियर डॉक्टरों की डिटेल्स मांगी हैं.

किसी विशेष समूह का हिस्सा बनना उनकी फितरत में नहीं: शिवकुमार

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर बढ़ रही अटकलों के बीच उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्थिति स्पष्ट की है. उन्होंने कहा कि किसी विशेष समूह का हिस्सा बनना उनकी फितरत में नहीं है और उनके लिए सभी 140 विधायक समान हैं. शिवकुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सरकार और कैबिनेट में फेरबदल का निर्णय लिया है, इसलिए सभी मंत्री बनने के इच्छुक हैं और यह स्वाभाविक है कि वे दिल्ली जाकर पार्टी नेताओं से मुलाकात करें. उन्होंने यह भी कहा कि कुछ विधायक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मिले हैं. यह उनकी व्यक्तिगत इच्छा है और वे अपनी जिम्मेदारी दिखाने का प्रयास कर रहे हैं. डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही चर्चाओं को नई घटना नहीं बताते हुए कहा कि पिछले 2.5 साल से बैठकें होती रही हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विधायकों को मंत्री बनने का अधिकार है और मुख्यमंत्री अपनी पांच साल की अवधि पूरी करेंगे, जिसमें सभी उनके साथ काम करेंगे. कर्नाटक कांग्रेस में सीएम पद को लेकर चर्चाएं तब तेज हुईं जब कुछ कांग्रेस विधायकों ने बीते गुरुवार रात दिल्ली में मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की. इस घटना के बाद सियासी तापमान बढ़ गया. वहीं, भाजपा ने भी इस मामले में चुटकी लेना शुरू कर दिया है. हबल्ली से भाजपा नेता महेश तेंगनकाई ने कहा कि यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है, लेकिन मीडिया में जो सामने आ रहा है उससे प्रतीत होता है कि पार्टी में बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है. उन्होंने दावा किया कि नवंबर अंत तक कांग्रेस में बड़ा बवाल देखने को मिल सकता है.

राजमहेंद्रवरम में 58वां राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाया गया, बोले डॉ. आनंद कुमार पिंगली

विद्यार्थी को ज्ञान संपदा का पूरा लाभ उठाना चाहिए

एजेंसी। राजमहेंद्रवरम

पूर्वी गोदावरी जिला पुस्तकालय संघ के निर्देशन में राजमहेंद्रवरम के इन्निसुपेटा शाखा पुस्तकालय में 58वां राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया. इस अवसर पर विद्यार्थियों और पुस्तक प्रेमियों के बीच पुस्तकालयों के महत्व और उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया. कार्यक्रम की शुरुआत पद्मश्री अय्यंकी वेंकट रामनैया और डॉ. चागंती वेंकट लक्ष्मी नरसिंह राव (सेवानिवृत्त प्राचार्य) द्वारा की गई, जिन्होंने छात्रों को पुस्तकालयों के उपयोग और लाभ के बारे में जानकारी दी. इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पंथम कोंडालाराव (सीसीसी चैनल प्रमुख) और डॉ. आनंद कुमार पिंगली (एएसआर होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज, ताडेपल्लीगुडेम के प्राचार्य) उपस्थित थे. पद्मश्री वेंकट रामनैया ने दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया. इसके बाद, बी.एन.वी. श्रीकांत (तेलुगु पंडित) की उपस्थिति में जूनियर और सीनियर छात्रों के लिए ₹आपकी पसंदीदा कहानी पुस्तक₹ विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया. मुख्य वक्ता डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तकालय में उपलब्ध ज्ञान संपदा का पूरा लाभ उठाना चाहिए. उन्होंने बताया कि पुस्तकालयों की स्थापना पुस्तकालय आंदोलनों के प्रयासों का परिणाम है और ये जीवन के विकास तथा सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं. कार्यक्रम के दौरान पुस्तकालय विकास समिति के सदस्यों और राजमहेंद्री चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने इन्निसुपेटा पुस्तकालय के सर्वश्रेष्ठ पाठक श्री वनपल्ली श्रीरामचंद्रमूर्ति और डॉ. आनंद कुमार पिंगली को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया. इसके अतिरिक्त टी नगर पुस्तकालय समिति की अध्यक्ष श्रीमती वद्रेवु अलिवेलु, सदस्य पाला सत्यनारायण, ट्रस्ट सदस्य श्रीमती रमेश व श्री बोड्डू श्रीनिवास सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे. 21वें वार्ड के टीडीपी अध्यक्ष श्री कोम्मा रमेश बाबू और जिला पुस्तकालय संगठन के पूर्व सचिव श्री मारिसेट्टी सत्यनारायण ने भी कार्यक्रम में भाग लिया. इसके अलावा पुस्तकालय में एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें गणमान्य व्यक्तियों ने छात्रों को पढ़ाई और पुस्तकों के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया.

आंध्र प्रदेश को लाल चंदन संरक्षण के लिए 39.84 करोड़ रुपये जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने आंध्र प्रदेश को लाल चंदन के संरक्षण और सुरक्षा के लिए 39.84 करोड़ रुपये जारी किए जिनमें 38.36 करोड़ रुपये वन विभाग को और 1.48 करोड़ रुपये राज्य जैव विविधता बोर्ड को दिए गए. इस राशि के साथ देश में एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग के तहत कुल वितरण 110 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है जो जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है. केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, भारत में गहरी लाल लकड़ी के लिए प्रसिद्ध लाल चंदन प्राकृतिक रूप से केवल आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाट के चुनिंदा क्षेत्रों अनंतपुर चित्तूर कडप्पा प्रकाशम और कुरनूल में पाया जाता है. वन विभाग द्वारा नीलाम या जब्त की गई लकड़ी की नियंत्रित बिक्री से 87.68 करोड़ रुपये लाभ राशि के रूप में प्राप्त हुए थे. राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण अब तक आंध्र प्रदेश कर्नाटक ओडिशा के वन विभागों और आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को लाल चंदन के संरक्षण सुरक्षा और अनुसंधान के लिए 49 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी कर चुका है. इसके अलावा आंध्र प्रदेश के 198 किसानों को 3 करोड़ रुपये और तमिलनाडु के 18 किसानों को 55 लाख रुपये भी लाभ के रूप में दिए गए हैं. अभी दी गई 38.36 करोड़ रुपये की राशि से वन विभाग को फील्ड स्टाफ की क्षमता बढ़ाने सुरक्षा उपायों को मजबूत करने वैज्ञानिक प्रबंधन को प्रोत्साहन देने जैव विविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने और दीर्घकालिक निगरानी कार्यक्रमों को मजबूत करने में सहायता मिलेगी. साथ ही राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा एक लाख लाल चंदन पौध तैयार करने की योजना को स्वीकृति दी है जिसके लिए 2 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं. पहले जारी राशि के बाद अब शेष 1.48 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.